हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शनिवार • 25.10.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 90 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड के खिलाड़ियों ने देश का गौरव बढ़ाया है : हेमन्त सोरेन

सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025 की मेजबानी झारखंड के लिए गर्व की बात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोरहाबादी में आयोजित चौथी सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025 का विधिवत आगाज किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि लम्बे समय के बाद चतुर्थ सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025 के आयोजन की मेजबानी का अवसर झारखंड प्रदेश को मिला है, यह हमारे राज्य के लिए गर्व और सम्मान की बात है। इस आयोजन में दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों (भारत, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल एवं श्रीलंका) के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस चैंपियनशिप के सफल आयोजन से राज्य का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठित होगा। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि खेल के प्रति झारखंड प्रदेश के नौजवानों में उत्साह और समर्पण देखने को मिलता है। विभिन्न खेल जैसे क्रिकेट, हॉकी, तीरंदाजी सहित कई अन्य खेलों में यहां के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सभी लोग यहां चतुर्थ सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में उपस्थित हुए हैं। झारखंड के नौजवान एथलेटिक्स के क्षेत्र में भी काफी रुचि रखते हैं। उन्होंने कहा कि इस चैंपियनशिप में देश के सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन देखने को मिले इसके लिए हमें स्टेडियम में उपस्थित होकर उनका उत्साह बढ़ाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चैंपियनशिप में भी हमारे खिलाड़ियों पर हमें पूरा विश्वास है कि वे अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से झारखंड और देश का गौरव बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल एवं श्रीलंका के खिलाड़ियों का झारखंड राज्य हार्दिक अभिनंदन करता है। उन्होंने कहा कि उद्घाटन अवसर पर आज इन सभी खिलाड़ियों का यहां के कलाकारों ने झारखंड की समृद्ध कला, संस्कृति एवं लोक नृत्य के साथ स्वागत और अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में भी इस प्रकार के खेलों का आयोजन होता रहे इसके लिए हमारी सरकार निरंतर प्रयासरत है। आज उत्साह भरे माहौल में खिलाड़ियों को हमारे राज्य के नौजवान स्टेडियम में उपस्थित होकर उनका मनोबल बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे सभी खिलाड़ियों तथा एथलेटिक्स फेडरेशन के प्रति आभार जताया।

हेमन्त सोरेन से मिले पंजाब के दो मंत्री, गुरु तेग बहादुर जी के समारोह के लिए किया आमंत्रित

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह तथा राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को पंजाब सरकार के दोनों मंत्रियों ने सिख पंथ के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री को उन्होंने अवगत कराया कि यह आयोजन गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान, समर्पण, त्याग, आदर्श एवं जनकल्याण के प्रति उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में देशभर के संत-महात्माओं सहित विभिन्न राज्यों के गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पंजाब सरकार की ओर से मिले आमंत्रण के लिए दोनों मंत्रियों के प्रति धन्यवाद प्रकट किया तथा आयोजन की सफलता के लिए उन्हें अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी।

एक नजर

छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान आज से शुरू

पटना : लोक आस्था के महापर्व छठ का चार दिवसीय महाअनुष्ठान शनिवार यानी 25 अक्टूबर को 'नहाय-खाय'से शुरू हो रहा है। इस दिन व्रती स्नान करके स्वच्छता का पालन करते हैं और फिर सात्विक भोजन जैसे कद्दू, चने की दाल और चावल का सेवन करते हैं। इसके अगले दिन खरना से छठ व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखेंगी, जिसमें व्रती शाम को खीर आदि खाने के बाद निर्जला उपवास रखेंगी । 27 अक्टूबर को डूबते सूर्य को संध्या अर्घ्य दिया जाएगा। 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को सुबह अर्घ्य दिया जाएगा, जिसके बाद इस चार दिवसीय महा-अनुष्ठान का समापन हो जायेगा। कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को हिंदुओं द्वारा मनाया जाने वाला सूर्योपासना का यह अनुपम लोकपर्व मुख्य रूप से बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह पर्व मैथिल, मगही और भोजपुरी लोगों का सबसे बड़ा पर्व है । यह उनकी संस्कृति है। छठ पर्व बिहार में बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। यह पर्व बिहार या पूरे भारत का ऐसा एक मात्र पर्व है, जो वैदिक काल से चला आ रहा है और अब तो यह बिहार कि संस्कृति बन चुका है। यह पर्व बिहार के वैदिक आर्य संस्कृति की एक छोटी सी झलक दिखाता है। यह पर्व ऋग्वेद में वर्णित सूर्य पूजन एवं उषा पूजन तथा आर्य परंपरा के अनुसार मनाया जाता है।

बिहार की जनता तेजस्वी और इंडी गठबंधन को मौका देगी : अखिलेश

अजमेर : समाजवादी पार्टी सुप्रीमो व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बिहार की जनता तेजस्वी और इंडी गठबंधन को एक मौका देगी। उन्होंने तेजस्वी यादव को इंडी गठबंधन की ओर से बिहार में मुख्यमंत्री का चेहरा बनाए जाने पर खुशी जाहिर की। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव शुक्रवार को किशनगढ़ मार्बल सिटी आए थे। चार्टर प्लेन से किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंचे अखिलेश यादव का यहां फूल माला से स्वागत किया गया। मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि बिहार की जनता इंडी गठबंधन को एक मौका जरूर देगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर तंज करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार नहीं झूठ का इंजन है।

इटली की 'चर्चो' में लगभग 4,400 लोगों का हुआ यौन शोषण

रोम : इटली की विभिन्न 'चर्चो' में कैथोलिक पादरियों ने पिछले पांच सालों में लगभग 4,400 लोगों को यौन शोषण का शिकार बनाया है। चर्च में हुए यौन उत्पीड़न मामलों के पीड़ित व्यक्तियों के सबसे बड़े समूह रेटे ल अबुजो ने यह जानकारी दी। समूह के संस्थापक फ्रांसेस्को जानार्डीअनुसार पिछले पांच सालों के दौरान कैथोलिक पादरियों द्वारा लगभग 4,400 लोगों का यौन शोषण किए जाने के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह अनौपचारिक आंकड़ा पीड़ितों के बयानों, न्यायिक स्रोतों और मीडिया रिपोर्टों पर आधारित है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि ये कथित शोषण कब से हो रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि ये मामले 2020 के बाद के हैं। इस बीच समूह ने 1,250 कथित यौन शोषण मामलों के दस्तावेज जुटाए हैं।

आईएसआईएस मॉड्यूल का भंडाफोड़ दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए आईएसआईएस से जुड़े एक इंटरस्टेट मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। दिल्ली और मध्य प्रदेश के भोपाल में एक साथ हुई छापेमारी में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह मॉड्यूल आगामी त्योहारों के दौरान दिल्ली में भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतंकी हमला करने की योजना बना रहा था। पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सादिक नगर, दिल्ली निवासीमोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और करोंद, भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। यह कार्रवाई स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त अमित कौशिक की देखरेख में की। उन्होंने बताया कि दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसने आईएसआईएस के मौजूदा खलीफा अबू हफ्स अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति बैयत (निष्ठा की शपथ) ली थी। यह शपथ उसने सीरिया स्थित आईएसआईएस हैंडलर अबू इब्राहिम अल-कुरैशी के निर्देश पर ली थी और इसका वीडियो आईएसआईएस की पोशाक में रिकॉर्ड कर भेजा गया था। दोनों आरोपित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कट्टरपंथी वीडियो एडिट कर युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते थे। ये लोग इंस्ट्राग्राम और यूट्यूब पर कई बार बैन होने के बावजूद नए चैनल बनाकर कटरपंथी सामग्री फैलाते रहे है। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपित न केवल ऑनलाइन प्रचार-प्रसार कर रहे थे, बल्कि अब इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने की दिशा में सक्रिय थे। उनके पास से टाइमर क्लॉक, आईएसआईएस का झंडा, आईईडी बनाने की मैनुअल, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, लैपटॉप और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद हुई है। स्पेशल सेल की समय रहते कार्रवाई से दिल्ली में त्योहारों के दौरान संभावित आतंकी हमले की साजिश नाकाम हुई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि भोपाल निवासी अदनान खान के पिता सलाम कई प्राइवेट फर्मों में अकाउंटेंट का काम करते हैं और उनकी मां पार्ट-टाइम एक्ट्रेस हैं।

कुरनूल में चलती बस में लगी आग, 20 की मौत, 13 झुलसे

एजेंसी

कुरनूल : आंध्र प्रदेश में कुरनूल के बाहरी इलाके चिन्नाटकुरु में एक चलती बस में आग लगने से एक बाइक सवार सहित 20 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 13 लोग झुलस गए हैं। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक जताया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये का मुआवजा देने की बात कही है। राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने घटना की जांच के आदेश दिए है। तेलंगाना सरकार ने दुर्घटना में मारे गए अपने राज्य के नागरिकों को पांच-पांच रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। शुक्रवार सुबह 3:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर कुरनूल जिले के चिन्नाटकुरु में उल्लिंडकोंडा चौराहे पर एक बाइक से टकराने के बाद हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही वेमुरी कावेरी ट्रैवल्स की बस में आग लग गई। बस में 40 यात्री सवार होने की बात सामने आई है।आग लगने के बाद 12 यात्री किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाने में सफल हो गए। हादसे में

बाइकसवार और अन्य 19 बस यात्री आग में जिंदा जल गए। अस्पताल से 13 झुलसे लोगों डिस्चार्ज कर दिया गया है1 हादसे में बस चालक और परिचालक बच गए हैं। कुरनूल बस दुर्घटना की जानकारी मिलने पर विदेश से ही आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी और अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक की। उन्होंने मृतकों की पहचान करने और परिवारों को तत्काल सहायता प्रदान करने के आदेश दिए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी जिलों में निजी बसों की फिटनेस, सुरक्षा और परमिट जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दुर्घटना का कारण लापरवाही पाई गई तो ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दुर्घटना में शामिल निजी बस के पंजीकरण, फिटनेस और परमिट की पूरी रिपोर्ट मांगी है। पुलिस जांच कर रही है। इसी बीच तेलंगाना सरकार ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल के बाहरी इलाके में हुई बस दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। दुर्घटना में मारे गए तेलंगाना के नागरिकों के परिवारों को 5 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाएगी। बस अग्नि हादसे की सूचना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख व्यक्त किया। पीएमओ से जारी एक बयान में कहा गया कि आंध्र प्रदेश के करनूल में हुए भीषण सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री को गहरे सदमे में डाल दिया है। इस दुखद घड़ी में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा भी की है। इस बीच करनूल के जिलाधीश ने अपने आधिकारिक बयान में बस से 20 यात्रियों के शव निकलने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि फोरेंसिक जांच और पोस्टमार्टम के बाद ही शव उनके परिजनों को सौंपे जाएंगे। उन्होंने कहा कि मृतकों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट भी करवाया जाएगा। हादसे की जानकारी के लिए करनूल और गद्यवाल जिले कंट्रोल रूम स्थापित किए गए ताकि बस यात्रियों के परिजनों को अधिक जानकारी दी जा सके।

यह महागठबंधन नहीं लठबंधन है : प्रधानमंत्री

एजेंसी

पटना : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के बेगूसराय में भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया और लोगों से राजग उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने इस मौके पर महागठबंधन को आड़े हाथों भी लिया। प्रधानमंत्री ने अपनी दूसरी जनसभा में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि यह महागठबंधन नहीं लठबंधन है। उन्होंने कहा कि तथाकथित 'जंगल राज' के नेताओं ने जहां अपने परिवारों को प्राथमिकता दी और बिहार के युवाओं की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया, वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग ने राज्य में समृद्धि लाई है। प्रधानमंत्री ने कहा, आप सभी को याद रखना चाहिए कि निवेशक राजद-कांग्रेस का नाम सुनते ही भाग जाते हैं। जो लोग नौकरी के नाम पर गरीबों से जमीन हड़पते हैं, वे आपको कभी रोजगार नहीं देंगे। राजद के चुनाव चिन्ह पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार के लोगों को लालटेन की जरूरत नहीं है, क्योंकि अब उनके

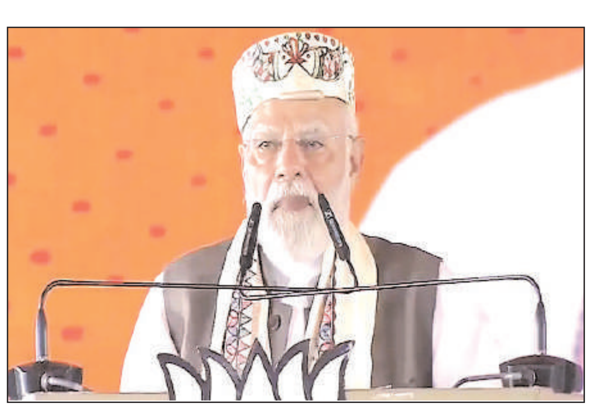

मोबाइल फोन में टॉर्च है। उन्होंने राज्य से युवाओं के पलायन के लिए राजद और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा कि राजद ने पिछले दो दशकों में कोई चुनाव नहीं जीता है, लेकिन वह अपने अहंकार में डूबी हुई है। इसी अहंकार के कारण उसने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को गठबंधन से बाहर कर दिया। झामुमो ने राजद और कांग्रेस की राजनीतिक साजिश को गठबंधन से बाहर होने का कारण बताया और संकेत दिया कि अब वह झारखंड में इन दोनों दलों के साथ अपने गठबंधन पर पुनर्विचार करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस 35 साल से बिहार में राजद के रहमो-करम पर है। जब स्वार्थ हावी होता है और लूट ही लक्ष्य होता है, तो राजद और कांग्रेस ठीक यही कर रहे होते हैं। वे पहले टिकट बेचते हैं, फिर घोटाले करते हैं। प्रधानमंत्री ने मंच पर खड़े राजग उम्मीदवार कुंदन सिंह, मटिहानी से राजकुमार सिंह, साहेबपुर कमाल से सुरेंद्र विवेक, चेरिया बरियारपुर से अभिषेक आनंद, बखरी से संजय पासवान, तेघरा से रजनीश कुमार और बछवारा से सुरेंद्र मेहता को भारी मतों से जीताने की लोगों से अपील की। इससे पहले प्रधानमंत्री ने समस्तीपुर में अपने चुनाव अभियान की शुरूआत भारत रत्न कपूर्री ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित करके की, जो 1970 के दशक में बिहार के मुख्यमंत्री थे और जिन्हें इस साल देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था।

एनडीए शासन में बिहार को मिली सिर्फ बेरोजगारी और महंगाई : तेजस्वी यादव

सहरसा : बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को सिमरी बख्तियारपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सलखुआ स्थित महंथ मिट्ठू दास उच्च विद्यालय मैदान में महागठबंधन के प्रत्याशी युसूफ सलाउद्दीन के लिए चुनावी सभा की। मौके पर विकासशील इंसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी मौजूद रहे। साथ ही इंडियन इन्क्लूसिव पार्टी के अध्यक्ष सह सहरसा विधानसभा क्षेत्र के महागठबंधन प्रत्याशी आईपी गुप्ता, महिषी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी गौतम कृष्ण और सोनवर्षा विधानसभा क्षेत्र की प्रत्याशी सरिता पासवान मौजूद रही। पटना से हेलिकॉप्टर के जरिए पहुंचे तेजस्वी यादव का मंच पर बड़ी संख्या में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए शासनकाल में बिहार को बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं मिला। तेजस्वी ने जनता से विकास, शिक्षा और रोजगार के मूलभूत मुद्दों पर मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा, आप लोग सिमरी बख्तियारपुर से महागठबंधन प्रत्याशी युसूफ सलाउद्दीन को भारी मतों से विजयी बनाएं। हम गारंटी देते हैं कि इससे क्षेत्र का विकास होगा और हमारे युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही उन्होंने सोनबरसा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सरिता पासवान, महिषी से डॉ गौतम कृष्ण व सहरसा से आईपी गुप्ता को विजयी बनाने की जनता से अपील किया।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में फूड पॉइजनिंग से पांच की हुई मौत, 20 से ज्यादा बीमार

एजेंसी

नारायणपुर : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर और बीजापुर जिले की सरहद पर बसे अबूझमाड़ के गांव में फूड पॉइजनिंग होने से पांच ग्रामीणों की मौत हो गई। जबकि 20 से ज्यादा ग्रामीण बीमार हैं। नारायणपुर और बीजापुर जिले की स्वास्थ्य विभाग की टीम गुरुवार शाम को गांव पहुंची और लोगों के इलाज में तत्पर है। यह मामला नारायणपुर जिले के ओरछा ब्लॉक के डूंगा गांव के घोट पारा का है। 14 अक्टूबर को इस गांव में एक ग्रामीण के घर तेरहवीं का कार्यक्रम था, जिसमें पूरा गांव शामिल हुआ था। यहां खाना खाने के बाद अचानक ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ने लगी थी। ग्रामीणों को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई। गांव वाले पहले गांव में ही सिरहा गुनिया से इलाज करवा रहे थे। इसके बाद 14 अक्टूबर से लेकर 20 अक्टूबर के बीच 2 महीने की बच्ची बेबी, बुधरी (25), बुधराम (24), लख्खे (45) और उर्मिला (25) की मौत हो गई। अभी भी 20 से अधिक ग्रामीण बीमार है। 25 से ज्यादा ग्रामीण फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए थे। स्वास्थ्य विभाग को जैसे ही ग्रामीणों की मौत और बीमार होने की खबर मिली तो यहां पर स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। यह गांव नारायणपुर और बीजापुर जिले के सीमा पर है, इसलिए दोनों जिलों नारायणपुर और बीजापुर जिले की स्वास्थ्य विभाग की टीम गुरुवार शाम को गांव पहुंची। नारायणपुर सीएमएचओ डॉ. टीआर कंवर के अनुसार दूषित खाना खाने से ग्रामीणों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों का मेडिकल चेकअप किया गया, जिसमें 20 ग्रामीण उल्टी-दस्त से ग्रसित मिले। दो ग्रामीणों को मलेरिया की शिकायत थी, जबकि अन्य तीन ग्रामीण किसी दूसरी बीमारी से जूझ रहे थे। इनमें से एक महिला को भैरमगढ़ स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया है। नारायणपुर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने शुक्रवार को पांच लोगों मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि स्वास्थ्य अमला घटनास्थल पर उपचार कर रहा है। प्रारंभिक जांच में फूड पाइजनिंग को संभावित कारण बताया जा रहा है। भोजन के सैंपल फूड लैब में परीक्षण को भेजा गया है, ताकि वास्तविक कारण का पता लगाया जा सके। प्रशासनिक अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बीमार लोगों का इलाज कर रही हैं।

एक नजर

चलंगा में जिप उपाध्यक्ष ने क्रिकेट टूर्नामेंट का किया शुभारंभ

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत रानीचूआ पंचायत के चलंगा में शिव शक्ति द्वारा लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के उपलक्ष्य में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, जेएलकेएम नेता कृष्णा यादव एवं भाजपा युवा नेता मुन्ना यादव शामिल हुए। जहां आयोजकों ने सभी अतिथियों को फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वहीं सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मैच का उद्घाटन किया। टूनामेंट का पहला मुकाबला डीवीसी बनाम गड़लाही के बीच खेला गया, जिसमें गड़लाही की टीम ने 40 रन से शानदार जीत दर्ज की। बता दें कि टूनामेंट 8 - 8 ओवर के प्रारूप में खेला जा रहा है। विजेता टीम को 9 हजार जबकि उपविजेता टीम को 7 हजार की ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इस टूनामेंट के आयोजन में बिंदु यादव, प्रवीण यादव, सुभाष यादव, सुरेश पंडित, उमेश यादव, दीपक यादव, नरेश यादव, आनंद कुमार एवं अमित कुमार का अहम योगदान है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध महुआ शराब निर्माण पर सघन छापेमारी

हजारीबाग : आसन्न बिहार विधानसभा निर्वाचन 2025 को दृष्टिगत रखते हुए उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निदेर्शानुसार एवं निर्वाचन आचार संहिता के पालन हेतु हजारीबाग प्रशासन द्वारा सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त, उत्पाद विभाग, हजारीबाग के नेतृत्व में चोरदाहा चेक पोस्ट पर पदस्थापित उत्पाद कर्मियों ने बिहार मद्य निषेध विभाग, गया के सहयोग से चौपारण थाना अंतर्गत बिहार राज्य से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों, बुकाड जंगल एवं नदी किनारे में संयुक्त छापेमारी अभियान संचालित किया। अभियान के दौरान अवैध महुआ शराब निर्माण की सक्रिय भट्ठियों पर कार्रवाई की गई। छापेमारी दल ने ड्रोन कैमरे की मदद से सघन जंगल क्षेत्र में जलती हुई भट्ठियों की पहचान कर उन्हें तत्काल नष्ट किया। इस कार्रवाई में 5000 किलोग्राम किन्वित जावा महुआ, शराब बनाने की सामग्री एवं लगभग 400 लीटर तैयार महुआ चुलाई शराब जब्त की गई। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और उनके विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज करने की कार्रवाई जारी है।

मारपीट मामले को लेकर चार अलग अलग दिए गए आवेदन पर पुलिस ने

बड़कागांव : बड़कागांव थाना अंतर्गत ग्राम महुदी टोला कनोदा एवं ग्राम हरली में मारपीट मामले को लेकर तीन अलग - अलग दिए गए ।आवेदन पर बड़कागांव पुलिस ने तत्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दिया है। मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि मारपीट मामले को लेकर वार्ड सदस्य माहजहाँ खातून पती मो. एजाज ग्राम महुदी टोला कनोदा के द्वारा दिए गए आवेदन पर बड़कागांव थाना कांड संख्या 251/25 दर्ज की गई है। माहजहां खातून द्वारा दिए गए आवेदन के तहत अपने ही गांव के नाजनीन खातून ,मो. रिजवान, मो. वारीश , मो. अलमास, मो. मेराज, सना खातून,नाज प्रवीण पर मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। वहीं मो. काशीम पिता स्व. जमीर शेख ग्राम महुदी टोला कनोदा निवासी के दिए गए आवेदन पर बड़कागांव थाना कांड संख्या 252/25 दर्ज किया गया है।

चार दिवसीय लोक आस्था का पर्व छठ महापर्व नहाए खाए के साथ आज से शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर पूरे प्रखंड में आस्था चरम पर पहुंच गई है ।स्वच्छता के साथ आज नहाए खाए के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व अरवा चावल, कद्दू, चने की दाल का भगवान सूर्य देव को भोग लगाने के पश्चात शुरू होगा। वही कल रविवार देर शाम छठ का खरना होगा । खरना के पश्चात छठ व्रती 36 घंटा निर्जला उपवास में रहेंगे। सोमवार को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को प्रथम अर्ध्य एवं मंगलवार को उदयमान सूर्य को अर्ध्य दिया जाएगा। छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालु अपने घरों में पूर्ण रूप से स्वच्छता पर विशेष नजर बनाए हुए हैं, फूंक फूंक कर कदम आगे बढ़ा रहे हैं। ताकि किसी प्रकार कोई गलती नहीं हो ताकि स्वच्छता बना रहे। वहीं तमाम बाजारों में सूप दउरा का बिक्री खूब देखी जा रही है।

तैयारी पूरी, हिंदू स्कूल में कल से होगा लागत मुल्य पर छठव्रतियों के बीच फलों का वितरण

हजारीबाग : सूर्य उपासना का महापर्व छठ को लेकर हिंदू स्कूल परिसर में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर श्री सूर्य षष्ठी छठ पूजा फल वितरण समिति द्वारा खरना के दिन यानी रविवार सुबह 8 बजे से छठव्रतियों के बीच लागत मूल्य पर फल और पूजन सामग्री का वितरण किया जाएगा। यह जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी सचिन खंडेलवाल ने दी। उन्होंने बताया कि समिति इस वर्ष 19 प्रकार के फल और पूजन सामग्री उपलब्ध करा रही है। सभी फलों के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं।

सूर्य मंदिर परिसर स्थित चित्रगुप्त मंदिर में हुआ चित्रगुप्त पूजा, चित्रांश समाज ने की पूजा अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही सूर्य मंदिर परिसर में स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर में बरही के चित्रांश परिवार की ओर से गुरुवार को विधि विधान के साथ अराध्य देव भगवान चित्रगुप्त जी की पूजा अर्चना भक्तिभाव के साथ किया गया। पूजन अर्चना का विधि विधान पुरोहित पंडित राम लखन शर्मा, पंडित अजय शर्मा, पंडित पप्पू कुमार शर्मा के द्वारा संपन्न कराया गया। मुख्य यजमान समिति के अमित कुमार सिंहा,आशुतोष कुमार सिन्हा सहित चित्रांश परिवार के लोगो ने भगवान चित्रगुप्त जी महाराज से सुख, समृद्धि और शांति की कामना किया। वरिष्ठ चित्रांश डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि मनुष्य के पाप-पुण्य का लेखा-जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त हैं। ये सभी के लिए अराध्यादेव हैं। बरही में यह पूजा दशकों से किया जा रहा है। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा बरही इकाई के अध्यक्ष मनोज घोष ने बताया कि पूजा चित्रांश समाज के वरिष्ठों के निर्देशन और संरक्षण में आयोजित किया गया। जिसमे सभी का सहयोग रहा है। पूजा के बाद मंदिर परिसर में ही डॉ संगीता चौधरी एवं डॉ संकल्प ज्ञानी एवं अन्य के सौजन्य से सामूहिक रूप से स्वजातीय एवं सार्वजनिक प्रीति भोज का भी आयोजन किया गया। जिसमें चित्रांश परिवार के लोग उत्साह के साथ भाग लिए। पूजा में वरिष्ठ चित्रांश डॉ प्रकाश ज्ञानी, डॉ संगीता चौधरी, डॉ संकल्प ज्ञानी, शैलेंद्र सिन्हा, श्याम सुंदर प्रसाद, राजेंद्र रुखरियार, निशांत कुमार सिन्हा, प्रभात कुमार, तनय राज सिन्हा, गुड्डु सिंहा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गुरुकुल के विद्यार्थियों ने छठ पर्व पर चलाया स्वच्छता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झील परिसर में गुरुकुल कोचिंग संस्थान ,गुरुकुल इंटर कॉलेज, गुरुकुल कंप्यूटर अकैडमी के विद्यार्थियों ने छठ पूजा के पूर्व स्वच्छता अभियान चलाया। त्रिमूर्ति चौक से लेकर झील के विभिन्न घाटों की साफ-सफाई की गई। इस कार्य को करने के पश्चात सभी विद्यार्थियों को काफी आत्मसंतुष्टि मिली। गुरुकुल के निदेशक जेपी जैन ने बताया कि विगत 22 वर्षों से संस्थान निरंतर छठ पूजा के शुभ अवसर पर स्वच्छता अभियान के साथ छठ व्रतधारी महिलाओं के बीच त्रिमूर्ति चौक पर स्टाल लगाकर सूप, फल, नारियल, अगरबत्ती, पूजन सामग्री, पारण हेतु नींबू चीनी के पैकेट का वितरण करती है जिसके कारण विद्यार्थियों में समाज के लिए कुछ करने की भावना जागृत होती है। इस वर्ष भी संस्थान के विद्यार्थी झील स्थित त्रिमूर्ति चौक में स्टाल लगाकर छठ व्रतधारी महिलाओं के बीच सूप फल नारियल अगरबत्ती पूजन सामग्री एवं व्रतधारी महिलाओं के पारण हेतु नींबू चीनी के पैकेट का वितरण करेंगे। गुरुकुल के निदेशक जेपी जैन ने झील पर्यावरण स्वच्छता समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार वर्मा को प्रतिदिन झील में स्वच्छता अभियान चलाए जाने के कारण आम का वृक्ष प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया। आज के स्वच्छता अभियान में गुरुकुल के निदेशक जेपी जैन मार्गदर्शक अमरदीप कुमार गुरुकुल इंटर कॉलेज के डॉक्टर सुनील कुमार ,वार्ड 27 की वार्ड पार्षद सोनी क्षेत्री,सूरज कुमार सिंह, शशि रंजन, राजीव कुमार, साक्षी यादव ,अंजलि अग्रवाल, पूजा कुमारी, मुकेश यादव, कुलदीप कृष्णा, राजीव कुमार, दिनेश नटाणी शामिल थे ।

मुखिया प्रतिनिधि ने छठ घाट का किया निरीक्षण, ग्रामीणों के साथ चलाया सफाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : आगामी महापर्व छठ को लेकर चौपारण प्रखंड के करमा पंचायत स्थित करमा छठ घाट पर मुखिया प्रतिनिधि राजदेव यादव ने निरीक्षण किया और घाट की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया और लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। निरीक्षण के दौरान राजदेव यादव ने कहा कि महापर्व छठ लोक आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। ऐसे में व्रतियों को पूजा-पाठ करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इस उद्देश्य से करमा छठ घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि छठ घाट की साफ-सफाई सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि स्वच्छता और श्रद्धा का प्रतीक है। ग्रामीणों के सहयोग से पूरा घाट साफ-सुथरा किया गया, ताकि व्रतियों को स्नान और अर्घ्य देने में कोई दिक्कत न हो। ग्रामीणों ने हाथों में झाड़ू और टोकरी लेकर पूरे जोश और उत्साह के साथ सफाई अभियान में हिस्सा लिया। सभी ने स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। यादव ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि करमा पंचायत के सभी छठ घाट पूरी तरह स्वच्छ और सुरक्षित रहें। ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखकर मन प्रसन्न हुआ। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि हमारे पंचायत क्षेत्र के अधिकांश छठ घाटों का पक्का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शेष घाटों का कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुखिया प्रतिनिधि के रूप में वे हर गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। इस मौके पर पंचायत के मुखिया देवंती देवी ने भी लोगों से अपील की कि सभी लोग शांतिपूर्ण माहौल में पर्व मनाएं, और किसी प्रकार की अफवाहों से दूर रहें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुंदर घाट ही हमारे श्रद्धा के प्रतीक हैं।

समाजसेवियों ने डपोक के लालीघाट छठ घाट में चलाया सफाई अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : लोक आस्था के महापर्व छठ के नजदीक आते ही बरही प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों के साफ सफाई जोर शोर से किया जा रहा जहां जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ता बड़े ही जोश खरोस के साथ लगे हुए हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को बरही प्रखंड के डपोक गांव के लालीघाट छठ घाट सहित छठ घाट तक आने जाने रास्ते को पूर्व ज़िप प्रतिनिधि मो क्युम एवं मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास के नेतृत्व में जेसीबी मशीन द्वारा साफ सफाई,रास्ते की सफाई एवं छठ घाट पर बहते पानी को रोकने के लिए बांध बांधकर पानी रोकने का काम किया गया ताकि छठव्रतियों को पूजा करने में किसी तरह की असुविधा नहीं हो। छठ घाट की सफाई में लगा जेसीबी का सारा खर्च पूर्व ज़िप प्रतिनिधि मो क्युम द्वारा वहन किया गया। मौके पर प्रकाश यादव, रोहित कुमार यादव ,ब्रम्भदेव यादव,संजय पासवान, रमा अवतार यादव, विनय यादव, सीता राम साव, लक्ष्मण साव,बंसी यादव, कन्हैया कुमार, सहित गांव के नवयुवक क्लब एवं शिव शक्ति क्लब के सदस्य सभी सदस्य मौजूद रहे।

छठ मइया की आराधना संग मानवता की पूजा, हजारीबाग यूथ विंग ने 11 रुपये में 21 सामग्री बांटकर रचा नया इतिहास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सूर्य उपासना और लोक आस्था का पवित्र महापर्व छठ के मौके पर जरूरतमंद परिवारों के लिए हजारीबाग यूथ विंग ने बीते वर्षों की भांति वर्तमान वर्ष भी बहुत ही नेक पहल की है। छठ महाव्रत करने वाले परिवारों को महज 11 रुपए के सहयोग राशि में 21 पूजन सामग्री उपलब्ध कराया गया। यूं तो हजारीबाग यूथ विंग हमेशा जनसेवा के कार्यों में निरंतरता बनाए रखती है और लोककल्याण को ध्यान में रखते हुए कुछ नया करने का प्रयास करते रहती है लेकिन छठ महापर्व के पूर्व संस्था का यह पहल सनातनी आस्था को ओर अधिक प्रगाढ़ बनाने में हितकर साबित होता है। समाज के लोग इस पहल की स्वतंत्रत कंठ से खूब सराहना कर रहे हैं और हजारीबाग यूथ विंग के कर्मठ और सक्रिय सेवाभावी सदस्यों को खूब आशीर्वाद भी दे रहें हैं । हजारीबाग यूथ विंग ने सामाजिक और धार्मिक कार्यों में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता को बरकरार रखते हुए शुक्रवार को छठ महापर्व के शुभ अवसर पर छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के लिए सूप,नारियल और पूजन सामग्री का वितरण किया। यह आयोजन संस्था के द्वारा तीसरी बार आयोजित किया गया है। इस पहल के अंतर्गत एक सूप, नारियल, शुद्ध घी,सिंदूर, रोड़ी, कपूर, जाफर, काफर, काठ बादाम, कमल गोटा, लौंग, इलायची, बड़ी इलायची, छुहारा, मखाना, रुई बत्ती, धूपबत्ती, माचिस, सुपारी और आरत पत्ता एवं माचिस प्रदान किया गया। ये सभी सामग्री केवल 11 रु के सहयोग राशि के शगुन के तौर पर लिया गया। ज्ञात हो कि समाज में ऐसे कई परिवार हैं, जो आर्थिक कारणों से छठ पूजा नहीं कर पाते, परन्तु उनकी छठ मैया के प्रति गहरी श्रद्धा रहती है। इन परिवारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए, हजारीबाग यूथ विंग ने इस सेवा का आयोजन किया, ताकि सभी श्रद्धालु अपनी आस्था के इस पर्व में शामिल हो सकें। कार्यक्रम का आरंभ छठ मैया के जयकारों के साथ किया गया,इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल,नगर आयुक्त योगेंद्र प्रसाद,सहायक नगर आयुक्त विपिन कुमार, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष की धर्मपत्नी विद्या जायसवाल तथा संस्था संरक्षक की माताजी सुधा रानी जैन की उपस्थिति में कार्यक्रम विधिवत रूप से प्रारंभ किया गया ।सभी अतिथियों को संस्था के द्वारा अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन हजारीबाग यूथ विंग के सचिव रितेश खण्डेलवाल ने किया। कार्यक्रम की सफलता को लेकर कार्यक्रम संयोजक की भूमिका में जयप्रकाश खंडेलवाल ने अपनी भूमिका निभाई। पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल ने कहा कि छठ महापर्व हमारी लोक आस्था का अद्भुत प्रतीक है। ऐसे अवसर पर जरूरतमंद परिवारों के बीच सेवा की भावना से पूजन सामग्री वितरित करना वास्तव में समाज को जोड़ने वाला कार्य है। हजारीबाग यूथ विंग की यह पहल न केवल अनुकरणीय है बल्कि प्रेरणास्त्रोत भी है। नगर आयुक्त योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि छठ पर्व हमारी संस्कृति और स्वच्छता दोनों का संगम है। हजारीबाग यूथ विंग ने इस आयोजन के माध्यम से श्रद्धा, सेवा और सहयोग की मिसाल पेश की है। ऐसी संस्थाएं समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं।

संक्षिप्त खबरें

प्रशासन की टीम ने प्रखंड के छठ घाटों का किया निरीक्षण

बड़कागांव : आस्था का महापर्व छठ पर्व को लेकर बड़कागांव प्रशासन की टीम ने शुक्रवार को प्रखंड के हरली, बादम, नापो, बड़कागांव सूर्य मंदिर ,प्लांडु एवं अन्य छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशासन की टीम प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल,एसडीपीओ पवन कुमार, एवं थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ता छठ प्रेमियों से छठ घाटों की स्वच्छता पर विशेष सहयोग करने की अपील की गई है। वहीं बीडीओ ने प्रखंड के सभी पंचायत सचिव को अपने-अपने पंचायत में छठ घाटों में बिजली, स्वच्छता एवं पानी से संबंधित कई महत्वपूर्ण कार्य को लेकर विशेष निर्देश दिए। प्रशासन के द्वारा श्रद्धालुओं से अपील किया गया है कि छठ घाटों में श्रद्धालु गहरे पानी में नहीं जाएं ,बिजली से संबंधित कार्यों में सावधानी बरतें। स्वच्छता के साथ छठ महापर्व मनाएं।

समाजसेवी सूरज प्रसाद गुप्ता का निधन, गांव मे शोक

बड़कागांव : बादम गांव के समाजसेवी, रौनियार वैश्य समाज बादम के पूर्व अध्यक्ष सूरज प्रसाद गुप्ता का 85 वर्ष कि आयु मे लंबे समय से बीमार होने के कारण शुक्रवार प्रातः 7 :00 बजे निधन हो गया। जिस से गांव में शोक व्याप्त है ।इनका अंतिम संस्कार शनिवार को बादम के बदमाही नदी के घाट मे किया जाएगा। सूरज गुप्ता का समाज के हर छोटे बड़े कार्यो में उनकी विशेष भागीदारी होती थी। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से महेंद्र नाथ पांडे ,नरेश साव, विष्णु गुप्ता, दिनेश आर्य, सुरेंद्र गुप्ता, राजा खान ,रियाज अहमद, संजय गुप्ता, अजय गुप्ता ,रंजू लाल गुप्ता, राजू महतो, संतोष महतो, महेंद्र गोस्वामी, सहेश्वर महतो व अन्य शामिल है।

इटखोरी से 5 किमी दूर रइकउरढ संचालक से बंदूक की नोक पर लाखों की लूट

इटखोरी (चतरा) : इटखोरी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक बार फिर दिन के उजाले में लूट की घटना को अंजाम देकर दहशत फैला दी है। थाना से मात्र पांच किलोमीटर दूर गोलकाबर गांव में रइकके उरढ संचालक विकास कुमार से हथियार के बल पर 70000 की लूट हुई है। संचालक विकास कुमार ने बताया कि अपाची बाइक पर सवार चार अपराधी आए और उन्हें बंदूक की नोक पर लूटपाट कर फरार हो गए ।घटना की सूचना मिलते ही इटखोरी थाना पुलिस अपनी ढउफवैन के साथ अपराधियों का पीछा करने में जुट गई। पुलिस के मुताबिक, अपराधी पीछा करते देख दंदाहा घाटी मयूरहंड के जंगल में भाग निकले हैं। इटखोरी थाना प्रभारी ने बताया कि चार बाइक सवार अपराधियों ने उरढ संचालक से पैसा और फोन लूट लिया है। पुलिस ने पूरे जंगल की घेराबंदी कर सघन सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

युवाओं ने श्रमदान कर बनाया अस्थाई छठ घाट, स्थायी घाट निर्माण की रखी मांग

बरही (हजारीबाग): लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर बरही प्रखंड के ग्राम शिवपुर और पंचमाधव कोलंगा के युवाओं ने संयुक्त रूप से श्रमदान कर बाबू आहर के समीप अस्थाई छठ घाट का निर्माण किया। युवाओं ने बताया कि हर वर्ष शिवपुर और कोलंगा के करीब 250 घरों के छठव्रती इसी स्थल पर पूजा-अर्चना करते हैं, लेकिन घाट की पक्की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि बाबू आहर के समीप स्थायी छठ घाट का निर्माण कराया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके और यह स्थल भविष्य में भी साफ-सुथरा व सुरक्षित रहे। श्रमदान करने वाले युवाओं में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता पुरन राम, सिकंदर कुमार, अमरदीप राम, बब्लू कुमार, मोहन कुमार, पिंटू कुमार, कुणाल कुमार, तुलसी राम, राजकुमार रविदास, जागेश्वर रविदास, अजय कुमार सहित कई ग्रामीण शामिल रहे।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव को लेकर दूसरे दिन निकाली गई प्रभात फेरी

रामगढ़ : सिख धर्म के प्रवर्तक और सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव के प्रकाशोत्सव दूसरे दिन प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में निशान साहिब लेकर सरदार गुरजोत सिंह सैनी प्रभातफेरी की अगुवाई कर रहे थे। प्रभात फेरी गुरुद्वारा साहिब से निकलकर किला मंदिर पुराना बस स्टैंड, मैनरोड होते हुए बिजुलिया सरदार इंद्रजीत सिंह कोहली जी के आवास पहुंची, यहां कोहली परिवार ने साध संगत का स्वागत किया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से सरदार नरेंद्र सिंह गुजराल जी ने सरदार इंद्रजीत सिंह कोहली जी को सिरोपा देकर सम्मानित किया। मिटी धुंध जग चानन होया,कल तारण गुरुनानक आया, नाम मिले ता जीवा नानक नाम मिले ता जीवाꣳ जैसे साध-संगत शबद कीर्तन करते हुए चल रहे थे। प्रभातफेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, मंजीत सिंह कुज्जू वाले, बबलू छाबड़ासूमी जॉली,जसमीत कौर सोनी, गुरबक्श कौर सैनी,रंजू अरोड़ा, रोमी छाबड़ा, मनप्रीत कौर सैनी,नवल कौर मल्होत्रा,बबली सोनी, सहित भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

एक नजर

रांची के शॉपिंग मॉल में चोरी करते धराई एक महिला, गिरफ्तार

रांची : रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित एक शॉपिंग मॉल से 11760 रुपए का सामान चोरी कर ले जाते एक महिला को पकड़ा गया है। जिसके बाद महिला के खिलाफ चुटिया थाना में शॉपिंग मॉल के स्टोर मैनेजर शिव मेहता ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं महिला को पकड़े जाने के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया गया, पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 32 वर्षीय गिरफ्तार महिला का नाम सोनी नाज बताया जा रहा है। वह मस्जिद गली सेक्टर 4 धुर्वा की निवासी है। दरअसल 22 अक्टूबर को मॉल में उसे तब पकड़ा गया जब वह बाहर निकल रही थी और मॉल का इएएस सिस्टम आवाज करने लगा। ईएएस सिस्टम तब आवाज करता है जब कोई व्यक्ति बिना बिलिंग कराए सामान लेकर निकलता है। महिला मुंह पर मास्क लगाए हुए थी। उसके पास दो बैग थे। जिसकी तलाशी ली गई तो उसमें च्यवनप्राश, क्रीम, शैंपू, चॉकलेट, ब्यूटी प्रॉडक्ट सहित कई सामान मिले। चोरी करने की घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई है। वहीं मामले को लेकर चुटिया थाना प्रभारी पूनम कुजूर ने बताया कि मॉल के स्टोर्स मैनेजर के लिखित शिकायत के बाद मामला दर्ज करते हुए कारवाई की गई है। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

समर्पण शाखा के शिविर में 52 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा अध्यक्ष पूजा अग्रवाल के नेतृत्व में शुक्रवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हरमू रोड स्थित श्याम मंदिर में किया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर में ब्लड शुगर, थायराइड, ब्लडड प्रेशर और भी तरह-तरह की जांच की गई। शिविर से 52 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। उल्लेखनीय है कि मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से समय - समय पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, सोनल शर्मा, आशा संथालीया, दीपिका सहित अन्य सदस्य मौजूद रहीं। यह जानकारी संस्था की मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

झारखंड के 17 जिलों में 25 को हल्की बारिश की संभावना

रांची : झारखंड के 17 जिलों में शनिवार को हल्की बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शुक्रवार को दी। विभाग के अनुसार राज्य के जिन जिलों में बारिश होने की संभावना है उनमें राज्य के दक्षिणी जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला खरसावां, मध्यवर्ती जिले रांची खूंटी, गुमला, हजारीबाग, बोकारो, लोहरदगा, कोडरमा, धनबाद और उत्तर पश्चिम जिले पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा शामिल है। इन जिलों में सुबह में मध्यम दर्जे का कोहरा छाने की संभावना है। वहीं 26 अक्टूबर को पश्चिमी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के दक्षिणी, मध्य और उत्तर पश्चिमी जिलों में कहीं-कहीं मध्यम दर्जे का कोहरा छाने की संभावना है। 27 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी मध्य और उत्तर पश्चिमी जिलों में कहीं-कहीं मध्यम दर्जे का कोहरा छाने की संभावना। वही राज्य के दक्षिणी जिलों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की भी संभावना है। राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक तापमान 34.6 डिग्री डाल्टनगंज में और सबसे कम तापमान लातेहार में 18 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। शुक्रवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा और सुबह में हल्की ठंड का एहसास हुआ।

छठ पर्व को लेकर राजधानी रांची में सजे बाजार, पूजन सामग्री की बिक्री शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर झारखंड की राजधानी रांची के जिला स्कूल परिसर, डेली मार्केट और हरमू बाजार में दुकानें सज गई हैं। दुकानदार ग्रहकों के आने का इंतजार कर रहे हैं। शनिवार को नहाय-खाय के साथ ही खरीदारों सूप-दौरा और अन्य पूजन सामग्रियों की खरीदार करेंगे। रांची के जिला स्कूल मैदान में वर्षों से तीन दिवसीय बाजार सजता आ रहा है। यहां लगभग 250 से 300 दुकादार प्रतिवर्ष लगती हैं। रांची जिले के विभिन्न गांवों और कस्बों के लोग अपनी दुकान लगाने पहुंचते हैं। छठ पर्व को लेकर फल, दउरा, सूप और सूखे मेवों की खरीदारी के लिए तो लोग अभी से पहुंचने लगे हैं। इस बाजार में हिंदु, मुस्लिम, आदिवासी सभी समुदायों के लोगों ने आस्था के इस महापर्व छठ पर अपनी दुकानें लगाई हैं। छठ महापर्व को लेकर गागल, नारियल, सूप, दौरा, मिट्टी के कलश, फल, आम की लकड़ी सहित अन्य पूजा की सामग्री की दुकानों में उपलब्ध है। छठ पूजा को लेकर शहर में जगह-जगह सेब, नारंगी, जल सिघारा, नारियल, डाभ नींबू, कच्ची हल्दी, अदरक, मूली, सहित अन्य सामान की भी बिक्री हो रही है। चीनी, गुड़, केला, चावल, आटा, मैदा, शुद्ध घी सहित अन्य वस्तुओं के दुकानों पर खरीदारों का जमघट लगेगा। बांस के सामान में सूप, टोकरी, डगरा, कोनिया आदि की बिक्री शुरू हो गई है। बांस के टोकरी, सूप, कोनिया, डगरी में छठ पूजन सामग्री रखकर अर्घ्य देने का विधान है। गागल बेच रहे दुकानदार छोटू कुमार कहते हैं कि दो पीस गागल की कीमत 60 रुपये है। छोटु बताते हैं कि गागल की बिक्री शुरू हो गई है। नारियल बेच रहे सुखदेवनगर के चूना भट्टा निवासी भोला साव के अनुसार दो नारियल की कीमत 80 रुपये है। उन्होंने बताया कि वे 30 साल से यह काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि छठ को लेकर वे केरल से नारियल मंगवाते हैं। अपर बाजार के गाड़ी खाना निवासी संतोष कुमार भी पिछले पांच वर्षों से पूजन सामग्री की दुकान जिला स्कूल परिसर में लगाते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूजा के सभी सामान उनके पास उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि अखरोट एक पीस तीन रुपये, जाफर एक पीस तीन रुपये, सुपारी एक पीस दो रुपये, कमल गट्टा एक पीस दो रुपये, पिस्ता बादाम दो रुपए का एक पीस, किशमिश 300-400 रुपये प्रति किलो, काजू 600-800 रुपये प्रति किलो, छुहारा 350-400 रुपये प्रति किलो, एक बंडल अलता पत्ता की कीमत दस रुपये, मखाना 700 रुपये प्रति किलो, बड़ी इलायची एक पीस एक रुपये में बेच रहे हैं।

एलीविटा मिसेज इंडिया वर्ल्ड के फिनाले में पहुंची तृप्ति लकड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की बेटी तृप्ति कुमारी लकड़ा शुक्रवार को रांची बिरसा मुंडा से एयरपोर्ट से मुंबई को रवाना हुईं। मुंबई में एलीविटा मिसेज इंडिया वर्ल्ड 2025 के ग्रैंड फिनाले में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। तृप्ति कुमारी लकड़ा झारखंड की पहली विवाहित आदिवासी महिला हैं, जिन्होंने अपने आत्मविश्वास और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। एयरपोर्ट पर तृप्ति लकड़ा ने बताया कि क्रायोलान की ओर से होनेवाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 26 से 30 अक्टूबर तक मुंबई में आयोजित होगा, जबकि प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले आगामी 30 अक्टूबर की रात आठ बजे आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि यह सफर सिर्फ मेरा नहीं, हर उस महिला का है जिसने मुश्किलों के बावजूद सपने देखना नहीं छोड़ा। तृप्ति का मानना है कि झारखंड की मिट्टी ने उन्हें सहनशीलता, संघर्ष और शक्ति दी है। उन्होंने कहा कि अब समय है वे इस शक्ति को पूरे देश के सामने प्रस्तुत करेंगी। उनका यह प्रयास उन महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत है जो जीवन की चुनौतियों के बीच अपने सपनों को साकार करना चाहती हैं।

डीएमएफटी फंड घोटाला पूरे झारखंड में फैला हुआ है : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बाबूलाल मरांडी ने राज्य में उजागर हो रहे जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड घोटाले पर कड़ी आपत्ति जताई है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा, मैंने पहले भी कहा था, डीएमएफटी घोटाले में बोकारो सिर्फ.एक झांकी है,असल में यह भ्रष्टाचार पूरे झारखंड में फैला हुआ है। अब कोडरमा और धनबाद से भी घोटालों के नए तथ्य सामने आ रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आम तौर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी एक जिले से दूसरे जिले में अनुभव लेकर जाते हैं, लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार में अधिकारी अपने साथ अपने पुराने दलालों और ठेकेदार साझेदारों को भी ले जाते हैं। मरांडी ने कहा कि मिली जानकारी के अनुसार, कोडरमा में उपायुक्त रहते हुए आदित्य रंजन ने डीएमएफटी फंड से स्किल डेवलपमेंट के नाम पर प्रबंधन एवं उद्यमिता एवं व्यावसायिक कौशल परिषद (एमईपीएससी) और तितली फाउंडेशन के साथ मिलकर जमकर लूट मचाई। अब जब वे धनबाद के उपायुक्त बने हैं, तब वही खेल दोबारा शुरू हो गया है। यहां भी एमईपीएससी और तितली फाउंडेशन के साथ सांठगांठ कर डीएमएफटी फंड को फिर से लूटा जा रहा है। इस लूट की स्क्रिप्ट इतनी चालाकी से लिखी गई है कि टेंडर की शर्तों में बदलाव कर मनचाही कंपनियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह है कि वे कोडरमा में वर्ष 2022-24 के दौरान डीएमएफटी फंड के उपयोग की उच्च स्तरीय जांच कराएं, आदित्य रंजन और प्रांजल मोदी के बीच के रिश्तों की भी पड़ताल करवाएं। उन्होंने धनबाद में डीएमएफटी फंड से जुड़े सभी चल रहे टेंडर प्रक्रियाओं को तत्काल रोककर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कराने की मांग भी की।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने रांची के विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के नगर विकास और पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने शुक्रवार को राजधानी रांची के विभिन्न तालाबों एवं छठ घाटों का निरीक्षण किया और वहां की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई, प्रकाश, सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि श्रद्धालुओं को छठ पूजा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छठ महापर्व के सफल आयोजन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि 25 अक्टूबर, दिन शनिवार को को नहाय-खाय सह कद्दू भात से छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू हो रहा है। खरना पूजन 26 अक्टूबर, दिन रविवार को होगा। 26 अक्टूबर को शाम में छठ पर्व का खरना पूजन होगा। इसके बाद छठ व्रतियों द्वारा खीर-रोटी खाने के बाद कार्तिक छठ के समापन होने तक करीब 36 घंटे तक का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा। 27 अक्टूबर, दिन सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। 28 अक्टूबर, दिन मंगलवार को प्रातः बेला में उदीयमान आदित्य देव को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा, जिसके बाद इस छठ महापर्व का समापन हो जाएगा। छठ महापर्व 2025 के चार दिवसीय अनुष्ठान से पहले ही व्रतियों द्वारा व्रत का प्रसाद बनाने के लिए गेहूं और अरवा चावल को अच्छे से धोकर और साफ कर घर के आंगन व छतों पर धूप में बैठकर सुखाया जा रहा है।

रांची नगर निगम की बैठक : छठ पूजा की तैयारी को लेकर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम की ओर से भगवान भास्कर को समर्पित लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। शहर के सभी घाटों और तालाबों में सफाई और व्यवस्था को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में विभिन्न छठ पूजा आयोजन समितियों के साथ बैठक हुई। बैठक में समितियों के प्रतिनिधियों से तैयारी की जानकारी ली गई और उनके सुझाव सुने गए। समिति सदस्यों ने नगर निगम के कार्यों की सराहना की और कुछ मांगें भी रखीं - जैसे स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, स्टोन डस्ट और ब्लीचिंग पाउडर की उपलब्धता। प्रशासक ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य नगर निगम और समितियों के बीच बेहतर तालमेल बनाना है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ और सुरक्षित माहौल में पूजा कर सकें। उन्होंने बताया कि सभी घाटों और तालाबों का सर्वे कर लिया गया है और तैयारियों को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

रांची में रोटरी क्लब ने मानव श्रृंखला और पदयात्रा कर पोलियो जागरूकता का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अलबर्ट एक्का चौक पर रोटरी क्लब ऑफ रांची तथा शहर के अन्य रोटरी क्लबों एवं रोट्रेक्ट क्लबों के सदस्यों ने जागरूकता अभियान चलाया। सदस्यों ने सामूहिक रूप से हाथों में प्ले कार्ड लेकर मानव श्रृंखला बनाई एवं पदयात्रा निकाली। इस दौरान आमजन में पोलियो दिवस पर जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। यह दिन विश्व स्तर पर पोलियो वैक्सीन के जनक डॉ. जोनास साल्क के जन्मदिवस 24 अक्तूबर के अवसर पर मनाया जाता है। इस अवसर पर रोटरी रांची के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से भारत में पोलियो का एक भी मामला सामने नहीं आया है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है, परंतु साथ ही यह हमारी जिम्मेदारी भी है कि हम सतर्क रहें। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे देशों में अब भी पोलियो वायरस सक्रिय है, इसलिए हमें अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलानी होगी। जब तक दुनिया के हर कोने से यह समाप्त नहीं हो जाती, हमारी लड़ाई जारी रहनी चाहिए। क्लब की सचिव भावना तनेजा ने कहा कि रोटरी रांची की ओर से पूरे शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर दो बूंद ज़िंदगी की के संदेश के साथ जागरूकता बैनर लगाए गए हैं, जिससे कि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। रैली में करीब 100 से अधिक सदस्य शामिल हुए। मौके पर डॉ. जोगेश गंभीर, मुकेश तनेजा, हरमिंदर सिंह, अजय दीप वाधवा, अध्यक्ष अमित अग्रवाल, सचिव भावना तनेजा, जसदीप, गिरीश, राज कुमार, गौरव प्रशांत, प्रकाश सरावगी, निहार दास, अशोक साह, पंकज कुमार, जीवंत कुमार, चंदन कुमार, सुनील कुमार, नारायण साहू, डॉ. अरविंद सहित रोट्रेक्ट क्लब ऑफ यूनाइटेड, रोट्रेक्ट क्लब ऑफ ज़िनिया और रोट्रेक्ट क्लब ऑफ सेंट जेवियर्स कॉलेज के सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल के विशेष अभियान 5.0 में बच्चों ने सीखे कचरा प्रबंधन के गुर

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की ओर से डीएवी स्कूल, पिपरवार क्षेत्र में शुक्रवार को विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों और स्थानिय लोगों के बीच कूड़ेदान का वितरण भी किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्धेश्य से आयोजित हुआ। इसके माध्याम से बच्चों ने कचरा प्रबंधन से संबंधित बातों को बखूबी जाना और समझा। सीसीएल पदाधिकारियों और कर्मियों ने बच्चों को विद्यालय परिसर में कूड़ेदान का वितरण कर कचरा अलग करो, स्वच्छता अपनाओ का संदेश दिया। बच्चों ने भी अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता के माध्यम से स्वच्छ भारत का संदेश रंगों में पिरोया। विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों ने स्वच्छता और हरियाली को केंद्र में रखकर आकर्षक चित्र बनाए। मौके पर छात्रों को कचरे के पृथक्करण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीसीएल के अधिकारी और पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और ग्रामीण मौजूद थे। यह कार्यक्रम छात्रों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्धेश्य से आयोजित हुआ। इसके माध्याम से बच्चों ने कचरा प्रबंधन से संबंधित बातों को बखूबी जाना और समझा। सीसीएल पदाधिकारियों और कर्मियों ने बच्चों को विद्यालय परिसर में कूड़ेदान का वितरण कर कचरा अलग करो, स्वच्छता अपनाओ का संदेश दिया। बच्चों ने भी अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता के माध्यम से स्वच्छ भारत का संदेश रंगों में पिरोया। विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों ने स्वच्छता और हरियाली को केंद्र में रखकर आकर्षक चित्र बनाए। मौके पर छात्रों को कचरे के पृथक्करण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीसीएल के अधिकारी और पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और ग्रामीण मौजूद थे।

गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व पर रांची में प्रभात फेरी

रांची : सिख पंथ के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार को गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी, रांची में प्रभात फेरियों की शुरूआत हुई। सिख धर्मावलंबी प्रातः 5.30 बजे जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल का उद्घोष करते हुए गुरुद्वारा पहुंचे। दर्शन दिऊड़ी गेट से निकली प्रभात फेरी विभिन्न गलियों से होती हुई गुरुद्वारा के पार्किंग गेट पर समाप्त हुई। इस दौरान कीर्तन मंडली के सुंदर दास मिढा, जसपाल मुंजाल, इंदर मिढा, रमेश पपनेजा, गीता कटारिया, रेशमा गिरधर सहित अन्य ने सुख निदान प्रीतम प्रभ मेरे..., दीन दरद निवार ठाकुर... और नाम अधार जीवन धन नानक...जैसे शबद गायन कर वातावरण को नानकमय बना दिया। प्रभात फेरी के दौरान श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा और आतिशबाजी से स्वागत किया गया। सरदार छोटू सिंह ने निशान साहिब उठाकर फेरी की अगुवाई की, जबकि मनीष मिढा ने वाहेगुरु से अरदास की। मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि इस बार स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है। श्रद्धालुओं से घरों में प्रसाद वितरण की बजाय गुरुद्वारा में ही चढ़ाने की अपील की गई है, जहां संगत के बीच लंगर वितरित किया जाएगा। फेरी निकलने वाले मार्गों की रोजाना सफाई और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया जा रहा है। प्रभात फेरी में अर्जुन दास मिढ़ा, अशोक गेरा, मोहन काठपाल, जीवन मिढ़ा, महेंद्र अरोड़ा, आशु मिढ़ा, नवीन मिढ़ा,रमेश तेहरी, रमेश गिरधर, राजेन्द्र मक्कड़, ईशान काठपाल, गुलशन मिढ़ा, कमल धमीजा, कमल मुंजाल, मनीष गिरधर, सूरज झंडई, रौनक ग्रोवर, ज्ञान मादन पोतरा, हैप्पी अरोड़ा, वंश डावरा, रिकी मिड्ढा, मुकेश मुंजाल, पीयूष थरेजा, जगदीश मिड्ढा, रानी तलेजा, सिम्मी मिड्ढा समेत अन्य लोग मौजूद थे।

वैश्य मोर्चा का 7वां स्थापना दिवस 31 को तैयारियों को लेकर हुई बैठक

रांची : झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा, केंद्रीय समिति की बैठक सुकुरहुट्टू स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने किया। संचालन उप प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता ने किया। इस दौरान बैठक में निर्णय लिया गया कि 31 अक्टूबर को होटल आलोका सभागार में 7वां स्थापना मनाया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर वैश्य समाज के पांच बुद्धिजीवियों को झारखंड वैश्य रत्न की उपाधि दी जाएगी। जबकि पांच कार्यकताओं को श्रेष्ठ वैश्य का सम्मान दिया जाएगा। इस मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि वैश्य मोर्चा संघर्ष से उपजा संगठन है। वैश्य और ओबीसी की आवाज को बुलंद रखने के लिए संगठन का होना जरूरी है। स्थापना दिवस पर विशेष रणनीति और कार्यक्रम घोषित किए जाएंगे। मौके पर अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष सह अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद, केंद्रीय उपाध्यक्ष सह अधिवक्ता सहदेव चौधरी, परशुराम प्रसाद, उप प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद, केंद्रीय महासचिव कपिल प्रसाद साहु, संगठन महासचिव कृष्णा साहु, अनिल वैश्य, संगठन सचिव राजेंद्र साहु, मीडिया प्रभारी राहुल कुमार समेत अन्य शामिल थे।

श्री गुरुनानक देव महाराज का प्रकाशोत्सव पांच को

रांची : कार्तिक पूर्णिमा के दिन पांच नवंबर को खालसा पंथ के प्रणेता श्री गुरुनानक देव महाराज का प्रकाशोत्सव मनाया जाएगा। श्री गुरु सिंह सभा रांची की ओर से पीपी कंपाउंड स्थित गुरु नानक स्कूल सभागार में विशेष दीवान सजाया जाएगा। मुख्य दीवान सुबह 10.30 बजे से 3 बजे तक चलेगा, जिसमें सिख पंथ के महान रागी जत्थे के भाई सरबजीत सिंह पटनावाले और श्री दरबार साहिब अमृतसर के कथावाचक ज्ञानी बलदेव सिंह उगरा गुरु इतिहास पर प्रकाश डालेंगे।

छठ महापर्व की तैयारियों में शहर व्यस्त, सूप-दौऊरा की बढ़ी मांग और बाजारों में उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दीपावली की रौनक के तुरंत बाद अब पूरा शहर छठ महापर्व की तैयारियों में जुट गया है। चार दिवसीय लोक आस्था के इस महापर्व को लेकर बोकारो समेत आस-पास के इलाकों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। बाजारों में खरीदारी जोरों पर है और हर गली-मोहल्ले में छठ पूजा की तैयारिया देखी जा रही है।

बांस के दौऊरा-सूप की बढ़ी डिमांड, दूसरे जिलों से पहुंच रही सप्लाई

छठ पर्व में प्रयोग होने वाले बांस के बने सूप और दौऊरा की भारी मांग को देखते हुए झारखंड के गोड्डा, दुमका, जामताड़ा, बिहार के बांका,जमुई, मुंगेर और प.बंगाल के पुरुलिया, बाकुड़ा, झालदा जैसे क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में ये सामग्रियाँ बोकारो पहुंच रही हैं। स्थानीय दुकानदार मनीष प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार पिछले वर्षों की तुलना में सूप और दौऊरा की आवक ज्यादा है। बोकारो में हर साल करीब एक लाख से अधिक सूप और दौऊरा की बिक्री होती है। इस साल कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी जरूर हुई है, लेकिन मांग कम नहीं हुई।

कीमतों में बढ़ोतरी: सूप 150 , दौऊरा 400 तक पहुंचा

छठ पर्व से जुड़ी सामग्रियों की कीमतों में इस बार हल्की तेजी देखी जा रही है।

सूपः 50 से 150
दौऊराः 200 से 400
मिट्टी के चूल्हेः 150
नारियलः 120 से 130
आम की लकड़ियांः 20 प्रति किलो

इनके अलावा पूजा में उपयोग होने वाली अन्य सामग्रियां जैसे ठेकुआ के सांचे, फल, दीया, साड़ी, थाली और प्रसाद की अन्य चीजें भी खूब बिक रही हैं।

बाजारों में उमड़ी भीड़, बढ़ी रौनक..

शहर के मुख्य बाजारों जैसे सिटी सेंटर, को-ऑपरेटिव कॉलोनी, सेक्टर-4 और हटिया मोड़ में खरीददारों की भारी भीड़ देखी जा रही है। खासकर महिलाओं में छठ पूजा की तैयारियों को लेकर खासा उत्साह है। लोग अपने परिवार के साथ जरूरी सामानों की खरीदारी में जुटे हैं। साथ ही, प्रशासन द्वारा घाटों की सफाई, सड़कों की मरम्मत और बिजली व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जा रहा है ताकि छठव्रतियों को किसी तरह की असुविधा न हो। सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी घाट की सफाई और रोशनी की व्यवस्था कर रही है।

एक नजर

भाजपा के झंडे में लिपटकर विदा हुए समर्पित नेता इन्द्र कुमार झा

बोकारो : भारतीय जनता पार्टी के पूर्व बोकारो महानगर अध्यक्ष, मैथिली कला मंच कालीपूजा ट्रस्ट के पूर्व महासचिव एवं मिथिला सांस्कृतिक परिषद के सक्रिय सदस्य रहे वरिष्ठ समाजसेवी इन्द्र कुमार झा (57) शुक्रवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। चास स्थित गरगा श्मशान घाट पर उन्हें हजारों लोगों ने परिजनों की कारुणिक चीत्कार और उनके हृदयविदारक क्रंदन के बीच श्री झा को अश्रुपूरित अंतिम विदाई दी। उनके बड़े पुत्र अमित कुमार झा ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस मौके पर हर कोई मर्माहत दिखा। किसी को यकीन ही नहीं हो रहा था कि अपनी जिंदादिली और खुशमिजाजी से सबको खुश रखने वाले इन्द्र कुमार झा अचानक यूं सबको रुलाकर हमेशा के लिए चले जाएंगे। सभी ने ईश्वर से उनकी दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की। इसके पूर्व, सेक्टर-2 स्थित उनके आवास से उनकी अंतिम यात्रा निकली, जिसमें भाजपा व अन्य राजनीतिक दलों के साथ-साथ मिथिला समाज सहित विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ों लोग शामिल हुए। बीजेपी का समर्पित कार्यकर्ता होने के नाते पार्टी ने भी उन्हें अंतिम सम्मान दिया। श्री झा पार्टी के झंडे में लिपटकर विदा हुए। घर से निकलने के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित सेक्टर-2डी श्यामा काली मंदिर के मुख्यद्वार पर उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां भारी तादाद में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। रास्ते भर इंद्रकुमार झा अमर रहे, अमर रहे के नारे भी लोग लगा रहे थे।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ सतर्क, ट्रेनों में हुई सघन जांच

बोकारो : त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरपीएफ पोस्ट बोकारो के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने 23 अक्टूबर 2025 को बीकेएससी रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान ट्रेनों में सघन जांच की गई और प्लेटफॉर्म पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए यात्रियों की मदद भी की गई। आरपीएफ जवानों ने स्टेशन परिसर में कतार व्यवस्था बनाकर यात्रियों को सुरक्षित तरीके से ट्रेनों में चढ़ने और उतरने में सहयोग प्रदान किया। त्योहारों को देखते हुए यह अभियान यात्रियों की सुरक्षा और जागरूकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

सूर्य मंदिर बना लोक आस्था का केंद्रः छठ महापर्व पर उमड़ेगी भक्तों की भीड़

बोकारो : छठ महापर्व को लेकर सेक्टर 4एफ स्थित भव्य भगवान सूर्य मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र बन गया है। मंदिर परिसर की सफाई कर आकर्षक ढंग से सजावट की जा रही है। छठ के अवसर पर स्थानीय ही नहीं, बल्कि आसपास के दूरदराज इलाकों से भी श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना करते हैं। भास्कर सेवक समिति के सूर्येश कुमार मिश्रा ने बताया कि सूर्य मंदिर का निर्माण वर्ष 1999 से प्रारंभ हुआ था और तभी से पूजा-अर्चना जारी है। हर वर्ष सेक्टर 4एफ, 4जी, 5, 6, 8, 9 और 11 सहित कई सेक्टरों के छठव्रती अपने परिवार के साथ यहां भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। मंदिर के सामने बना आकर्षक सूर्य सरोवर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। बीएसएल द्वारा वर्ष 2005 में निर्मित इस सरोवर में छठ के दौरान व्रती आसानी से भगवान भास्कर को दो दिन अर्घ्य अर्पित करते हैं। सरोवर के चारों ओर सुसज्जित घाट श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचता है।

छठ व्रतियों के सेवार्थ इस बार भी लगेगा सिविर : बिके चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे सखा सहयोग सुरक्षा समिति के सदस्यों ने धनतेरस, दिपावली एवं महापर्व छठ के अवसर पर एक दूसरे को महापर्व उपहार भेंट करते हुए मिठाई खिलाकर सम्मानित किया ।उसके उपरान्त परिवर्तित बैठक हुई जिसका अध्यक्षता समिति के संरक्षक सह महासचिव बि के चौधरी ने किया । बैठक मे सभी ने समिति द्वारा 1994 से किये जा रहे समाजिक दायित्व निर्बाहन के तहत सर्व धर्म समभाव के लिए बिस्वकर्मा पूजा, चिरकाधाम जाने बाले कांवरियो के लिए सिविर लगाकर सेवा ,दावत ऐ इफ्तार, सर्वधर्म होली मिलन समारोह, चित्रकला प्रतियोगिता, ठंढ के समय गरीब असहाय के बीच कम्बल बितरण,अति जरूरतमंद को रक्त दान इत्यादि का आयोजन करता रहा है। जिसके सफल आयोजन मे जय झारखंड मजदूर समाज एवं सखा सहयोग सुरक्षा समिति के सदस्य तन मन धन से समर्पित रहता है ।अतः इस बर्ष भी टू टैंक गार्डन मे सिविर के माध्यम से दिनांक-27,10,25 को संध्याकालिन अर्ग हेतु नारियल, फल फूल, धूप अगरबत्ती , बडा निंबू इत्यादि का बितरण एवं प्रातःकालीन अर्ग के समय गाय का दूध, धूप अगरबती के साथ साथ गर्मागर्म चाय का भी बितरण किया जायगा। बैठक मे मुख्य रूप से संयुक्त महामंत्री शंकर कुमार, एन के सिंह, मानिक चंद साह,राजा राम सिंह, सुभाष चंद्र महतो,आर पी दास, ओ पी चौहान, जगदीश ठाकुर इत्यादि उपस्थित थे।

बाल अधिकार, बाल विवाह और बाल हिंसा पर हरनाद +2 हाई स्कूल में प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कसमार प्रखंड के +2 हाई स्कूल हरनाद में सहयोगिनी संस्था द्वारा बाल अधिकार, बाल विवाह एवं बाल हिंसा संबंधी कानून पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों, किशोरियों और महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, समाज में जेंडर समानता और हिंसा की रोकथाम के प्रति जागरूक करना था। सहयोगिनी संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड की दुगार्पुर, बगदा, खैराचातर , गरी, पोंडा, सोनपुरा और टांगटोना पंचायतों के 30 गाँवों में किशोरी एवं युवा महिला समूह बनाकर उनकी नेतृत्व क्षमता का विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि समूहों के माध्यम से महिलाओं और किशोरियों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। महतो ने विद्यालयों में सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि हर बच्चा गरिमा के साथ जीवन जी सके और अपने सपनों को साकार कर सके। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार दत्ता ने छात्रों को संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने सम्मानपूर्वक जीवन जीने, शिक्षा प्राप्त करने और रोजगार चुनने के अधिकार के बारे में बताया और बच्चों से अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने की अपील की।

650 छठ व्रतियों को प्रेरणा शाखा ने बांटी पूजन सामग्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मंदिर की घंटी , आरती की थाली, नदी का किनारा, सुरज की लाली जिंदगी में आये खुशियों की बहार आया आस्था का महापर्व छठ पूजा का त्योहार.... संदेश के साथ मारवाड़ी युवा मंच की इकाई प्रेरणा शाखा ने शुक्रवार को शिविर लगाया। इसमें 650 महिला एवं पुरुष छठ व्रत करने वालों के बीच सुप कद्दू चावल, बिदी, सिदूर एवं अलता आदि सामग्रियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर छठ व्रतियों ने कहा कि प्रेरणा शाखा का यह प्रयास महंगाई के इस दौर में कुछ राहत प्रदान करने वाला है। ऐसे आयोजन के लिए अन्य संस्थाओं को भी आगे आने का आह्वान किया गया, ताकि अन्य छठ व्रतियों को भी सहयोग मिल सके। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विधायक डॉ नीरा यादव उपस्थित हुईं। इस अवसर पर उन्होने कहा कि लोक आस्था का पर्व छठ हमें जहॉ बेटियों के मान सम्मान की प्रेरणा देता है वहीं बेटों के लिए वंश आगे बढाने का भी संदेश देता है। रून झुन छाटी आई है अंगना .. भी हमें छठी मईया का महिमा के वर्णन को प्रेरित करता है। एक मान्यता के अनुसार वे भगवान सूर्य के बहन है। उन्होने कहा कि मईया छठ की आराधना से भक्तों सुख समृद्धि व शांति मिलती है। यह पर्व स्वच्छता का प्रतीक है। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष कैलाश चौधरी सचिव संजीव खेतान सदस्य अरविन्द चौधरी दीपक सिघानियॉ जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष सुशील छाबडा साई फैक्ट्री के प्रबंधक कवि अग्निहोत्री प्रेरणा शाखा मंडल 1 की सहायक मंत्री श्रेया केडिया प्रेरणा शाखा का अध्यक्ष सरिका लडढा सचिव आकृति चौधरी परियोजना निर्देशक शालु चौधरी कृतिका मोदी काजल गुप्ता आदि ने कहा कि आधी आबादी द्वारा ऐसे कार्यक्रम का आयोजन प्रेरणा का स्त्रोत है।

चेक पोस्ट पर चेकिंग के दौरान वाहन से अवैध अंग्रेजी शराब बरामद, आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

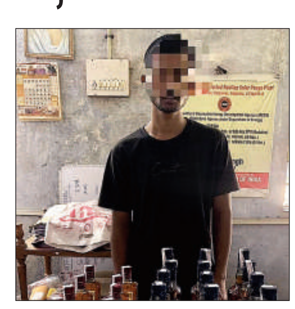

कोडरमा : आगामी बिहार विधान सभा चुनाव 2025 को शांतिपूर्ण, भयमुक्त, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से झारखंड-बिहार सीमा पर अवस्थित दर्शन नाला चेक पोस्ट पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में आज अनुदीप सिंह भा०पु०से०, पुलिस अधीक्षक महोदय, कोडरमा को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मोटरसाईकिल पर अवैध अंग्रजी शराब लेकर दर्शन नाला चेक पोस्ट से होकर बिहार सीमा में प्रवेश करने वाला है। इस सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा चेक पोस्ट पर कार्यरत पुलिस पदाधिकारी/बलों के अतिरिक्त पु०अ०नि०-सह-थाना प्रभारी, सतगावाँ के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा दर्शन नाला चेक पोस्ट पर सघन वाहन चेंकिग की जाने लगी। जिस कम में एक संदिग्ध मोटरसाईकिल जिसका चालक राहुल कुमार, वाहन रजिस्ट्रशन न० इफ 27श 9665 को रोका गया। जिसका जॉच एवं तलाशी करने पर विभिन्न ब्रांड का कुल 20 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। मौके पर चालक से पूछताछ के उपरांत वह संतोषजनक कागजात या लाईसेंस प्रस्तुत करने में असमर्थ रहा, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया तथा वाहन एवं बरामद शराब को जप्त किया गया।

किशोरियों ने आयोजित की बाल सभा, बाल विवाह के खिलाफ जिले भर में शुरू होगा बहुमुखी अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले से बाल विवाह के अपराध के पूर्ण खात्मे के उद्देश्य एवं उसकी रणनीति पर चर्चा के लिए आज डोमचांच प्रखंड के पूणाडीह पंचायत भवन में बाल सभा का आयोजन किया। बाल सभा में जिले के विभिन्न प्रखंडों से 120 से ज्यादा किशोरियों ने भाग लिया। बाल सभा को संबोधित करते हुए सुरक्षित बाल ग्राम कार्यकर्ता छाया कुमारी ने कहा कि ₹बाल विवाह नाबालिग लड़कियों के साथ होने वाली यौन हिंसा है जिसका नकारात्मक असर हमारी बहनों की शिक्षा और स्वस्थ पर भी पड़ता है। हमारे जिले में 43 प्रतिशत से भी ज्यादा घटनाएं बाल विवाह की होती हैं। इसलिए बाल विवाह पर संपूर्ण रोक के लिए हमलोग आज यहां इकठ्ठा हुए हैं। इस अवसर पर किशोरियों ने सामूहिक रूप से निर्णय किया कि जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में बाल विवाह के विरुद्ध अभियान चलेगा जिसमें 2 लाख लोगों से बाल विवाह के विरुद्ध शपथ करवाया जाएगा। ग्राम पंचायत सदस्यों एवं शिक्षा विभाग की सहयोग से लड़कियों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे कि सावित्री बाई फुले योजना आदि से जोड़ा जाएगा, साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी लड़की शिक्षा से ड्रॉप आउट न हो सके। कार्यक्रम में उपस्थित एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के वरिष्ठ निदेशक एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के कार्यकर्ता ओमप्रकाश पाल ने किशोरियों के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बाल विवाह के अपराध के विरुद्ध किशोरियों की यह संगठित प्रयास कोडरमा जिले में सामाजिक बदलाव की सबसे बड़ी ताकत है । बाल विवाह मुक्त भारत की गूंज अब पिछड़े क्षेत्रों के दूर दराज के गांवों में भी सुनाई देने लगी है। बाल विवाह मुक्त कोडरमा, बाल विवाह मुक्त झारखंड एवं बाल विवाह मुक्त भारत अब सिर्फ सपना नहीं बल्कि हकीकत में बनने जा रहा है । बाल सभा में,सुरक्षित बाल ग्राम की रूपा कुमारी और उसकी साथियों ने अपने क्रांति गीत के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को जागरूक किया। यह कार्यक्रम, बाल विवाह के विरुद्ध देशव्यापी जनांदोलन का नेतृत्व कर रहे 250 से अधिक सामाजिक संगठनों के राष्ट्रीय मंच जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन और एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन बाल सुरक्षा मित्र कार्यकर्ता ज्योति कुमारी ने किया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को बाल विवाह मुक्त कोडरमाह्व की शपथ दिलाकर किया गया। कार्यक्रम में बाल पंचायत के नेताओं, किशोरियों के अलावा आ. वा. के जिला समन्वय मनोज कुमार, सुरक्षित बाल ग्राम कार्यकर्ता अफजल, दशरथ, शत्रुघ्न, सुभाशीष रॉय...... आदि प्रमुख लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी, डोमचांच में छठ पूजा का भव्य आयोजन

कोडरमा : जिले के डोमचांच नगर क्षेत्र स्थित में दिन शुक्रवार को मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी, डोमचांच में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के पावन पर्व के निमित्त छात्राओं ने पारंपरिक शुभ्र वस्त्र धारण कर मनोरम झांकी प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट, पारंपरिक झांकियों और पुष्पों से अलंकृत किया गया, जिससे उत्सव का माहौल और भी आध्यात्मिक और मनोहर बन गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) के. पी. शर्मा ने सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस पर्व की आध्यात्मिक पवित्रता, सांस्कृतिक महत्ता और सामाजिक संदेश पर जोर देते हुए विद्यार्थियों और कर्मचारियों को समर्पण, अनुशासन और संस्कारों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। निदेशक रजनीश कुमार तथा विद्यालय प्रशास आर. पी. पांडेय ने भी सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएंऔर सुख-समृद्धि की कामनाओं के साथ बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि यह संकल्प, श्रद्धा और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का उत्सव है। कार्यक्रम में सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी उपस्थित रहे। छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पारंपरिक गीतों और नृत्यों के माध्यम से छठ पूजा की परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। उनके उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने समारोह को और भी आकर्षक, जीवंत और यादगार बना दिया। इस आयोजन ने न केवल विद्यालय परिवार में उल्लास और उत्साह उत्पन्न किया, बल्कि सभी उपस्थित व्यक्तियों को छठ पूजा की पवित्रता, संस्कृति और आध्यात्मिक आनंद का सजीव अनुभव कराया।

छठ महापर्व को लेकर भाजपा ने नगर क्षेत्र के घाटों का किया निरीक्षण

कोडरमा : आगामी छठ महापर्व को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अनूप जोशी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं की टीम ने नगर क्षेत्र के विभिन्न छठ तालाब घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पानी टंकी तालाब छठ घाट, धनी सिंह छठ तालाब घाट, मोरियामा छठ तालाब घाट, इंदरवा छठ तालाब घाट तथा मडूआटाँड छठ तालाब घाट का जायजा लिया गया। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि छठ महापर्व आस्था और स्वच्छता का प्रतीक है, इसलिए सभी घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा की समुचित तैयारी आवश्यक है। उन्होंने इस दौरान नगर परिषद अधिकारियों से घाटों की सफाई, लाइट व्यवस्था और आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा। निरीक्षण के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने स्थानीय जनता से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि पर्व से पहले सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। निरीक्षण के दौरान साथ में अल्पसंख्यक मोर्चा के ज़िलाध्यक्ष अरसद खान,झुमरी तिलैया नगर मण्डल के महामन्त्री संजय शर्मा, नगर मण्डल उपाध्यक्ष इंद्रदेव वर्णवाल,वार्ड पार्षद नीरज कर्ण,गणदोरी रजक,आदि शामिल थे।

मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : शुक्रवार को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में संयंत्र के विभिन्न विभागों के कुल 60 अधिकारी, कर्मचारीगण तथा निविदा कर्मियों के लिए सुरक्षा अभियंत्रण विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा विभाग से सहायक महाप्रबंधक सुखदेव महतो, तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग से सहायक महाप्रबंधक बिनीत तिर्की उपस्थित थे। ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक स्रश्री बिनीत तिर्की ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा सुरक्षा शपथ दिलाई। तत्पश्चात गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा स्टील प्लांट के लिए गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व के बारे में बताया। बिनीत तिर्की ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों को गैस सुरक्षा से संबन्धित विस्तृत जानकारी दी एवं सभी प्रतिभागियो से इस कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग का महत्वपूर्ण योगदान था।

स्टील प्लांट मे झुलसे मजदूरों में से एक मजदूर की और हुई मौत

बोकारो : झारखंड के बोकारो मे स्थापित भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड की इकाई बोकारो स्टील लिमिटेड में कार्यरत तीन ठेका श्रमिकों के झुलसने के बाद कोलकाता के अस्पताल में इलाजरत एक ठेका श्रमिक की मौत हो गई। प्लांट के संचार प्रमुख मणिकांत धन ने आज यहां बताया कि विगत 28 सितम्बर को प्लांट के एसएमएस -2 में हुई दुर्घटना में घायल ठेका श्रमिक मजदूर प्रवीर कुमार महली का इलाज के क्रम में कल दोपहर कोलकाता के एक अस्पताल में देहांत हो गया। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया था। इलाज के हर संभव प्रयास के बावजूद उनकी मृत्यु से समस्त बोकारो इस्पात समूह शोकाकुल है। नियम अनुसार दिवंगत श्रमिक के परिवार के सदस्य को बी एस एल में नियोजन का ऑफर लेटर दिया जाएगा। उक्त दुर्घटना में सभी तीन मजदूर घायल हुए थे, जिसमें से दो मजदूरों की मौत पहले ही हो चुकी है। बोकारो स्टील लिमिटेड में हो रही दुर्घटनाओं पर कई श्रमिक यूनियनों और राजनीतिक दल के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि प्रबंधन दुर्घटना के लिए दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करे और मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए , अन्यथा प्रबंधन के खिलाफ जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

एक नजर

फुटबाल का महाकुंभ दिवा रात्री डे नाइट का किया गया आयोजन

बानो : प्रखंड के हुरदा में फुटबाल का महाकुंभ दिनांक 29 एंव 30 नवम्बर को स्थान थाना मैदान हुरदा में आयोजन किया गया है। जिसका इंट्री फीस 30,000 हजार रखा गया है जिसमें 16 टीमें भाग लेगी जिसमें पहला प्राइज 3 लाख दूसरा प्राइज 2 लाख तीसरा प्राइज 50 हजार चौथा प्राइज को 50 हजार प्राइज दिया जायगा। इसका आयोजनकर्ता बजरंगदल क्लब हुरदा ने की है जिसका अध्यक्ष बालेश्वर नाग, उपाध्यक्ष बालमुकुंद नायक कोषाध्यक्ष रामचंद्र साहु, उपकोषाध्यक्ष हरीश सिंह, सचिव प्रवीन साहु, बालेश्वर सिंह, परोमोद नाग, मनोज हजाम, लक्ष्मन नाग हैं।

कांग्रेस पार्टी ने बोड़ाम ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

पटमदा : कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर जिला द्वारा जारी निर्देश के अनुसार बोड़ाम प्रखंड में प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में विपक्ष द्वारा की जा रही वोट चोरी के विरोध में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया ।इस दौरान बोड़ाम बाजार के हाटतोला में सभी दुकानों और आम जनता से मिलकर हस्ताक्षर अभियान को सफल बनाया गया ।वही मताधिकारी की विपक्ष की चोरी के प्रति आम जनता को जागरूक किया गया ।इस दौरान अभियान में कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम पर्यवेक्षक विश्वजीत जैना,जिला महासचिव किशन लाल महतो ,बोड़ाम प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार महतो सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : शुक्रवार को जिला समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने पुलिस अधीक्षक रामगढ़ अजय कुमार की उपस्थिति में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। बैठक के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में किए गए कार्य की समीक्षा की गई समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने चुट्टूपालू घाटी में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए। वर्तमान में घाटी में लगाई गई लाइटों के नियमित रूप से कार्य करने की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त ने हर हाल में घाटी में लगाई गई लाइटों का नियमित रूप से कार्य करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया साथ ही उन्होंने घाटी क्षेत्र में दुर्घटनाओं को रोकने हेतु लगाई गई साइन बोर्ड की संख्या में वृद्धि कर वाहनों का स्पीड कम करने हेतु कई बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा घाटी में ओवर स्पीडिंग पर रोक लगाने, घाटी में हाई मास्ट लाइट लगाने, सीसीटीवी कैमरे, वाहन जांच अभियान, जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन, ब्लैक स्पॉट चिंहितिकरण आदि को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलने व अवैध परिवहन पर लगाम लगाने हेतु समय-समय पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना के दौरान अस्पताल पहुंचने वाले मददगारों को सम्मानित करने का निर्देश दिया ताकि लोगों में जागरूकता पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाएं जिससे दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की जीवन को बचा सके। वहीं उन्होंने हिट एंड रन से संबंधित योजना की लाभ प्रक्रिया को बताते हुए बैनर पोस्टर के माध्यम से जागरूकता अभियान चला कर लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने एवं वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमित रूप से जिले के सभी क्षेत्रों में सभी थाना प्रभारी को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। ताकि लोगों में जागरूकता फैले और वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग करें जिससे हो रही दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। इन सबके अलावा बैठक के दौरान नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

छठ घाट तालाब की साफ-सफाई नवयुवकों द्वारा की गई

सिमडेगा : जिला के कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत लचरागढ़ जलडेगा रोड़ स्थित छठ घाट तालाब की साफ सफाई लचरागढ़ के नवयुवकों द्वारा किया गया जिसमें तालाब किनारे झाड़ियों, घास पुस और तालाब किनारे पड़े प्लास्टिक और अन्य कचड़े की साफ सफाई की गई। छठ घाट तालाब के सीढ़ीयो को झाडू लगाया गया एवं पानी से सीढ़ीयो को धोकर साफ सफाई की गई। साथ में तालाब में चुना भी डाला गया। जिसे तालाब की जल जल्द साफ हो। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ महा पर्व लचरागढ़ के जलडेगा रोड़ स्थित छठ घाट तालाब में धूम धाम एवं भक्ति भाव के साथ किया जाएगा। मौके पर प्रवीण कुमार साहू, अंकित अग्रवाल, संजय द्विवेदी, अनिल काशी, संजय मिश्रा, अनुज कुमार साहू, बिहारी पांडा, लखन ठाकुर, अजित साहू, टोनी अग्रवाल, मौजूद थे।

केरसई में 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान को मिला जबरदस्त जनसमर्थन

सिमडेगा : कांग्रेस के वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान को लेकर केरसई प्रखंड में जबरदस्त जनसमर्थन देखने को मिला। पर्यवेक्षक जिप सदस्य समरोम पॉल तोपनो, केरसई मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार, मुखिया मूंस खेस एवं केरसई के सभी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास से यह अभियान निर्धारित लक्ष्य से भी आगे निकल गया। गुरुवार को अभियान की रिपोर्ट कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह विधायक भूषण बाड़ा को सौंपी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले चुनाव में कांग्रेस को केरसई प्रखंड से 9930 वोट मिले थे। जबकि इस बार वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के दौरान 12059 लोगों ने हस्ताक्षर कर कांग्रेस की इस मुहिम का समर्थन किया। इनमें 1326 महिलाएं भी शामिल हैं, जो महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को दशार्ता है। जिला अध्यक्ष सह विधायक भूषण बाड़ा ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केरसई की जनता ने साफ संदेश दिया है कि अब जनादेश का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी ताकत है और जब जनता जाग जाती है तो कोई भी वोट चोर सत्ता में टिक नहीं सकता।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सलडेगा में युनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा विजिलेंस अवेयरनेस प्रतियोगिता संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : वनवासी कल्याण केंद्र झारखंड की शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति झारखण्ड द्वारा संचालित सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर सलडेगा में युनियन बैंक ऑफ इंडिया के सौजन्य से कक्षा दशम के भैया बहनों के बीच विजिलेंस अवेयरनेस कम्पिटीशन के तहत निबंध लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न करायी गई। बैंक द्वारा आयोजित इस निबंध लेखन प्रतियोगिता में कक्षा दशम ए की बहन अनुप्रिया कुमारी को प्रथम स्थान, बहन मनीषा कुमारी को द्वितीय स्थान तथा कक्षा दशम बी की बहन चाहत कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मौके पर उपस्थित युनियन बैंक सिमडेगा शाखा के प्रबंधक महोदय श्रीमान सन्नी कुजूर के द्वारा सभी विजेता प्रतिभागियों को पारितोषिक दे कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कक्षा दशम के सौ चयनित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए जीवन में शिक्षा के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए विद्यार्थी जीवन में सदाचरण, समय पाबंद और नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया। प्रधानाचार्य श्री जितेंद्र कुमार पाठक जी ने भी यूनियन बैंक आफ इंडिया को विद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद देते हुए कहा की समय-समय पर आयोजित ऐसे कार्यक्रम भैया बहनों के उत्साह को और बढ़ते हैं। विद्यालय परिवार के सभी भैया बहनों एवं आचायाओं ने भी विजेता भैया बहनों को अपनी ओर से बधाई दी।

भाजपा मंडल के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : रांची पुरुलिया रोड हेसल मोड़ के पास रोड निर्माण में अनियमितता बरतने पर भारतीय जनता पार्टी अनगड़ा मंडल अध्यक्ष सुनील महतो जी के अध्यक्षता में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन संपन्न हुआ। पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को साफ निर्देश दिया गया कि 15 दिन के अंदर रोड निर्माण एवं नाली निर्माण पर गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं किया तो वृहद पैमाने पर धरना प्रदर्शन एवं रोड जाम भी किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो जी, जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष नरेश साहू जी ,पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनाथ महतो जी,अजय कुमार महतो , सिकंदर अंसारी, अजय सिंह भोगता जी शिवलाल पाहन घनेनाथ महतो जी, संतोष महतो आदि शामिल थे।

सदर सीओ इम्तियाज अहमद ने किया शंख नदी छठ घाट का निरीक्षण

सिमडेगा : सदर सीओ इम्तियाज अहमद ने शंख नदी छठ घाट का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने शंख नदी और संगम तट में नदी की गहराई के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टिकोण से गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा जहां ज्यादा गहराई है वहां बैरकेडिंग भी की जाएगी। ताकि किसी भी प्रकार की खतरे के आशंका को दूर किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने अन्य तैयारी की भी जानकारी लेते हुए दिशा निर्देश दिया। मौके पर विश्राम सिंह भी उपस्थित थे।

नव युवक संघ कोलेबिरा ने की छठ घाट की सफाई, आस्था के महापर्व की तैयारी शुरू

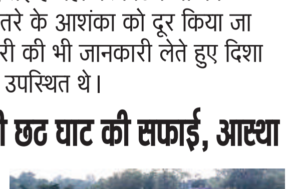

कोलेबिरा : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारी पूरे जोरों पर है। इसी क्रम में कोलेबिरा के नव युवक संघ ने इस पुनीत कार्य में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाते हुए स्थानीय छठ घाट की बृहद स्तर पर साफ–सफाई का कार्य किया। संघ के उत्साही सदस्यों ने श्रमदान करते हुए घाट को पूरी तरह से स्वच्छ और आकर्षक बना दिया है, ताकि छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रमदान से संवारा घाट हर वर्ष की तरह इस साल भी नव युवक संघ कोलेबिरा के सदस्यों ने छठ महापर्व को सफल बनाने का बीड़ा उठाया। शुक्रवार की सुबह से ही संघ के सदस्य पारंपरिक छठ घाट पर जमा हुए और झाड़ियों, गंदगी और जलकुंभी को हटाने का काम शुरू किया।

सेंट मेरीज इंग्लिश मीडियम स्कूल में साइंस एवं इंजीनियरिंग प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सेंट मेरीज इंग्लिश मीडियम स्कूल में विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। स्कूल के प्राचार्य फादर राकेश ने कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग से जुड़े अनेक रोचक मॉडल प्रस्तुत किए, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, रोबोटिक्स और आधुनिक तकनीक आधारित प्रोजेक्ट विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। प्रदर्शनी में शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने भी भाग लिया और बच्चों के बनाए मॉडलों की खूब प्रशंसा की। स्कूल के प्राचार्य फादर राकेश ने विद्यार्थियों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियाँ विद्यार्थियों में नवाचार और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला भविष्य विज्ञान और तकनीक पर आधारित है, इसलिए विद्यार्थियों को इस दिशा में अधिक से अधिक प्रयोग और खोज करनी चाहिए। उन्होंने कहा की इसमें बच्चों ने बहुत मेहनत किया है और उनकी मेहनत उनके जीवन के लिए काफी लाभदायक साबित होगा और बच्चे हर क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे ऐसी संभावना जताई जा रही है क्योंकि इंजीनियरिंग से लेकर वैज्ञानिक स्तरों पर इन्होंने काम किया है यह छोटी-छोटी चीजें जो इन्होंने अभी किया है यह आगे चलकर इन्हें प्रेरणा मिलेगी और आने वाले समय में अपने करियर को बनाने में सहायता मिलेगी उन्होंने कहा कि मैं हर क्षेत्र में देखा कि कला शिल्प से लेकर साइंस की जो प्रदर्शनी लगाई गई है यह काबिले तारीफ है बच्चों में काफी जोश

घाटशिला उपचुनाव पर बनी रणनीति: चिलगु में आदित्य साहू और हरे लाल महतो की अहम बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

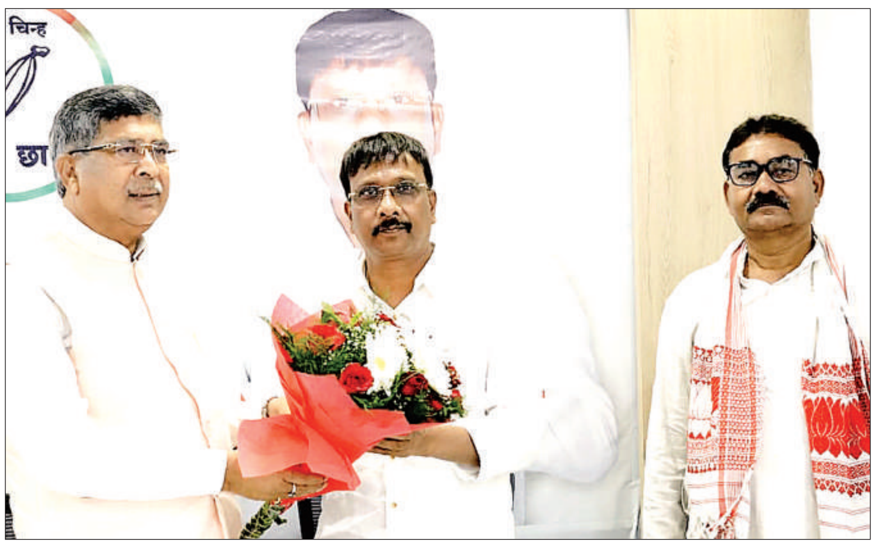

ईचागढ़ : राज्यसभा सांसद सह झारखंड भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू शुक्रवार को चांडिल के चिलगु स्थित आजसू पार्टी के प्रधान कार्यालय पहुंचे। इस दौरान आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरे लाल महतो ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। बैठक में दोनों नेताओं के बीच घाटशिला उपचुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त रणनीति पर विचार किया गया। इस मौके पर आदित्य साहू ने हरे लाल महतो को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए और एनडीए के गठबंधन की मजबूती पर बल दिया। बैठक के दौरान हरे लाल महतो ने घाटशिला विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान राजनीतिक स्थिति से सांसद साहू को अवगत कराया। आदित्य साहू ने कहा कि राज्य की मौजूदा सरकार की नाकामियों और व्याप्त भ्रष्टाचार से जनता त्रस्त है। उन्होंने कहा कि घाटशिला की जनता झारखंड के भविष्य निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाने जा रही है। वहीं, हरे लाल महतो ने कहा कि हेमंत सरकार ने जनता की भावनाओं से खिलवाड़ किया है। बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्थिति बेहद खराब है। उन्होंने दावा किया कि घाटशिला की जनता आगामी उपचुनाव में हेमंत सरकार को करारा जवाब देगी और एनडीए उम्मीदवार को विजयी बनाएगी। इस अवसर पर कई भाजपा और आजसू कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

कार्यालय, जिला परिषद सिमडेगा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 04/2025-26

जिला परिषद् सिमडेगा में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदकों से दो लिफाफा पद्धति अंतर्गत मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. विभाग का नाम :–जिला परिषद सिमडेगा
2. विज्ञापन दाता का नाम :–जिला अभियंता, जिला परिषद, सिमडेगा।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :–30.10.2025 से 10.11.2025 तक (कार्यालय अवधि में अपराह्न 2:00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय :–11.11.2025 (पूर्वाह्न 11.00 बजे से 1:30 बजे अपराह्न तक)
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–11.11.2025 (अपराह्न 2:30 बजे)
6. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान :–कार्यालय, जिला परिषद, सिमडेगा।
7. निविदा प्राप्ति एवं निविदा खोलने का स्थान :–कार्यालय, जिला परिषद, सिमडेगा।
8. कार्य विवरणी :–

ग्रुप/क्र.सं.	कार्य का नाम	कुल प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु0)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रु0)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	Repairing Work of Dak Bangla Under Block Simdega.	19,30,780.47	38,616.00	5,000.00	3 माह

निविदा शर्तें www.simdega.nic.in एवं कार्यालय जिला परिषद्, सिमडेगा के सूचना पट्ट में देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद्, सिमडेगा।

PR 364655 (Simdega) 25-26 (D)

राँची समाहरणालय, राँची (जिला भू-अर्जन शाखा)

भू–अर्जन वाद सं0–09/2008–09

ज्ञापांक.............
दिनांक.............

नोटिस

1. श्रीमती गीता देवी W/O स्व0 बाल चन्द साहु
2. श्री रवि किरण साहु S/O जयनन्दन साहु

पता–हराटांड पो0–डोरण्डा, थाना–डोरण्डा, जिला–राँची।

बजरिये नोटिस आपको सूचित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय झारखण्ड राँची में दायर Cont. Case (civil) No.-752/2025, WP (C) No-1641/2021 Sudha @ Sudha Singh v/s The state of Jharkhand & Ors. में आवेदिका सुधा उर्फ सुधा सिंह को बिरसा मुण्डा एयरपोर्ट विस्तारीकरण परियोजना अन्तर्गत मौजा–हेथु, खाता सं0–14, प्लॉट सं0–1200, रकबा–17.5 डी0 भूमि का मुआवजा भुगतान हेतु आदेश पारित है। पारित आदेश के आलोक में कार्यालय में उपलब्ध दस्तावेजों के अवलोकन से स्पष्ट है कि मौजा–हेथु, खाता सं0–14, प्लॉट सं0–1200, कुल अर्जित रकबा–0.42 ए0 भूमि के विरूद्ध आपलोगो के द्वारा 0.2479 ए0 भूमि का मुआवजा राशि प्राप्त कर लिया गया है जबकि आपकी प्रभवित भूमि 0.07 एकड़ है।

अत: आपको आदेश दिया जाता है कि दिनांक–31.10.2025 तक परियोजना अन्तर्गत मौजा–हेथु, खाता सं0–14, प्लॉट सं0–1200, अतिरिक्त रकबा–0.1779 ए0 भूमि का राशि 15,11,010.00 (पन्द्रह लाख ग्यारह हजार दस) रूपये जिला भू–अर्जन कार्यालय राँची मे जमा करना सुनिश्चित करें अन्यथा आपके विरूद्व नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

PR 364663 Land Reforms (25-26)_D

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं॰ 32/2025–26

Civic Amenities

Sl. no.	Name of Scheme	Estimated Cost	Earnest Money	Tender Fee	Completion of period of work
1	Construction of New RCC Drian and Laying of Paver Block from H/o Rajiv ji to Main Road Drain in Korrah in ward no. 09 (nine) under Municipal Corporation Hazaribag	9,10,800/-	20,000/-	5900/-	90 Days

1. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग
   तिथि एवं समय : दिनांक 06.11.2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
2. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग
   तिथि एवं समय : दिनांक 07.11.2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा खोलने का स्थान : नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग
   तिथि एवं समय : दिनांक 07.11.2025 को 3.00 बजे अपराह्न
4. विज्ञापन दाता का पदनाम : नगर आयुक्त सह प्रशासक, नगर निगम, हजारीबाग।

नोट :–निविदा से संबंधित शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालय अवधि में नगर निगम कार्यालय में देखा जा सकता है।

नगर आयुक्त सह प्रशासक
नगर निगम, हजारीबाग।

PR 364691 (Urban Development and Housing) 25-26 (D)

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– **RDSPL/SD/HZB/17/2025-26**

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RDSPL/SD/HZB/17/2025-26	चौपारण	प्राथमिक विद्यालय, चपरीकला में चार अतिरिक्त कमरे का निर्माण एवं उन्नयन कार्य।	8870600.00	177500.00	10000.00	08 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 06.11.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 06.11.2025 से दिनांक 17.11.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –18.11.2025 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154806
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR.NO.364669 Rural Development(25-26):D

राहुल गांधी बनाम मोदी की सीधी लड़ाई में ही इंडिया गठबंधन को फायदा मिलेगा : पप्पू यादव

बिहार की राजनीति इस समय एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियाँ तेज हैं और माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रंग चुका है। ऐसे वक्त में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद और जन अधिकार पार्टी के प्रमुख पप्पू यादव का बयान एक नई बहस को जन्म दे गया है। उन्होंने साफ-साफ शब्दों में कहा है कि अगर विपक्षी इंडिया गठबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले राहुल गांधी को चेहरा बनाकर चुनावी मैदान में उतरता है, तभी जाकर असली मुकाबला संभव है और जनता को यह भरोसा मिलेगा कि विपक्ष उनके लिए एक मजबूत विकल्प है। पप्पू यादव ने इसे केवल रणनीतिक बयान नहीं, बल्कि जनता की नब्ज के अनुरूप एक जरूरी फैसला बताया। उन्होंने कहा कि इस बार की लड़ाई सिर्फ सीटों की नहीं है, यह विचारधारा, नेतृत्व और देश की दिशा की लड़ाई है। उनका कहना है कि यदि यह लड़ाई मोदी बनाम राहुल के रूप में तय होती है, तो इससे गठबंधन को न सिर्फ स्पष्ट पहचान मिलेगी, बल्कि वोटरों का विश्वास भी हासिल होगा। उनका यह भी मानना है कि राहुल गांधी अब एक ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने देश की आम जनता, गरीब तबके, पिछड़े वर्गों और युवाओं से संवाद स्थापित किया है। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से उन्होंने जो विश्वास अर्जित किया है, वह अब एक राजनीतिक पूंजी बन चुका है, और इसका इस्तेमाल चुनावी रणनीति में होना चाहिए।

पप्पू यादव ने मौजूदा गठबंधन में चल रही खींचतान को लेकर भी तीखा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि सीटों को लेकर जो सौदेबाजी चल रही है, वह जनता की नजर में बिल्कुल गलत संदेश दे रही है। उन्होंने सवाल किया कि जब कोई सीट कांग्रेस की है, तो वहां आरजेडी कैसे दावेदारी कर सकती है? उन्होंने इसे राजनीतिक लालच करार देते हुए कहा कि ऐसी ₹मैत्रीपूर्ण लड़ाई₹ से जनता भ्रमित होती है और गठबंधन की साख पर सवाल उठते हैं। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार की जनता अब परिपक्व हो चुकी है। वह अब जातीय समीकरणों और खाली वादों के जाल में नहीं फँसती। जनता साफ देख रही है कि कौन दल अपने निजी स्वार्थ के लिए लड़ रहा है और कौन वाकई बदलाव लाना चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक गठबंधन के भीतर पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय की भावना नहीं आएगी, तब तक जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल कुछ ताकतें अगर राहुल गांधी के चेहरे से डरती हैं या उन्हें आगे नहीं आने देना चाहतीं, तो वे न सिर्फ पार्टी बल्कि लोकतंत्र के खिलाफ भी काम कर रही हैं। पप्पू यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री पद को लेकर पहले से चर्चा करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का चेहरा तय करने की कोई जरूरत नहीं है। बल्कि, इस समय सबसे जरूरी यह है कि गठबंधन पूरी ताकत के साथ एकजुट होकर बीजेपी के खिलाफ खड़ा हो और जनता के सामने एक वैकल्पिक राष्ट्रीय नेतृत्व पेश करे। उन्होंने कहा कि अगर हम पहले से सीएम के लिए झगड़ते रहेंगे, तो जनता को लगेगा कि हमें देश या राज्य की चिंता नहीं, केवल कुर्सी की चिंता है। इसीलिए मैं बार-बार कह रहा हूँ कि राहुल गांधी को राष्ट्रीय नेता के तौर पर प्रोजेक्ट करो, चुनाव जीतने दो, फिर मुख्यमंत्री किसे बनाना है, वह बात बाद में तय की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन के निर्णयों का सम्मान करेगी लेकिन यदि कांग्रेस को वह सम्मानजनक स्थान नहीं मिला जिसकी वह हकदार है, तो उनकी पार्टी कई सीटों पर चुनाव लड़ने से पीछे हट सकती है ताकि बीजेपी को हराने के लिए रास्ता साफ किया जा सके। उन्होंने अपने बयान में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 तारीख से अपना प्रचार अभियान शुरू कर दिया है और अब बीजेपी की पूरी चुनावी मशीनरी एक्टिव हो चुकी है। ऐसे में अगर विपक्ष ने अपने नेता और एजेंडे को लेकर देर की या अस्पष्टता दिखाई, तो बीजेपी को सीधा फायदा होगा।

सूडोकु नवताल- 7593

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7592 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतजार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय देर आए, दुरुस्त आए की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं।

क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने नौकरी, विकास और सम्मान जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोजगारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ लालू के पुत्र नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका जनादेश अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है। एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन, उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है। यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक सुशासन बाबू की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है। यह बदलाव किस रूप में सामने आयेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं। यदि यह बदलाव तेजस्वी के नेतृत्व में संभव होता है तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन भी होगा। हालांकि तेजस्वी के चेहरे पर सहमति एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह गठबंधन की एकजुटता की गारंटी नहीं। कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति फिर उभर सकती है। बिहार का मतदाता जातीय समीकरणों से प्रभावित रहता है, और भाजपा-जेडीयू गठबंधन इस बिंदु पर अब भी मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा, तेजस्वी को छवि सुधार और जनसंपर्क के नए मॉडल पर भी काम करना होगा- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अस्थिरता के पुराने आरोपों से वे अब भी पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं। अगर वे इस बार भी भावनाओं की राजनीति पर अटके रहे, तो जनता का भरोसा खिसक सकता है।

तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनना बिहार की राजनीति में एक जनसांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह निर्णय दिखाता है कि अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र युवा आकांक्षाओं, आर्थिक अवसरों और विकास की बराबरी की ओर बढ़ रहा है। कांग्रेस का झुकना केवल राजनीतिक गणित नहीं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति है कि अब बिहार में नई पीढ़ी के नेतृत्व से ही राजनीतिक भविष्य तय होगा। तेजस्वी यादव का उदय केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि बदलते समय की पुकार है। बिहार की जनता लंबे समय से ठहरे हुए शासन और खोखले वादों से थक चुकी है। अब वह ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो न केवल सत्ता चाहता हो, बल्कि संवेदना और संघर्ष का प्रतीक भी बने। कांग्रेस ने भले ही देर से यह निर्णय लिया हो, पर यदि महागठबंधन इस घोषणा को एकजुट रणनीति में बदल सके, तो यह बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय खोल सकता है, जहाँ देर आए, पर दुरुस्त आए केवल कहावत नहीं, बल्कि राजनीतिक सच्चाई बन जाए। तेजस्वी यादव को सीएम पद का प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी को जिस तरह डिप्टी सीएम के रूप में आगे लाया गया, उससे उनकी राजनीतिक हैसियत का अनुमान लगता है, लेकिन उनकी पार्टी तो महज 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस उससे चार गुने से अधिक सीटों पर। हालांकि अशोक गहलोत ने यह स्पष्ट किया है कि और भी डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे, पर इससे यह संदेश ओझल नहीं होता कि कांग्रेस की राजनीतिक ताकत वीआइपी से भी कम है। निःसंदेह अशोक गहलोत की घोषणा से महागठबंधन और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे राजद को लाभ मिल सकता है, लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि अब इस गठबंधन में सब कुछ सही हो गया है। महागठबंधन के 10 से अधिक प्रत्याशी एक-दूसरे के सामने हैं। महागठबंधन की राजनीति चुनाव होने एवं चुनाव परिणाम के बाद भी कई रंग बदलेगी, इसलिये उसकी डगर निष्कंटक तो नहीं कही जा सकती। महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है, यह भी प्रश्न तेरता रहेगा। फिलहाल तेजस्वी के मुख्यमंत्री का फैसला महागठबंधन के लिए एक बड़ी जीत है क्योंकि इससे उनकी एकजुटता का संदेश पूरे बिहार में जाएगा।

छठ महापर्व : प्रकृति, पवित्रता और प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व

योगेश कुमार गोयल

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व छठ उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूयोर्पासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निःसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उन्हें दीघार्यु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं।

इस साल 25 अक्तूबर से नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान के साथ कार्तिक छठ पर्व की शुरूआत हो रही है। इस दिन छठ व्रती नियम-धर्म से सात्विक भोजन बनाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण करेंगे। छठी मइया को ध्यान कर छठ पूजा 2025 का संकल्प नहाय-खाय पर ही लेने का विधान है। इस दिन छठी मइया और आदित्य देव के लिए गीत गाकर उनका आह्वान किए जाने की परंपरा है।

26 अक्तूबर को खरना है। इस दिन छठ व्रती पूरी निष्ठा से छठी मइया को खीर का प्रसाद बनाकर भोग लगाती हैं। लोहंडा का यह प्रसाद घर-परिवार और पास-पड़ोस में जनमानस को ग्रहण कराने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि खरना का प्रसाद ग्रहण करने से जीवन के सारे दूख दूर होते हैं। छठी मइया व्रती की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं।

27 अक्तूबर को अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को संध्याकालीन अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। इस दिन डूबते सूर्य को अर्ध्य अर्पित कर छठ व्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि और संतति वृद्धि की कामना आदित्य देव से करते हैं। ऐसी मान्यता है कि ढ़लते सूरज को जल चढ़ाने से भगवान दिनकर छठ व्रती को भर-भरकर आशीष देते हैं।

28 अक्तूबर को उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्ध्य दिया जाना है। इस दिन दीनानाथ के उगते स्वरूप का दर्शन कर छठ व्रती खुशहाली की कामना करती हैं। परिवार के लोग भी छठ व्रती को सामने से दूध-जल का अर्ध्य अपर्ण कर अपनी निष्ठा प्रकट करते हैं। छठी मइया से मंगलकामनाएं की जाती हैं। छठ पूजा का प्रसाद छठ घाट पर ही ग्रहण करने का विधान है। अंतिम चरण में छठ व्रती पारण कर चार दिवसीय छठ पर्व का अनुष्ठान समाप्त करती हैं।

नियम, संयम और तपस्या का महापर्व छठ चार दिनों तक चलता है लेकिन इसकी तैयारी कई सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती है। षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व की शुरूआत मूल रूप से बिहार और पूर्वांचल से हुई मानी जाती है लेकिन अब यह न केवल भारत के अलग-अलग राज्यों में बल्कि विदेशों में भी मनाया जाने लगा है और बिहार तथा पूर्वांचल के ही नहीं, अन्य क्षेत्रों के बहुत से लोग भी अब छठ पर्व के प्रति आस्थावान होकर यह व्रत करने लगे हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्ध्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूयोर्पासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन नहाय खाय से होती है, अगले दिन खरना होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है।

छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्ध्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा करने के पश्चात प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है।

छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निदेर्शानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है।

छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्त्रोतों के किनारे की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्त्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है। यह महापर्व नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का प्रेरणा देता है, इसीलिए इसे सर्वाधिक पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार माना जाता है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंसा और इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बांग्लादेश में हाल के वर्षों में हिंसा और अस्थिरता का एक नया रूप उभरकर सामने आया है, जिसकी सबसे स्पष्ट पहचान ‖इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी‖ (आईआरए) से होती है। यह संगठन एक कट्टरवादी समूह तो है ही, अब राजनीतिक सत्ता और सामाजिक नियंत्रण का उपकरण बन चुका है। यूनुस प्रशासन के इशारे पर इसका गठन और प्रशिक्षण किया जा रहा है। वरिष्ठ सलाहकार आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने स्वीकार किया है कि लगभग 8,850 युवाओं को सात शिविरों में हथियार, ताइक्वांडो और सैन्य प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, इस संगठन को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और जमात-ए-इस्लामी का समर्थन प्राप्त है। इसका उद्देश्य केवल (इस्लाम) मजहबी जागरूकता नहीं, बल्कि हिंसा, भय और गैर-मुस्लिमों पर राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करना है।

आईआरए के उदय से स्पष्ट होता है कि बांग्लादेश दक्षिण एशिया में इस्लामिक मजहबी कट्टरता और आतंकवाद का संभावित केंद्र बनता जा रहा है। इसका निशाना विशेषकर हिंदू, बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यक समुदाय हैं। जिसकी पुष्टि हंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद की जुलाई 2025 की रिपोर्ट करती है। इसके अनुसार पिछले 11 महीनों में लगभग 2,442 सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ हुईं, जिनमें मंदिरों को जलाना, घरों को लूटना और महिलाओं पर यौन हिंसा शामिल है। अगस्त 2024 के पहले दो हफ्तों में सत्ता परिवर्तन के दौरान पुलिस निष्क्रिय रही और भीड़ बेखौफ हुई, जिससे हमलों की संख्या चरम पर पहुंच गई।

मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि हिंसा का सबसे बड़ा शिकार महिलाएँ और बच्चे हैं। बांग्लादेश अल्पसंख्यक मानवाधिकार कांग्रेस के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में यौन हिंसा के 342 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 87 प्रतिशत पीड़ित 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियाँ थीं। यह सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि संगठित प्रयास है, जो गैर-मुस्लिम समुदायों में भय पैदा कर उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर कर रहा है। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी स्वीकार किया है कि हिंदुओं के घर जलाए जा रहे हैं, मंदिरों को नुकसान पहुँचाया जा रहा है, और धार्मिक स्वतंत्रता का गला घोंटा जा रहा है। यहां ये तथ्य भी गौर करने योग्य है कि 1951 में बांग्लादेश में हिंदू आबादी लगभग 22 प्रतिशत थी, जो अब घटकर केवल 7.95 प्रतिशत रह गई है। बौद्ध और ईसाई क्रमशः 0.6 और 0.3 प्रतिशत पर सिमट गए हैं। इसके विपरीत, भारत में मुसलमानों की जनसंख्या बढ़ी और उन्हें समान नागरिक अधिकार और सामाजिक-आर्थिक अवसर मिले। यह स्पष्ट करता है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को व्यवस्थित रूप से दबाया गया है और आईआरए जैसी कट्टरवादी संरचनाएँ इसका नेतृत्व कर रही हैं। इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी का फोकस केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं है। भारतीय एजेंसियों के अनुसार, उनका असली निशाना भारत है। जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने घोषणा की है कि उनके पास 50 लाख युवा हैं जो गजवा-ए-हिंद के तहत भारत के खिलाफ संघर्ष के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान और यूनुस प्रशासन के बीच समुद्री संपर्क ने हथियारों की सप्लाई आसान कर दी है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए नई सुरक्षा चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं। यदि यह सिलसिला जारी रहा, तो बांग्लादेश जल्दी ही एक फेल्ड स्टेट बन सकता है और दक्षिण एशिया में आतंकवाद का नया अड्डा बन सकता है।

यह हिंसा वैचारिक त्रासदी की ओर भी इशारा करती है। यदि इस्लाम शांति का धर्म है, तो बार-बार इसके नाम पर हिंसा, नफरत और दमन क्यों बढ़ रहे हैं? यह सवाल धर्म की आलोचना नहीं, बल्कि उस सोच की पड़ताल है जिसने धर्म को सत्ता का औजार बना दिया है। जब धार्मिक चेतना का उद्देश्य आत्मशुद्धि से हटकर राजनीतिक प्रभुत्व बन जाए, तब वह समाज और मानवता के लिए खतरा बन जाती है। बांग्लादेश में यही खतरा अब वास्तविकता बन चुका है। बुद्धिजीवी और अन्य लोग, जो इस्लाम को अहिंसक मानते हैं, उन्हें खुलकर इसका विरोध करना चाहिए। यहां आज इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी जैसी हिंसक गतिविधियाँ स्पष्ट करती हैं कि राजनीतिक इस्लाम का लक्ष्य केवल आस्था नहीं, बल्कि सत्ता और सामाजिक नियंत्रण है। इतिहास में मुस्लिम बहुसंख्यक देशों में गैर-मुस्लिमों के दमन को सत्ता संरचना का हिस्सा बनाया गया। यही प्रक्रिया अब यूनुस शासन में देखने को मिल रही है। गहराई से समझे इसे; बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह केवल धार्मिक उग्रवाद नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक विघटन और राजनीतिक इस्लाम का चरम रूप है। सत्ता पूरी तरह इस्लामिक बन चुकी है, और गैर-मुस्लिम समुदाय इसके सबसे पहले शिकार हैं। नजीह आयूबी की पुस्तक Political Islam: Religion and Politics in the Arab World इस विषय पर महत्वपूर्ण संदर्भ देती है। इसमें राजनीतिक इस्लाम के इतिहास, सिद्धांत और प्रभाव की व्यापक व्याख्या की गई है।

देश में चार दिनों तक चलने वाले महापर्व छठ की शुरूआत, आज से

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शनिवार से पूरे देश में 4 दिनों तक चलने वाले महापर्व छठ की शुरूआत 25 अक्टूबर से हो जाएगी। 25 अक्टूबर को नहाए खाए के साथ छठ पर्व का शुभारंभ हो जाएगा, उसके दूसरे दिन 26 अक्टूबर को खरना, 27 अक्टूबर को डूबते सूरज को अर्घ्य दिया जाएगा, वहीं 28 अक्टूबर को उगते सूरज को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का समापन हो जाएगा। छठ महापर्व को आस्था का महापर्व कहा जाता है। यह काफी साफ सुथरा और विधि विधान से किया जाने वाला महापर्व है। इसमे लोग काफी ज्यादा सावधानियां बरतते है ।लेकिन छठ महापर्व में आप लोगों ने देखा होगा कि हम उगते और डूबते हुए सूरज को अर्घ्य देते है. ऐसे में लोगों

के मन में यह सवाल उठता है कि जब छठी मैया का महापर्व है तो सूर्य भगवान को अर्घ्य क्यों दिया जाता है तो चलिए इसके पीछे की पौराणिक कथा को जान लेते है।

कौन है छठी मैया

आपको बताएँ कि मार्कण्डेय पुराण के अनुसार सृष्टि की रचना करने वाली देवी प्रकृति ने अपने आप को 6 भागों में बांटा था। देवी के छठें रूप को सबसे ज्यादा शक्तिशाली माना गया है। जो ब्रह्मा जी की मानस पुत्री है। इन्हें ही छठी मैया के नाम से जाना जाता है और 4 दिनों के महापर्व के दौरान इनकी आराधना की जाती है। वहीं छठ पर्व से भगवान सूर्य देव का नाम भी जुड़ा हुआ है चलिए जान लेते है छठ पर महापर्व में भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के पीछे की पारंपरिक वजह क्या है।

महापर्व पर सूर्य देव को क्यों दिया जाता है अर्घ्य

धार्मिक जानकारों की मानें तो भगवान सूर्य देव छठी मैया के भाई है। ऐसे में छठ पर्व के दौरान भगवान सूर्य की भी आराधना की जाती है और उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जब किसी नवाजत बच्चे का जन्म होता है तो 6 महीने तक छठी मैया उस नवाजत बच्चों के साथ रहती है और उसकी देखभाल करती हैं और रक्षा करती है।

छठ मैया से जुड़ी यह पौराणिक कथा

जिन महिला पुरुषों की संतान नहीं होती है वे छठ महापर्व को करते है ऐसा कहा जाता है कि भगवान आपको संतान देते है। इसके साथ एक पौराणिक कथा भी है जिसके अनुसार प्रियंवद नाम का एक राजा था। जिनकी कोई संतान नहीं थी। इसके बाद महर्षि कश्यप ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराकर उनकी पत्नी मालिनी को यज्ञाहुति के लिए बनायी गयी खीर दी। इस यज्ञ का प्रभाव से उन्हें संतान की प्राप्ति तो हुई लेकिन, वह मरी हुई थी। मरे बच्चे को देखकर राजा वियोग में प्राण देने लगे तभी उनके सामने देवसेना प्रकट हुई और उनको कहा कि आप देवी षष्ठी का व्रत रखो इससे संतान की प्राप्ति होगी, फिर राजा ने बिल्कुल ऐसा ही किया। जिसके प्रभाव से उन्हें संतान की प्राप्ति हुई। तब से संतान की कामना के लिए भी छठ पूजा की जाने लगी।

एक नजर

बोड़ाम पुलिस ने अपहरण के आरोप में युवक को भेजा जेल

पटमदा : बोड़ाम थाना क्षेत्र के हलुदबनी ओपी के बोटा गांव से बोड़ाम पुलिस ने अपहरण में मामले में एक आरोपी बबलू मुर्मू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है ।जानकारी देते हुए बोड़ाम थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार ने बताया कि बोटा गांव के ब्रजेश पटेल के छह वर्षीय पुत्र विकास महतो को बोटा टोला जलडीह निवासी बबलू मुर्मू के द्वारा शुक्रवार के सुबह अपहरण करने का मामला सामने आया ।जिसमें बोड़ाम थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार द्वारा ब्रजेश पटेल की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए आरोप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दर्दनाक सड़क हादसा, इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार महिला की मौके पर मौत

बोकारो : बोकारो से आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बालीडीह थाना क्षेत्र के राजू लाइन होटल के पास स्थित श्यामपुर बस्ती के समीप एक इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतका की पहचान 30 वर्षीय पूजा देवी के रूप में हुई है, जो जरीडीह थाना क्षेत्र के बाराडीह कल्याणपुर गांव की निवासी थीं। जानकारी के मुताबिक, पूजा देवी सुबह अपने गांव से चास स्थित किराये के मकान की ओर जा रही थीं, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पूजा देवी सड़क पर गिर पड़ीं और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बालीडीह थाना के दरोगा जितेंद्र कुमार यादव मौके पर पहुँचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजवाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति संजय रजवार मजदूरी का कार्य करते हैं। दुर्घटना की खबर से परिवार और आसपास के इलाके में शोक की लहर है। फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश में जुटी हुई है।

सफाई, प्रकाश व्यवस्था और यातायात सुधार की उठाई मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सूर्य उपासना का छठ महापर्व नहाए खाए के साथ शनिवार को प्रारंभ हो रहा है। स्वच्छता के इस पर्व में लोग अपने स्तर से घरों तथा छठ घाटों की साफ सफाई में लगे हुए परंतु इस पावन अवसर पर नगर क्षेत्र में फैली गंदगी, जलजमाव और अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था छठ व्रतियों के लिए मुंह चिढ़ाती सी नजर आ रही है। इसे लेकर शुक्रवार को भाकपा सरिया नगर पंचायत कमिटी के प्रतिनिधिमंडल ने नगर कार्यपालक पदाधिकारी के नाम नगर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा.ज्ञापन में कहा कि सरिया नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों विशेषकर रेलवे फाटक, काला रोड और मुख्य मार्गों पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। नगर प्रशासन की लापरवाही से श्रद्धालुओं को छठ पर्व के दौरान भारी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। ज्ञापन के माध्यम से मांग किया गया है कि सभी घाटों और प्रमुख पूजा स्थलों की तत्काल सफाई कराई जाए,जलजमाव वाले क्षेत्रों में नालियों की सफाई और पानी निकासी सुनिश्चित की जाए, छठ घाटों और मुख्य मार्गों पर अस्थाई प्रकाश व्यवस्था की जाए. इसके अतिरिक्त सफाईकर्मियों की ड्यूटी सूची जारी कर संबंधित क्षेत्रों में तैनाती की जाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं यातायात सुगमता हेतु पुलिस बल की तैनाती की जाए और भारी वाहनों का प्रवेश रोका जाए।

रक्तदान शिविर में कुल 218 लोगों ने किया रक्तदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आज शुक्रवार को प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिले के सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन रक्त अधिकोष, पुराना सदर अस्पताल पाकुड़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा, महेशपुर एवं पाकुड़िया में एक साथ किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन कर स्वयं रक्तदान किया। यह उनका 23वां रक्तदान एवं पाकुड़ में चौथा रक्तदान था। उपायुक्त मनीष कुमार के साथ अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, प्रभारी डीपीएम ई-पंचायत आनंद प्रकाश, पीएमयू सेल के कर्मियों समेत कई अधिकारियों ने भी रक्तदान किया। शिविर में प्रखंड

स्तरीय पदाधिकारी, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने भी स्वेच्छा से रक्तदान किया। कुल 218 रक्तदाताओं ने इस शिविर में भाग लेकर समाज सेवा की मिसाल पेश की। उपायुक्त श्री कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है क्योंकि इससे अनगिनत जिंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। सभी को इस पवित्र कार्य में आगे आना चाहिए।ह्व उन्होंने कहा कि जिले की जनसंख्या का कम से कम एक प्रतिशत रक्त यूनिट ब्लड बैंक में हर समय उपलब्ध रहना चाहिए ताकि आपात स्थिति में किसी भी जरूरतमंद को रक्त की कमी न हो। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट जागृति के अंतर्गत पाकुड़ जिले में प्रत्येक माह की 24 तारीख को सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का नियमित आयोजन किया जा रहा है, ताकि रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके और समाज में सेवा एवं सहभागिता की भावना को बढ़ावा मिले। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त द्वारा रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

शांतिपूर्वक माहौल में काली पूजा का विसर्जन संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर में काली पूजा विसर्जन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया है। नगर थाना के दो एवं जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत दो पूजा समिति ने प्रतिमा का विसर्जन कर दिया है। बम काली पूजा समिति, बड़ी काली पोखरिया पूजा समिति, झंडा मेला काली पूजा समिति, बायसी स्थान काली पूजा समिति का विसर्जन गुरुवार को किया गया। विसर्जन को लेकर एसपी अमित कुमार सिंह के निर्देश पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किया गया था। रैप जवान की टुकड़ी को स्पेशल विसर्जन करवाने के उद्देश्य से ड्यूटी पर लगाया गया। विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की भूल-चूक न हो। विसर्जन जुलूस पर अपनी नजर बनाये रखने के लिए शहर भर में तकरीबन 60 सीसीटीवी कैमरे लगाये गये, जो मुख्य रूप से विसर्जन जुलूस के रास्तों पर गतिविधि को रिकॉर्ड करने में लगे थे। एलसी रोड व कुलीपाड़ा में मुख्य सड़कों पर मिलने वाली गलियों को पूर्णता बांस से बैरिकेडिंग की गयी थी। हैलोजन लाइट की व्यवस्था की गयी थी। सब्जी मंडी रोड एवं ग्रीन होटल मोड़ से लेकर बड़तल्ला मोड़ तक हर 300 मीटर की दूरी पर पुलिस टेंट लगाये गये थे, जहां पर पदाधिकारी, मजिस्ट्रेट, चार कांस्टेबल, दो महिला अधिकारी के अलावा चार लाठी बल को तैनात किया गया था। हर पुलिस टेंट में तैनात पदाधिकारी पल-पल की खबर वरीय अधिकारियों को भेज रहे थे। नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता जुलूस के साथ सुरक्षा व्यवस्था में तैनात थे। डीजे संचालक को पूर्व में ही खास निर्देश दिया गया था कि किसी भी धर्म, समुदाय या लोगों के किसी भावनाओं को ठेस न पहुंचे। ऐसी कोई भी गाने नहीं बजाय जायेंगे। विशेष ध्यान पुलिस रख रही थी। विसर्जन जुलूस के पूर्व एलसी रोड व कुलीपाड़ा मोहल्ले के कई छत पर पुलिस के जवान को तैनात किया गया था।

छठ से पहले पुलिस की दबिश में कुख्यात चोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : छठ पूजा से पहले बोकारो पुलिस को मिली बड़ी सफलता। बंद घरों को निशाना बनाकर चोरी करने की फिराक में घूम रहा सजा याफ्ता आरोपी सुनील राम उर्फ सुनील डोम पुलिस के हत्थे चढ़ गया। जानकारी के अनुसार, आरोपी बोकारो के एसीजेएम कोर्ट से पहले ही सजा पा चुका था, लेकिन फरार चल रहा था। बीती रात जैसे ही वह फिर से चोरी की वारदात को अंजाम देने बोकारो पहुंचा, सेक्टर 4 थाना पुलिस ने उसे धर दबोचा।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी सुनील डोम ने अब तक जिले के कई थाना क्षेत्रों – सेक्टर 4, सिटी, सेक्टर 12, बालीडीह, चंद्रपुरा और दुग्दा – में एक दर्जन से ज्यादा चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। हर

घटना के बाद वह दूसरे राज्य में फरार हो जाता था। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि आरोपी के खिलाफ वर्ष 2013 की एक चोरी में सोने के आभूषण बरामद मामले में कोर्ट से सजा सुनाई जा चुकी थी। उसकी गिरफ्तारी के लिए एक टास्क फोर्स गठित की गई थी। आखिरकार छठ से पहले पुलिस ने उसे पकड़ लिया, जिससे महकमे को बड़ी राहत मिली है।

अवैध शराब को लेकर सिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, शराब माफियाओं में हड़कंप

सिल्ली/मुरी : सिल्ली प्रखंड के ग्राम कोचों तथा चौकेसेरेंग के स्वर्णरेखा नदी के किनारे अवैध रूप से संचालित महुआ शराब भट्ठी और भारी मात्रा में महुआ जावा को सिल्ली पुलिस के द्वारा विनष्ट किया गया। शराब बनाने का उपकरणों को भी नष्ट किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब बनाने वाले लोग डरे सहमे हुए है। थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया कि अवैध रूप से संचालित मादक पदार्थों पर रोक लगाने हेतु लगातार यह अभियान जारी रहेगा,उन्होंने आगे कहा कि शराब माफियाओं पर विशेष नजर रखी गई है ताकि ऐसे कारोबार से जुड़े लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जा सके। मौके पर काफी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे।

मुरी छठ घाट पर हिंडालको ने छठवर्तियों के लिए की सफाई और सुविधाओं की व्यवस्था

सिल्ली : मुरी छठ पूजा को लेकर मुरी स्वर्ण रेखा नदी तट पर हिंडालको कंपनी के द्वारा छठ व्रतियों के लिए साफ सफाई एवं जेसीबी चला कर घाट को मरम्मत किया जा रहा है साथ ही साथ छठवांतियों को बैठने में असुविधा न हो इसके लिए घाट पर स्थान को बड़ा रूप दिया जा रहा है। हिंडालको के सीएसआर हेड अनिल सिंह ने बताया कि हर एक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंडालको कंपनी के द्वारा घाट पर सारी सुविधा छठवर्तियों को दिया जा रहा है घाट स्थल पर लाइट का व्यवस्था एवं सिक्योरिटी गार्ड के द्वारा गाड़ियों को एक जगह खड़ा करवाना छठ घाट पर 24 घंटा सिक्योरिटी तैनात करना आदि सारी सुविधा दिया जाएगा।

किसानों के लिए वरदान बना मड़ुआ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- 70 से अधिक किसानों से 40 एकड़ में किया खेती : डा मयंक मुरारी
- ड्रीप इरिगेशन से 66 एकड़ बंजर भूमि को उपजाऊ बनाया
- नकदी फसल एवं मोटे अनाज से आत्मनिर्भरता बनें किसान

अनगड़ा : टाटीसिलवे के इर्द गिर्द के गांव के किसानों के लिए मड़ुआ का फसल वरदान बन गया है। किसानों में मोटे अनाज का चलन बढ़ा है। अच्छा मुनाफा कमाने की चाह के लिए किसानां के लिए मड़ुआ की खेती एक अच्छा ऑप्शन हो गया है। स्थानीय बाजार में इसकी फसल आसानी से बिक जाती है। इस साल 70 से अधिक किसान 40 एकड़ में मड़ुआ की खेती किये है। पिछले साल 49 किसानों को केवल मड़ुआ की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया, जो दस एकड़ में मड़ुआ लगाए थे। उषा मार्टिन फॉउंडेशन ने ड्रीप इरिगेशन के माध्यम से इन भूमि को सिंचित बनाया है। इससे बंजर एवं गैर उपजाऊ जमीन को मोटा अनाज एवं नकदी फसल की खेती के लिए तैयार किया गया है। इससे कारखाना के इर्द गिर्द के गांवों के 66 एकड़ जमीन को खेतीबारी के लिए तैयार किया गया है।

फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने बताया कि गांवों में किसानों के सहयोग से ऊर्जा एवं जल संरक्षण तथा भूमि की मृदा को बचान के अभियान के तहत चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व के जमाने में लोग मड़ुआ की खेती करते थे और बिना रसायन और उर्वरक का उपयोग कर इसकी खेती कर लोग अपनी सेहत को बेहतर बनाए रखने में सक्षम हो पाते थे। आज भी ग्रामीणों को परंपरागत खेती एवं नकदी फसल के माध्यम से सेहत के प्रति जागरूक किया जा रहा है। किसान गांव के स्तर पर अपने खेतीबारी में आत्मनिर्भर हो, इसके लिए कंपनी के माध्यम मासू, अनगड़ा और सिलवई में पॉलीनेट स्थापित किया गया है, जिससे बीज एवं पौधों के निर्माण में कीटाणु से बचाया जा सके।

उषा मार्टिन फॉउंडेशन की ओर से पिछले एक साल से अनगड़ा एवं नामकोम के चिन्हित प्रगतिशील किसानों के समूह को तैयार कर खेती से आत्मनिर्भरता एवं आय सृजन के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए पहले चरण में 80 किसानों के जमीन की मृदा जांच की गयी। इसके बाद 33 किसानों के जमीन को ड्रीप इरिगेशन के लिए चयनित किया गया। सरकारी सहयोग से इन किसानों के खेतों में ड्रीप इरिगेशन की पूरी सुविधा मुहैया करायी गयी, जिसके अनुदान की राशि कंपनी के द्वारा उपलब्ध करायी गयी। इसके बाद किसानों को शब्जी, नकदी फसल एवं मोटे अनाज की खेती के लिए चरणबद्ध तरीकें से प्रशिक्षण मुहैया कराया गया। यह प्रशिक्षण रामकृष्ण मिशन एवं अन्य संस्थाओं के सहयोग से गांव स्तर पर संपन्न हुआ। आठ किसानों को स्ट्रोबेरी, तरबूज, खरबूज, सूरजमुखी, हल्दी की खेती करायी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

गंगा नदी में छट घाट बनाने के दौरान दो किशोर डूब गए, लापता

साहिबगंज/तालझारी : प्रखंड के बांसकोला गंगा घाट में छठ घाट बनाने गए दो किशोर गंगा नदी में डूब गए। स्थानीय लोगों ने दोनों किशोर को निकालने के लिये तलाश कर रही है। डूबे किशोर छोटी भगियामारी निवासी कृष्णा चौधरी के पन्द्रह वर्षीय पुत्र संजय चौधरी एवं विक्रम महलदार के 14 वर्षीय पुत्र ओम महलदार है। स्थानीय लोगो एवं प्रदीप कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह ने घटना की जानकारी अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी को दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसआई विभाष कुमार एवं थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने घटना स्थल पर पहुंच कर छानबीन कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर चार साथी मिलकर गंगा तट पर छठ घाट बनाने गए हुए थे। अपने-अपने घाट तैयार किया और गंगा में स्नान करते हुए गहरे पानी के अंदर चले जाने पर दोनों लापता हो गए। आस-पास के लोगों ने किशोर को गंगा में डुबकी लगाकर तलाश करने लगे। किशोर को स्थानीय लोगों निकालने के लिये तलाश कर रही है। पांच बजे तक घटना स्थल पर गोताखोर नहीं पहुंचा था। समाचार लिखे जाने तक स्थानीय लोगों के द्वारा दोनों किशोर को निकालने के लिये तलाश कर रही है।

लंबे समय से फरार चल रहे मुफ्फसिल पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत लंबे समय से फरार चल रहे एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 245/15, दिनांक 10 अगस्त 2015, धारा 302/384/34 भा.द.वि. के फरार रमानन्द सिंह उर्फ रावण सिंह, पिता राजेन्द्र सिंह, साकिन शोभनपुर दियारा, थाना मुफ्फसिल, जिला साहेबगंज निवासी को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार किया है। मुफ्फसिल थाना पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत सदर अस्पताल में शारीरिक जांच करवाने के बाद अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बंद पड़े क्रेशर में हुई चोरी, पुलिस जांच में जुटी

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बाकूडी के एक बंद पड़े क्रेशर में चोरों द्वारा लोहा चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार बाकुडी के बन्द पड़े क्रेशर ब्लैक स्टोन वर्क्स में कुछ चोरों द्वारा क्रेशर का गुल्ला, मोटर का चोरी कर लिया गया था। जिसकी शिकायत तीनपहाड़ थाना में की गई थी। इसके बाद तीनपहाड़ थाना पुलिस ने जांच किया, जहां नीरज चौधरी के घर से क्रेशर में लगे गुल्ला बरामद किया। वही इस मामले में पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी किया जा रहा है। इस चोरी मामले में दिनेश कुमार यादव द्वारा तीनपहाड़ थाना में लिखित आवेदन दिया गया है। वही इस मामले में थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने कहा कि चोरी मामले में छापेमारी किया जा रहा है जल्द ही चोर पकड़ा जाएगा।

विद्युत शक्ति उपकेंद्र साहिबगंज में सुरक्षा जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम हुई आयोजित

साहिबगंज : जिलेभर में सुचारू विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए शुक्रवार को विद्युत कर्मियों के साथ 33/11 केवी शक्ति उपकेंद्र साहिबगंज में सुरक्षा जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां इस कार्यक्रम में विद्युत उपकेंद्र एवं फील्ड के विद्युत कर्मियों को सुरक्षा मानक के अनुसार कार्य करने हेतु प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्युत अधीक्षण अभियंता नत्थन रजक, विद्युत कार्यपालक अभियंता शंभू नाथ चौधरी, सहायक विद्युत अभियंता ज्ञानचंद, कनीय विद्युत अभियंता नील गगन के साथ विद्युत कर्मी हिमालय, विशाल, बेंजामिन, लाल बिहारी, पप्पू, रघुवीर, आकाश, अमित, नीरज तपेश, भोला, छोटू, धर्मेद्र एवं अन्य विद्युत कर्मी मुख्य रूप से मौजूद थे। इस मौके पर वरीय विद्युत विभाग के अधिकारियों ने सभी विद्युत कर्मियों को सुरक्षा मानकों का ख्याल रखते हुए अपनी ड्यूटी करने का निर्देश दिया।

एसडीओ की अध्यक्षता में रामरेखा मेला से संबंधित बैठक की गई

सिमडेगा :- अनुमंडल पदाधिकारी, सिमडेगा प्रभात रंजन ज्ञानी की अध्यक्षता में रामरेखा धाम में दिनांक 04.11.2025 से 06.11.2025 तक आयोजित रामरेखा मेला के संबंध में बैठक आहूत की गई। जिसमें भाड़ा निर्धारण करने, वाहन पार्किंग एवं अन्य बिंदुओं पर चर्चा किया गया। बैठक में सिमडेगा से रामरेखा धाम के नीचे तक बस एवं ऑटो/टेंपू का 50.00 रु0 प्रति यात्री (एक तरफ के लिए) भाड़ा निर्धारित किया गया। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी, सिमडेगा एवं श्री ओमप्रकाश साहू,सचिव रामरेखा धाम एवं सदस्य गण, श्री रमेश महतो, सचिव बस ऑनर एसोसिएशन सिमडेगा तथा श्री राजेश कुमार सिंह, अध्यक्ष/सचिव, ऑटो, टेंपू ऑनर एसोसिएशन, सिमडेगा उपस्थित हुए।

अमेरिका के प्रतिबंध से भारत की तेल खरीद पर असर

मुंबई भारत रूस से रोजाना लगभग 17 लाख बैरल तेल खरीदता है, जिसमें आधा हिस्सा रिलायंस का है। रिलायंस सीधे रोसनेफ्ट से तेल खरीदती है और दिसंबर 2024 में 25 साल का करार हुआ था। अब इस सीधी डील पर असर पड़ सकता है और कंपनी को नई रणनीति अपनानी पड़ सकती है। सरकारी रिफाइनरियां टेंडर के जरिए यूरोपीय ट्रेडर्स से तेल खरीदती हैं। उन पर फिलहाल कोई प्रतिबंध नहीं है, इसलिए आपूर्ति जारी रह सकती है। रोसनेफ्ट और लुकोइल का कुल उत्पादन रोजाना 31 लाख बैरल है। प्रतिबंधों के बावजूद तेल की कीमतों में केवल 2 डॉलर प्रति बैरल की मामूली बढ़ोतरी हुई है।

वेणु श्रीनिवासन फिर से आजीवन ट्रस्टी नियुक्त

नई दिल्ली वेणु श्रीनिवासन को फिर से टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से आजीवन ट्रस्टी (न्यासी) के रूप में नियुक्त किया है। श्रीनिवासन का कार्यकाल 23 अक्टूबर को खत्म होने वाला था, जिससे पहले इस सप्ताह उनकी पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दी गई। संगठन के भीतर कथित आंतरिक मतभेदों के बीच अब सभी की निगाहें मेहली मिस्त्री की वापसी के संबंध में होने वाले फैसले पर टिकी हैं। यह फैसला टाटा ट्रस्ट के भीतर विभाजन की खबरों के बीच हुआ, जहां एक गुट नोएल टाटा के साथ जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। नोएल ने रतन टाटा के निधन के बाद चेयरमैन का पद संभाला था। दूसरा गुट पूर्व दिग्गज के वफादारों का है। मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि टीवीएस समूह के मानद चेयरमैन श्रीनिवासन की फिर से नियुक्ति सर्वसम्मति से हुई है। टाटा ट्रस्ट ने इस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अब ध्यान मिस्त्री की पुनर्नियुक्ति पर है, जिनका कार्यकाल 28 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। इस बात पर राय बंटी हुई है कि क्या उनका कार्यकाल अपने आप आगे बढ़ जाएगा या आजीवन कार्यकाल के लिए न्यासियों की सर्वसम्मति से मंजूरी लेनी होगी। टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है - जो 156 साल पुराने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। इसमें 30 सूचीबद्ध इकाइयों सहित लगभग 400 कंपनियां शामिल हैं। एक सूत्र ने कहा, ''पिछली प्रथा के अनुसार नवीनीकरण और नई नियुक्ति सर्वसम्मति से होनी आवश्यक है।'' हालांकि, एक अन्य व्यक्ति ने कहा, ''पुनर्नियुक्ति अपने आप होती है और यह सभी ट्रस्टियों पर लागू होती है।'' सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के न्यासियों की 17 अक्टूबर, 2024 को हुई संयुक्त बैठक का हवाला देते हुए, उस व्यक्ति ने कहा कि यह संकल्प लिया गया था कि किसी भी ट्रस्टी का कार्यकाल खत्म होने पर, संबंधित ट्रस्ट द्वारा उसे बिना किसी कार्यकाल अवधि की सीमा के पुनर्नियुक्त किया जाएगा।

पुराने शेयर और डिविडेंड अब आसानी से वापस पाए जा सकते हैं

नई दिल्ली भारत में कई निवेशक यह नहीं जानते कि उनके पुराने शेयर और बिना लिए गए डिविडेंड अभी भी वापस पाए जा सकते हैं। इसके लिए इंवेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड (आईईपीएफ) पोर्टल संचालित किया गया है। यदि कोई निवेशक सात साल तक अपना क्लेम नहीं करता, तो रकम या शेयर कंपनी द्वारा आईईपीएफ में ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। निवेशक आईईपीएफ की वेबसाइट पर जाकर अनक्लेम्ड एमाउंट सेक्शन में अपने नाम या कंपनी के नाम से खोज कर सकते हैं। यहां पता चलता है कि कोई क्लेम पेंडिंग है या नहीं। फार्म आईईपीएफ-5 डाउनलोड करके सही दस्तावेजों के साथ जमा करना होता है। इसमें पेन कार्ड, पहचान पत्र, बैंक खाता प्रमाण और यदि उपलब्ध हो तो शेयर सर्टिफिकेट शामिल हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद राशि या शेयर निवेशक के खाते में ट्रांसफर होते हैं। आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक की जा सकती है। सुनिश्चित करें कि दस्तावेज सही और स्पष्ट हों, क्योंकि गलत जानकारी से दावा रुक सकता है।

भारत में उतरने को तैयार इलॉन मस्क की स्टार लिंक

नौ शहरों में लगेगा इंटरनेट का नया नेटवर्क

नई दिल्ली

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारे लिंक भारत में अपनी शुरुआत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी देश के नौ बड़े शहरों, जिनमें मुंबई, नोएडा, चंडीगढ़, हैदराबाद, कोलकाता और लखनऊ शामिल हैं, में ग्राउंड स्टेशन लगाने की योजना बना रही है। इन स्टेशनों के जरिए भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की तैयारी होगी। एक अधिकारी के मुताबिक, कंपनी ने भारत में 600 गीगाबिट प्रति सेकंड की क्षमता के लिए आवेदन किया है। यह सुविधा स्टारलिंक के पहले सैटेलाइट समूह के जरिए दी जाएगी। फिलहाल सरकार ने कंपनी को सुरक्षा जांच के लिए थोड़े समय के लिए कुछ रेडियो तरंगों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है, ताकि सिस्टम की जांच की जा सके और यह देखा जा सके कि सब कुछ नियमों के अनुसार काम कर रहा है या नहीं। भारत में सैटेलाइट संचार को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा क्षेत्र माना जाता है। इसी

वजह से सरकार ने स्टारलिंक के लिए कुछ सख्त नियम बनाए हैं। ग्राउंड स्टेशन पर केवल भारतीय नागरिक ही काम करेंगे जब तक विदेशी कर्मचारियों को सुरक्षा मंजूरी नहीं मिल जाती। परीक्षण से जुड़ा सारा डेटा भारत के भीतर ही रहेगा और इस्तेमाल किए जा रहे सभी उपकरणों की जानकारी नियमित रूप से सरकार को दी जाएगी।

स्टारलिंक को फिलहाल केवल परीक्षण की अनुमति मिली है। कंपनी को व्यावसायिक उपयोग की मंजूरी नहीं दी गई है। उसे 100 सैटेलाइट टर्मिनल केवल परीक्षण के उद्देश्य से आयात करने की अनुमति दी गई है।

ट्रंप की धमकियों के बाद चीन ने रूस की तेल कंपनियों से रोका तेल आयात

नई दिल्ली अमेरिकी प्रतिबंधों को देखते हुए चीन की प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों ने हाल ही में रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर समुद्री रास्ते से रूसी कच्चे तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से रोक दी है। इस निर्णय से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में हलचल मच गई है, क्योंकि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल आयातक है। अमेरिका ने रूस की प्रमुख तेल कंपनियों रोजनेफ़्ट और ल्युकोइल पर नए प्रतिबंध लगाए हैं, जिसके तहत इन कंपनियों के अमेरिकी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है और अमेरिकी कंपनियों को इनके साथ व्यापार करने से रोका गया है। चीन की सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोचाइना, सिनापेक, सीएनओओसी ने इन प्रतिबंधों के मद्देनजर, समुद्री रास्ते से रूसी तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से रोक दी है। भारत का रुखः भारत की प्रमुख रिफाइनरी कंपनी ने भी रोजनेफट से अपने दीर्घकालिक अनुबंध के तहत तेल आयात को रोकने का निर्णय लिया है। चीन और भारत द्वारा रूसी तेल की खरीदारी में कमी आने से, रूस की तेल आयात में गिरावट आ सकती है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है।

एआई-सृजित सामग्री पर अनिवार्य लेबलिंग का प्रस्ताव

बढ़ सकती है सोशल मीडिया कंपनियों की लागत

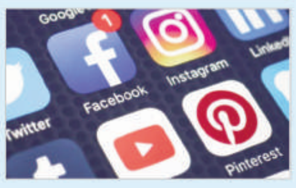

नई दिल्ली सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से निर्मित हर सामग्री पर लेबलिंग और डिस्क्लेमर अनिवार्य किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से फैल रही डीपफेक छवियों, ऑडियो और वीडियो जैसी भ्रामक सामग्री को नियंत्रित करना है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार बड़ी टेक कंपनियों के साथ कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। इन कंपनियों ने सरकार को आश्वासन दिया है कि वे एआई-निर्मित सामग्री की पहचान और प्रबंधन के लिए आवश्यक तकनीकी क्षमता रखती हैं। अधिकारी ने बताया कि परामर्श अवधि के दौरान उद्योग जगत से इस प्रस्ताव पर विस्तृत प्रतिक्रिया प्राप्त की जाएगी। हालांकि, सोशल मीडिया कंपनियों और नीति विशेषज्ञों ने इस प्रस्ताव पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि केवल लेबल या डिस्क्लेमर लगाना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति कुछ ही मिनटों में इन लेबलों को मिटा या बदल सकता है। साथ ही, लेबलिंग की तकनीकी प्रक्रिया महंगी होने के कारण इससे प्लेटफॉर्म्स की अनुपालन लागत में भारी वृद्धि हो सकती है। कंपनियों का यह भी कहना है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित नियम, जिसमें लेबल या डिस्क्लेमर सामग्री के कम से कम 10 प्रतिशत हिस्से को कवर करने की बात कही गई है, उपयोगकर्ता अनुभव को प्रभावित कर सकता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 345, निफ्टी 96 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ । सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार गिरा है। आज बैंकिंग शेयरों में खासी गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 344.52 अंक नीचे फिसलकर 84,211.88 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 96.25 अंक टूटकर 25,795.15 पर बंद हुआ।

बाजार में बैंकिंग शेयरों के अलावा निफ्टी बैंक भी 0.65 फीसदी नीचे आया।

वहीं वाहन, आईटी, पीएसयू बैंक, वित्तीय सेवाएं, दवा, एफएमसीजी, मीडिया, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। धातु, संपत्ति, उर्जा और कमोडिटीज शेयर लाभ पर बंद हुए। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 140 अंक बढ़कर 59,231.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 38.10 अंक टूटकर 18,253.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल, सन फार्मा, आईटीसी, टाटा स्टील, एमएंडएम और ट्रेंट सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी और एसबीआई के शेयरों को नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार में मामूली कमजोरी देखी गई। सेंसेक्स 84,459 पर कारोबार कर रहा था, जो 97 अंक की गिरावट को दर्शाता है। वहीं, निफ्टी

50 25,879 पर कारोबार कर रहा था, जो 13 अंक नीचे था। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्कई 225 1.1 फीसदी अे धिक और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.29 फीसदी मजबूत हुआ। ये बढ़त अमेरिकी और वैश्विक सकारात्मक खबरों से प्रेरित है। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को तकनीकी कंपनियों के मजबूत नतीजों के बाद तेजी देखी गई। एसएंडपी 500 में 0.6 फीसदी, नेस्डेक कम्पो जिट में 0.9 फीसदी और डाउ जोंस में 0.3 फीसदी की बढ़त हुई।

1 नवंबर 2025 से बैंक खातों में चार नॉमिनी रखने की होगी सुविधा!

बैंकिंग लॉ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत लागू होंगे नए नियम

मुंबई

वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि 1 नवंबर से बैंक खाताधारक अपने खाते में अधिकतम चार नॉमिनी नियुक्त कर सकेंगे।

यह बदलाव बैंकिंग लॉ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत किया गया है, जिसे 15 अप्रैल 2025 को अधिसूचित किया गया था।

मंत्रालय के अनुसार इस कदम का उद्देश्य क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और तेज बनाना है। नए नियमों के अनुसार, ग्राहक अपने बैंक खाते के लिए चार नॉमिनी चुन सकेंगे। ये नॉमिनी या तो एक साथ या क्रमवार रूप में चुने जा सकते हैं। यदि क्रमवार नॉमिनेशन चुना जाता है, तो पहले नॉमिनी के निधन के बाद दूसरा, फिर तीसरा और उसके बाद चौथा नॉमिनी क्लेम का अधिकार प्राप्त करेगा।

खाताधारक नॉमिनियों का हिस्सा या प्रतिशत भी स्वयं तय कर सकेंगे, जिसका कुल योग 100 प्रतिशत होना आवश्यक होगा। वहीं, सेफ डिपॉजिट और लॉकर सुविधाओं के लिए केवल क्रमवार नॉमिनेशन की अनुमति होगी।

इन नियमों के लिए सरकार जल्द ही 'बैंकिंग कंपनियों (नॉमिनेशन) नियम 2025' जारी करेगी, जिसमें नॉमिनेशन करने, बदलने या रद्द करने की प्रक्रिया और आवश्यक फॉर्म की जानकारी होगी।

इस अधिनियम के तहत बैंकिंग सेक्टर में कई अन्य सुधार भी किए गए हैं। अब पब्लिक सेक्टर बैंक अपने बिना दावेदार वाले शेयर, ब्याज या बॉन्ड की रकम इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड में ट्रांसफर कर सकेंगे।

साथ ही, उन्हें स्टैट्यूटरी ऑडिटर्स को बेहतर मेहनताना देने का अधिकार भी मिलेगा। महत्वपूर्ण हित की सीमा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दी गई है।

रेलटेल जल्द देगा निवेशकों को तोहफा, 29 को डिविडेंड पर होगा बड़ा फैसला

बोर्ड मीटिंग 29 अक्टूबर को होगी, तिमाही नतीजों और डिविडेंड पर फैसला लिया जाएगा

नई दिल्ली सरकारी क्षेत्र की प्रमुख दूरसंचार कंपनी रेलटेल कारपोरेशन आफ इंडिया अपने निवेशकों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। कंपनी ने इस साल का अंतरिम डिविडेंड देने का प्रस्ताव रखा है। इस पर अंतिम निर्णय कंपनी की बोर्ड मीटिंग में बुधवार, 29 अक्टूबर को लिया जाएगा।इस बैठक में दो अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। पहला, कंपनी 30 सितंबर तक की तिमाही और आधे साल के वित्तीय नतीजों को मंजूरी देगी। दूसरा, बोर्ड अंतरिम डिविडेंड के वितरण पर फैसला करेगा। अगर डिविडेंड प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो निवेशकों को भुगतान घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। रेलटेल ने इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट मंगलवार 4 नवंबर तय की है। इसका अर्थ है कि जिन निवेशकों के नाम इस तारीख तक कंपनी के रजिस्टर में दर्ज होंगे, केवल वे ही इस डिविडेंड के पात्र होंगे। आमतौर पर रिकॉर्ड डेट से एक दिन पहले एक्स-डिविडेंड डेट होती है, इसलिए रेलटेल का शेयर 3 नवंबर 2025 से डिविडेंड के बिना ट्रेड होना शुरू हो सकता है। कंपनी ने यह भी बताया कि उसके अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके निकट संबंधियों के लिए ट्रेडिंग विंडो 1 अक्टूबर 2025 से बंद कर दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंड से भारतीय निवेशकों को मिला 72 फीसदी का शानदार रिटर्न

नई दिल्ली

घरेलू इक्विटी से परे अवसरों की तलाश करने वाले भारतीय निवेशकों को पिछले एक साल लाभ प्राप्त हुए हैं, जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंड और फंड-ऑफ-फंड (एफओएफ) ने 72 फीसदी तक का शानदार रिटर्न दिया है।

टेक्नोलॉजी, एआई, उपभोक्ता खर्च और कमोडिटीज द्वारा संचालित वैश्विक तेजी के कारण इन फंड ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली भारतीय इक्विटी कैटेगरी को भी पीछे छोड़ दिया है। एसीई म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक टॉप 10 अंतरराष्ट्रीय फंडों ने एक साल का रिटर्न 33 फीसदी से 72 फीसदी के बीच दिया।

इसकी तुलना में इस अवधि में बेंचमार्क निफ्टी केवल 5.7 फीसदी बढ़ा। मिराए एसेट एनवाईएसई फैंग प्लस ईटीएफ एफओएफ 71.78 फीसदी के एक साल के रिटर्न और 62.72 फीसदी के तीन साल के रिटर्न के साथ लिस्ट में टॉप पर रहा है। इसके बाद इन्वेस्को ग्लोबल कंज्यूमर ट्रेंड्स एफओएफ रहा, जो ग्लोबल कंज्यूमर ब्रांड और डिजिटल कॉमर्स कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन का लाभ उठाते हुए 52.65 फीसदी बढ़ा।

अमेरिका-केंद्रित व्यापक रणनीतियों ने भी अहम लाभ हासिल किया। मिराए एसेट एसएंडपी 500 टॉप 50 ईटीएफ एफओएफ ने 49.91 फीसदी रिटर्न दिया, जबकि मोतीलाल ओसवाल नैस्डैक 100 एफओएफ ने एक साल में 42.48 फीसदी रिटर्न दिया।

डीएसपी वर्ल्ड माइनिंग ओवरसीज इक्विटी एफओएफ में 32.83 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिसे ग्लोबल कमोडिटी की उच्च कीमतों और प्रमुख खनन कंपनियों के बीच बेहतर पूंजी अनुशासन का समर्थन मिला है।

कुल मिलाकरग्लोबल डायवर्सिफिकेशन ने इस साल भारतीय निवेशकों को स्पष्ट रूप से लाभ पहुंचाया है।

क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों विशेष रूप से एआई, टेक्नोलॉजी और संसाधनों द्वारा संचालित बाजारों ने घरेलू इक्विटी की तुलना में कहीं ज्यादा मजबूत रिटर्न दिया है।

इस बीच पिछले दो सत्रों में भारी गिरावट के बाद सोमवार के रिकॉर्ड उच्च स्तर से निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के कारण सोने और चांदी की कीमतें क्रमशः 4,050 और 48 डॉलर प्रति औंस के आसपास स्थिर हो गईं।

बंदरगाह के बुनियादी ढांचे में 22.9 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली

श्रीलंका में अत्याधुनिक बंदरगाह बुनियादी ढांचे में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) ने इस वर्ष पहले नौ महीनों में श्रीलंका के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सबसे अधिक योगदान किया। निवेश बोर्ड ने जानकारी दी कि सीडब्ल्यूआईटी, अडानी इंटरनेशनल पोर्ट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (भारत) और जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी द्वारा श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी के साथ साझेदारी में किया गया निवेश है। निवेश बोर्ड (बीओआई) ने घोषणा की, '' बीओआई-अनुमोदित उद्यमों में निवेश के लिए विदेशी वाणिज्यिक ऋण सहित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह जनवरी से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान 82.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया जो 2024 की इसी अवधि में 138 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।'' इसमें कहा गया कि सीडब्ल्यूआईटी ने '' रणनीतिक विकास समझौते के तहत अत्याधुनिक बंदरगाह अवसंरचना'' में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। बीओआई ने कहा कि इससे बंदरगाह की क्षमता 32 लाख बीस-फुट समतुल्य इकाइयों (टीईयू) तक बढ़ जाएगी, जिससे दक्षिण एशिया में एक प्रमुख 'ट्रांसशिपमेंट' केंद्र के रूप में कोलंबो की भूमिका और मजबूत होगी। बीओआई ने ब्यौरा देते हुए कहा कि निवेश प्रवाह चार स्रोतों

से आया। इसमें इक्विटी पूंजी से 13.3 करोड़ डॉलर, पुनर्निवेशित प्रतिधारित आय से 13.2 करोड़ डॉलर, निवेश के लिए अंतर-कंपनी विदेशी उधार से 23.1 करोड़ डॉलर, निवेश के लिए कर रहा है।

बाइक राइडर्स के बीच ब्लूटूथ हेलमेट्स हो रहे लोकप्रिय

नई दिल्ली

बाइक राइडर्स के बीच आजकल ब्लूटूथ हेलमेट्स बेहद लोकप्रिय हो रहे हैं। इन हेलमेट्स की मदद से राइडर्स बिना फोन निकाले ही हैंड्स-फ्री कॉलिंग, नेविगेशन और म्यूजिक का आनंद ले सकते हैं। ये न केवल राइडिंग को सुरक्षित बनाते हैं, बल्कि सफर को मनोरंजक और आसान भी करते हैं। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से म्यूजिक वॉल्यूम को कम रखना जरूरी है ताकि सड़क पर ध्यान भंग न हो। ब्लूटूथ हेलमेट्स का फुल-फेस डिज़ाइन सर्दी और गर्मी दोनों मौसम में सुरक्षा प्रदान करता है और ऐसा अनुभव देता है जैसे आप किसी कार में बैठे हों।

स्टीलबर्ड एसबीएच-32 एरोनॉटिक्स ब्लूटूथ हेलमेट एडवांस्ड ब्लूटूथ 5.2 टेक्नोलॉजी से लैस है, जो 48 घंटे तक का टॉकटाइम और 110 घंटे की स्टैंडबाय बैटरी बैकअप देता है। इसमें मल्टीपल एयर वेंट्स, विंड डिफ्लेक्टर और रियर स्पॉइलर हैं जो हवा के दबाव को कम कर स्थिर राइडिंग सुनिश्चित करते हैं। कीमत रुपए 4,399 है। स्टीलबर्ड एसबीए-20 7विंग्स ब्लूटूथ हेलमेट आईएसआई सर्टिफाइड फ्लिप-अप हेलमेट है, जो हाई इम्पैक्ट थर्मोप्लास्टिक शेल से बना है। इसमें 48 घंटे का टॉकटाइम, एलईडी लाइट इंडिकेटर और वॉइस कमांड फीचर दिया गया है।

बेहतर वेंटिलेशन और आरामदायक पैडिंग इसे लंबी राइड के लिए उपयुक्त बनाती है। कीमत रुपए 4,799 है। हेडफॉक्स एन 2 एयर 7 मेट्रो ब्लूटूथ हेलमेट इंटीग्रेटेड ब्लूटूथ 5.2 तकनीक के साथ आता है, जो कॉल, म्यूजिक और नेविगेशन को सपोर्ट करता है। 3 घंटे में फुल चार्ज होकर 48 घंटे का टॉकटाइम देता है। यह आईएसआई सर्टिफाइड है और तीन कलर ऑप्शन में उपलब्ध है। कीमत रुपए 4,799 है।

सोने का भाव 1,23,600 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी 1,47,200 रुपए किलो

नई दिल्ली

सोने-चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,23,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,47,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 517 रुपये की गिरावट के साथ 1,23,587 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,24,104 रुपये था। इस समय यह 534 रुपये की गिरावट के साथ 1,23,570 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 2,011 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,501 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,48,512 रुपये था। इस समय यह 1,322 रुपये की गिरावट के साथ 1,47,190 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,47,256 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,46,500 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 4,144 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,245.60 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 19.70 डॉलर की गिरावट के साथ 4,125.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 4,398 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 48.66 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 48.70 डॉलर था। इस समय यह 0.53 डॉलर की गिरावट के साथ 48.17 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव 53.76 डॉलर का उच्च स्तर छू चुके हैं।

तेजस्वी बोले- मैं टूटी-फूटी-झूठी बात नहीं करता

पटना। महागठबंधन के CM फेस बनने के बाद तेजस्वी यादव ने आज यानी शुक्रवार से चुनाव प्रचार की शुरूआत कर दी। पटना से रवाना होने से पहले मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, अगर जनता उन्हें मुख्यमंत्री बनाती है, तो बिहार के लोग चिंता मुक्त हो जाएंगे। अगर तेजस्वी सीएम बनेगा, तो बिहार के लोग चिंता मुक्त हो जाएंगे। हमने जो वादा किया है, उसे पूरा करेंगे। हमारी राजनीति झूठ नहीं, भरोसे की राजनीति है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर हर परिवार में एक सरकारी नौकरी देने का वादा पूरा किया जाएगा और जीविका दीदियों के सशक्तिकरण के लिए विशेष योजना लागू की जाएगी। हमारी घोषणाएं चुनावी जुमला नहीं हैं। सरकार चाहे कुछ भी घोषणा कर ले, लेकिन हमारा विजन और ईमानदारी अलग है। अगर हमें मौका मिला, तो हर वादा लागू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान अब बिहार में जंगलराज नहीं रहेगाह्व पर तेजस्वी यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री कहते हैं कि जंगलराज नहीं रहेगा,लेकिन बिहार में दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं, गोलीबारी हो रही है, 55 से अधिक घोटाले हुए हैं। जिनका जिक्र खुद प्रधानमंत्री ने मंच से किया था। उन घोटालों का क्या हुआ? जांच कहां गई? असल जंगलराज तो यही है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर प्रधानमंत्री को भी जवाब देना चाहिए। प्रधानमंत्री इन सब पर क्यों नहीं बोलते? क्या बिहार के हालात उन्हें नहीं दिखते? तेजस्वी की आज 5 चुनावी सभा गुरुवार को महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम फेस के लिए तेजस्वी के नाम की घोषणा की गई। इसके साथ ही दूसरे फेज के 3 कैंडिड्टस ने नॉमिनेशन वापस लिए। तेजस्वी यादव की चुनावी सभा भी तय की गई। तेजस्वी यादव आज यानी शुक्रवार से चुनावी सभा करेंगे। पहले दिन वे सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली में जनसभा करेंगे और महागठबंधन प्रत्याशियों के समर्थन में वोट मांगेंगे। इसके अलावा माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य आरा में पार्टी और महागठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा करेंगे। राजद ने बिहार विधानसभा को लेकर चुनावी सॉन्ग लॉन्च किया है। जिसमें तेजस्वी को कर्मठ योद्धा, सेवाभावी बताया गया है। साथ ही कहा गया तेजस्वी को एक बार मौका देना है... इस बार मौका देना है 5 मिनट के इस गाने को राजद ने

अपने ग्रुप में शेयर किया है। वहीं महागठबंधन की चुनावी घोषणा पत्र का ऐलान 28 अक्टूबर को होगा। VIP के संस्थापक मुकेश सहनी ने डिप्टी सीएम फेस बनाए जाने पर भाजपा की ओर से आ रहे बयान पर कहा, देश के सभी अल्पसंख्यकों की फिक्र कीजिए (भाजपा)। क्या भाजपा को एक मल्लाह के बेटे द्वारा सरकार बनाने से दर्द हो रहा है?आपको अल्पसंख्यकों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है, हम देख लेंगे प्रधानमंत्री मोदी का मकसद है बिहारियों को गुमराह करना। उन्होंने अपने इंटरव्यू में कहा कि बिहार में फैक्ट्री नहीं लग सकती है क्योंकि यहां जमीन नहीं है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आज अपने चुनावी दौरे की औपचारिक शुरूआत कर दी है। पटना से रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत में कई बड़े बयान दिए और मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम को लेकर तेजस्वी मॉडल की बात कही। चुनावी यात्रा पर निकलने से पहले तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर जनता उन्हें मुख्यमंत्री बनाती है, तो बिहार के लोग चिंता मुक्त हो जाएंगे। अगर तेजस्वी सीएम बनेगा, तो बिहार के लोग चिंता मुक्त हो जाएंगे। हमने जो वादा किया है, उसे पूरा करेंगे। हमारी राजनीति झूठ नहीं, भरोसे की राजनीति है। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा, 'प्रधानमंत्री को घोषणा करनी चाहिए कि एनडीए का नेता कौन होगा। महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को अपना सीएम चेहरा घोषित किया है, इसलिए उन्हें घोषणा करनी चाहिए कि अगर नीतीश कुमार चुनाव जीतते हैं तो वे अगले मुख्यमंत्री होंगे या नहीं। मेरा अब भी मानना है कि पूरी भाजपा टीम नीतीश कुमार को धोखा दे रही है और यही वजह है कि वे घोषणा करने से बच रहे हैं।' आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को महागठबंधन के सीएम चेहरे के रूप में घोषित किए जाने पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, वे केवल अपना वोट बैंक बनाए रखना चाहते हैं। वे मुसलमानों के बारे में बात करते हैं, लेकिन जब उन्हें प्रतिनिधित्व देने की बात आती है, तो वे उन्हें कुछ नहीं देते। मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम चेहरे के रूप में घोषित किया गया है, लेकिन उन्हें अपने समुदाय के लोगों को प्रतिनिधित्व देने की परवाह नहीं है। जो लोग चुनाव प्रचार के लिए नहीं निकले हैं, वे बिहारियों के लिए कैसे काम करेंगे? महागठबंधन में, लड़ाई केवल उनकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए है। जेएमएम नेता मनोज पांडे ने कहा, हम बिहार चुनाव में (महा गठबंधन के पक्ष में) प्रचार नहीं करेंगे। हम चुनाव नहीं लड़ रहे हैं; हमें चुनाव लड़ने के योग्य नहीं समझा गया। हम बिहार में महागठबंधन का हिस्सा नहीं हैं और इस वजह से गठबंधन को नुकसान उठाना पड़ेगा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि, मुझे लगता है यह एक अच्छा कदम है। हमारे देश में मतदाता किसी चेहरे को वोट देना पसंद करते हैं। बिहार में भी लोगों को यह पता होना चाहिए कि वो किसको वोट दे रहे हैं। यह बहुत अच्छा संदेश है। कांग्रेस आमतौर पर मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं करती, लेकिन बिहार में चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा की है। यह समर्थन का एक स्पष्ट संकेत भी है।

तेजस्वी बोले- बीजेपी नीतीश कुमार को उट नहीं बनाएगी

जॉइंट पीसी में तेजस्वी यादव ने कहा, 'हमने तो क्लियर कर दिया कि मुख्यमंत्री कौन होगा। लेकिन बीजेपी के लोग नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे। अमित शाह जी ने कई बार ये कहा है कि विधायक दल की बैठक में फैसला लेंगे। इसके पहले तो कभी ऐसा नहीं हुआ। आखिर क्या बात है जो आप नीतीश कुमार जी को उट फेस नहीं बता रहे हैं। नीतीश कुमार जी का ये आखिरी चुनाव है। अमित शाह जी ने ये साफ किया है। 17 महीने में हमने कई काम किए। लोगों को हमारे ऊपर भरोसा है। हमने पहले भी कहा है कि हमें 5 साल नहीं, बिहार के लोग 20 महीने का मौका दें तो हम वो सारे काम कर देंगे जिनका हमने वादा किया है।'

दाह संस्कार से लौट रहे व्यक्ति की एक्सीडेंट में मौत

पटना। के फतुहा में गुरुवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार 47 वर्षीय रंजय सिंह की मौत हो गई। यह घटना नेशनल हाईवे 30अ पर यदुवंश नगर, सोनारू मोड़ के पास हुई। रंजय सिंह अपने छोटे भाई के ससुर के दाह संस्कार से लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक को ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी और बाद में एक ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया।मृतक की पहचान सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र के भरपुरा गांव निवासी हरेंद्र सिंह के पुत्र रंजय सिंह के रूप में हुई है। वह अपने भतीजे राकेश कुमार सिंह के साथ बाइक से नरौली बहादुरपुर करौटा स्थित अपने भाई के ससुराल से घर सोनपुर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, फतुहा-दनियावां नेशनल हाईवे 30अ पर यदुवंश नगर सोनारू मोड़ के पास जैसे ही उनकी बाइक पहुंची, सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक ई-रिक्शा ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से बाइक सड़क पर गिर गई।ल्ल बाइक से गिरने के बाद पीछे बैठे रंजय सिंह भी सड़क पर जा गिरे। दुर्भाग्यवश, उसी समय पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। अचानक ई-रिक्शा ने टक्कर मार की टक्कर से सड़क पर गिरे घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल रंजय सिंह को फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया है। मृतक के भतीजे और बाइक चालक राकेश कुमार सिंह ने बताया, हम दाह संस्कार करके घर लौट रहे थे। अचानक ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी और चाचा सड़क पर गिर गए। पीछे से ट्रैक्टर आया और उन्हें रौंद दिया। मैं किसी तरह बच गया, लेकिन चाचा को नहीं बचा सका। फतुहा थाना अध्यक्ष सदानंद साह ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

छठ महापर्व में टूट जाते हैं सारे जातीय बंधन

पटना। लोक आस्था का महापर्व छठ 25 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। 4 दिनों तक चलने वाली छठ पूजा की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को होती है क छठ पर्व में मुख्य रूप से भगवान भास्कर की उपासना की जाती है। यह एक ऐसा पर्व है, जिसमें सारे जातीय बंधन टूट जाते हैं। चाहे हिंदू हो या मुस्लिम, किसी धर्म, किसी जाति का इस पर्व पर बंधन नहीं है। इस पर्व को मनाने में हर वर्ग और धर्म के लोग शामिल होते हैं और एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। छठ महापर्व सभी को एक सूत्र में पिरोता है। चार दिनों के महापर्व में क्या-क्या होता है पहले दिन नहाय-खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन डूबते हुए सूर्य और चौथे दिन उगते हुए सूर्य की पूजा की जाती है। नहाय-खाय के दिन नदियों में स्नान करके कद्दू-भात बनाने की परंपरा है। छठ पूजा के दूसरे दिन कार्तिक शुक्ल पंचमी को खरना बोलते हैं। पूरे दिन व्रत करने के बाद शाम को व्रती खीर-रोटी का प्रसाद ग्रहण करती हैं। षष्ठी के दिन डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। सप्तमी के दिन सूर्योदय के समय भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा की समाप्ति होती है और फिर प्रसाद बांटा जाता है।व्रती प्रतिमा शर्मा ने बताया कि घाट पर भी सब लोग

पूजा करते हैं। छठ पूजा में, भक्त अहंकार और भेदभाव को त्यागकर सूर्य देव की आराधना में लीन हो जाते हैं। यहां तक कि घाटों की सफाई, चूल्हा बनाने जैसे कामों में हर समुदाय अपना योगदान देता है। खाने में लहसुन-प्याज का नहीं होता इस्तेमालप्रतिमा शर्मा ने आगे बताया कि छठ महापर्व के पहले दिन नहाय-खाय में बनने वाले भोजन में लहसुन-प्याज का इस्तेमाल नहीं होता है। इस दिन लौकी की सब्जी, अरवा चावल, चना की दाल, आंवला की चटनी, पापड़, तिलौरी बनते हैं। जिसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि प्रसाद के रूप में इन चीजों का सेवन करने से शरीर स्वस्थ होता है, जिससे इस महापर्व को करने की शक्ति और प्रेरणा मिलती है। नहाय-खाय के दिन बनाया गया खाना सबसे पहले व्रत रखने वाली महिलाओं या पुरुषों को परोसा जाता है। इसके बाद ही परिवार के अन्य लोग भोजन ग्रहण करते हैं।उन्होंने आगे बताया कि नहाय खाय के दिन छठ व्रत करने वाली महिलाएं सबसे पहले सुबह गंगा स्नान कर नए वस्त्र पहनती हैं। गंगा मैया की पूजा करने के बाद घर आकर कद्दू यानी लौकी और भात का प्रसाद बनाती हैं। इस प्रसाद को खाने के बाद ही छठ व्रत की शुरूआत हो जाती है। ऐसा माना जाता है कि मन, वचन, पेट और आत्मा की शुद्धि के लिए छठ व्रतियों का पूरे परिवार के साथ कद्दू-भात खाने की परंपरा सालों से चली आ रही है। धार्मिक मान्यताओं के अलावा कद्दू खाने के और भी बहुत सारे फायदे हैं। जैसे कि इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है, जिससे इम्यून सिस्टम स्ट्रॉन्ग होता है। खरना से शुरू होता है 36 घंटे का निर्जला व्रत वहीं, व्रती प्रियदर्शनी ने बताया कि छठ पूजा के दूसरे दिन खरना होता है। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखकर शाम को खरना का प्रसाद बनाती हैं। प्रसाद बनाने के बाद सबसे पहले भगवान भास्कर की पूजा की जाती है। पूजा खत्म करने के बाद प्रसाद ग्रहण किया जाता है। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रती 36 घंटे का निर्जला व्रत का संकल्प लेती हैं। मिट्टी के चूल्हे पर बनता खरना का प्रसाद कहा कि खरना में गुड़ के खीर का प्रसाद भोग के रूप में चढ़ाया जाता है। सूर्य देवता और छठी मैया का ध्यान करते हुए व्रती गुड़ और चावल की खीर मिट्टी के चूल्हा पर बनाती हैं। इसके साथ ही गेंहू के आटे की रोटी भी बनाई जाती है। चूल्हा जलाने के लिए आम की लकड़ी का इस्तेमाल किया गया। आम की लकड़ी को छठ पूजा के लिए शुभ माना गया है।मान्यता है कि खरना के प्रसाद में ईख के कच्चे रस, गुड़ के सेवन से त्वचा रोग, आंख की पीड़ा समाप्त हो जाती है। पंडित राकेश झा ने कहा कि इस मौसम में शरीर में फॉस्फोरस की कमी होने के कारण शरीर में रोग (कफ, सर्दी, जुकाम) के लक्षण परिलक्षित होने लगते है। प्रकृति में फॉस्फोरस सबसे ज्यादा गुड़ में पाया जाता है। जिस दिन से छठ शुरू होता है,

छठ महापर्व-मुस्लिम महिलाओं के चूल्हे पर बनेगा प्रसाद

पटना। जब मैं छोटी थी तो दादा-दादी को मिट्टी के चूल्हे बनाते देखती थी। उनसे यह कला सीखी। मुझे इस काम में बड़ा सुकून मिलता है। नहाए खाए के दिन से बड़ी संख्या में लोग चूल्हा ले जाते हैं। यह काम करते हुए 30 साल हो गए। हर साल छठ के समय पूरी आस्था से चूल्हे बनाती हूं। नहाय खाय से चार-पांच दिन पहले से हम लोग मांस-मछली खाना छोड़ देते हैं, चूल्हा बनाते समय चप्पल तक नहीं पहनते" यह कहना है छठ पूजा के लिए मिट्टी के चूल्हे बनाने वाली कुरेशा खातून और शहनाज बेगम का।बिहार में गांव हों या शहर, हर जगह छठ पूजा की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। युवक घाट बनाने में लगे हैं तो सैकड़ों मुस्लिम महिलाएं मिट्टी का चूल्हा बनाने में जुटी हैं। छठ पर्व के लिए मिट्टी के चूल्हे का बड़ा महत्व है। इसे पूरी पवित्रता के साथ तैयार किया जाता है।गांव की महिलाएं स्नान के बाद चूल्हा के लिए मिट्टी लाने जाती हैं। मिट्टी को पानी मिलाकर अच्छी तरह गूंथा जाता है। इसके बाद गेहूं का भूसा मिलाकर चूल्हा तैयार किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान पवित्रता का पूरा ध्यान रखा जाता है। व्रती महिलाएं इसी चूल्हे पर प्रसाद बनाती हैं।बिहार में मुस्लिम महिलाओं के चूल्हा बनाने की प्रक्रिया को समझने के लिए हम पहले पटना और फिर किशनगंज में उन महिलाओं के बीच पहुंचे, जहां वे चूल्हे बना रही हैं। यहां हमारी मुलाकात कुरेशा खातून से होती है। वे बताती हैं, 'शहरों में व्रती महिलाओं के लिए खुद चूल्हा बनाना मुश्किल होता है। ऐसे में इन्हें बाजार से खरीदना पड़ता है। एक चूल्हा की कीमत 170 से 300 रुपए तक है। इसकी वजह इन्हें तैयार करने की लागत बढ़ना है। चूल्हे की मिट्टी महंगी हो गई है। पटना में इसे तैयार करने के लिए मिट्टी पुनपुन-परसा से मंगवाई जाती है।' कुरेशा कहती हैं, 'एक चूल्हा बनाने में करीब 1 घंटा लगता है। इसे सूखने में 2 दिन लगते हैं। छठ महापर्व की महिमा ऐसी है कि मुस्लिम महिलाएं भी मिट्टी के चूल्हे बनाने के दौरान पूरी पवित्रता बरतती हैं। हम लोग छठ पूजा के करीब के दिनों में मांस-मछली का सेवन नहीं करते हैं। चूल्हा बनाते समय सफाई का खास ध्यान रखा जाता है। इसे बनाने के दौरान हम लोग चप्पल-जूते नहीं पहनते। पटना के वीरचंद पटेल मार्ग पर लंबे समय से मिट्टी के चूल्हे बनाए जा रहे हैं।' छठ पूजा के लिए मिट्टी के चूल्हे बनाने वाली कुरेशा खातून कहतीं हैं, "यह चूल्हा बहुत शुद्ध होता है। लोहे के चूल्हे में वो बात नहीं। चूल्हा बनाने में हम मिट्टी के साथ गेहूं के भूसे का इस्तेमाल करते हैं। इससे चूल्हे को मजबूती मिलती है। पहले तो सिर्फ

चूल्हा ही बेचती थी, अब आम की लकड़ियां भी बेचती हूं। इससे प्रसाद बनाया जाता है। 5" आम की लकड़ी की कीमत 150 रुपए है। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ अपनी मेहनत के पैसे लेती हूं। एक समय 1 चूल्हा 10- 20 रुपए में बिकता था। अब महंगाई बढ़ गई है। मिट्टी महंगी हो गई है। एक टेलर मिट्टी 4000 रुपए में मिलती है। एक चूल्हा की कीमत 150 से 300 रुपए है। कुरेशा ने कहा 'हर साल छठ के समय कुछ पैसे की कमाई हो जाती है। बाकी समय बर्तन या कपड़े की फेरी करती हूं। मेरे 4 बेटे और 3 बेटियां हैं। 30 साल पहले पति की मौत हो गई थी। उनके जाने के बाद सारी जिम्मेदारी मुझ पर आ गई।पति थे तो इतनी परेशानी नहीं थी। उनके जाने के बाद सब कुछ संभालना काफी मुश्किल हो गया। खुद कमाकर बच्चों का पालन पोषण किया। अब बेटे भी कमाने लगे हैं। शुरू से यह काम करती आई हूं, इसे अभी भी नहीं छोड़ा है। हमलोग भी छठ पर्व देखने जाते हैं। छठ सबसे बड़ा पर्व है। मुस्लिम होकर भी हम लोग इसे मानते हैं।

चूल्हा जूठा न हो जाए इसलिए सड़क किनारे बनाते हैं उमेदा खातून ने कहा, छठ पर्व के लिए 50 साल से मिट्टी के चूल्हे बना रही हूं। चूल्हा बनाने में हमलोग बहुत सावधानी रखते हैं। चाहते तो घर पर भी इसे बना सकते थे, लेकिन घर पर चूल्हा जूठा होने का डर रहता है। इसलिए इसे सड़क किनारे बनाते हैं। शुद्धता का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसे बनाते वक्त चप्पल नहीं पहनती। उमेदा ने कहा, शादी के बाद पति के घर आई तो देखा कि छठ के लिए ससुर चूल्हा बना रहे हैं। उनको देखकर चूल्हा बनाना सीखा। चूल्हा बेचने से घर में कुछ पैसे आ जाते हैं। अब बच्चे पैसे कमाने लगे हैं, लेकिन मैंने यह काम नहीं छोड़ा। किशनगंज में भी मुस्लिम महिलाएं छठ पूजा के लिए मिट्टी के चूल्हे तैयार करती हैं। यह काम 20 साल से कर रहीं हैं। उनके लिए यह काम सिर्फ पैसे कमाने के लिए नहीं, बल्कि सेवा और आस्था का भी प्रतीक है। ये महिलाएं मिट्टी के चूल्हे बनाने में विशेष सावधानी बरतती हैं। मिट्टी को गूंथने से लेकर चूल्हे को आकार देने तक, हर कदम पर शुद्धता का ध्यान रखा जाता है। किशनगंज शहर के खगड़ा की रखमां ने कहा, हमारे लिए यह काम सिर्फ रोजगार नहीं, बल्कि छठ पूजा की पवित्रता में योगदान देने का मौका है। हम इसे पूरे मन से करते हैं। छठ पूजा का प्रसाद मिट्टी के चूल्हा पर बनाया जाता है। इसका इस्तेमाल खरना का प्रसाद बनाने के साथ शुरू होता है। इसके बाद इसपर व्रति महिलाएं भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए ठकुआ-खजुरी पकाती हैं। मिट्टी के चूल्हा पर बनाए गए प्रसाद में एक विशेष स्वाद और सुगंध होती है। छठ महापर्व के दौरान सबसे अधिक ध्यान पवित्रता की रखी जाती है। जिस चूल्हे पर पहले से खाना बना हो उसपर खरना का प्रसाद नहीं बनता। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मिट्टी के चूल्हे को सबसे पवित्र माना जाता है। इसलिए छठ पूजा के लिए मिट्टी का चूल्हा बनाया जाता है। छठ पूजा कैसे शुरू हुई, इस संबंध में कई कथाएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार, जब भगवान राम और माता सीता 14 साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे तब रावण के वध के पाप से मुक्त होने के लिए उन्होंने राजसूर्य यज्ञ करने का फैसला लिया था। पूजा के लिए उन्होंने मुग्दल ऋषि को बुलाया था। मुग्दल ऋषि ने मां सीता को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को सूर्यदेव की उपासना करने का आदेश दिया था। माता सीता ने मुग्दल ऋषि के आश्रम में रहकर 6 दिनों तक सूर्यदेव की पूजा की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया था। छठ के प्रसाद खास होते हैं। छठ पूजा की शुरूआत व्रति महिलाएं लौकी की सब्जी और भात का सेवन कर करती हैं। यह भोजन शरीर को व्रत के अनुकूल करता है। इसके बाद खरना के प्रसाद के रूप में खीर गन्ने के रस व गुड़ से तैयार की जाती है। छठ में बनाए जाने वाले अधिकतर प्रसाद में कैल्शियम भारी मात्रा मौजूद होती है।

भूखे रहने के दौरान या उपवास की स्थिति में इंसान का शरीर नैचुरल कैल्शियम का ज्यादा इस्तेमाल करता है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय धूप लगने से शरीर में विटामिन-डी बनता है। अदरक व गुड़ खाकर पर्व समाप्त किया जाता

संक्षिप्त डायरी

पटना में मूर्ति विसर्जन के दौरान झड़प

कदमकुंआ थाना क्षेत्र के नाला रोड में मूर्ति विसर्जन के दौरान गुरुवार की शाम झड़प हो गई। आशा ट्रेडर्स में घुसकर असामाजिक तत्वों ने जमकर मारपीट और तोड़फोड़ की है।ऑनर विभूति तिवारी समेत 3 से अधिक कर्मी जख्मी हो गए हैं। फिलहाल कदमकुंआ थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुटी है।चंदा विवाद में मारपीट की आशंका दरियापुर गोबर गली में मूर्ति बैठाई गई है। इसके लिए मोहल्ले के कुछ लड़के आशा ट्रेडर्स के ऑनर से चंदा मांगने आए थे। उन्होंने उस वक्त देने से इनकार कर दिया था। इसी बात को लेकर मनमुटाव हुआ था। उन्होंने ट्रेडर्स के ऑनर को अंजाम भुगतने की धमकी भी दी थी। हालांकि ऑनर ने इसे हल्के में लिया था।अचानक बोला हमला विभूति तिवारी ने बताया कि दुकान पर बैठे थे। इसी बीच विसर्जन के लिए प्रतिमा वहां से गुजर रही थी। तभी अचानक विसर्जन में शामिल कुछ शरारती तत्व दुकान के अंदर घूस गए और सीधे ऑनर के साथ मारपीट शुरू कर दी। ऑनर को मार खाते देख बीचबचाव करने आए कर्मियों को भी शरारती तत्वों ने खूब पीटा। जिसमें से किसी के हाथ, किसी के पैर तो किसी की बॉडी में चोट लगी है। फिलहाल पीड़ित दुकानदार थाने पर शिकायत करने गए हैं। टाउन DSP राजेश रंजन ने बताया कि मूर्ति विसर्जन के दौरान आशा ट्रेडर्स में घुसकर मारपीट की बात सामने में आई है। ऑनर ने लिखित आवेदन दिया है। अपराधियों की पहचान कर उनके विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी।

चनपटिया में नशे के खिलाफ पुलिस ने की कार्रवाई

चनपटिया। नगर पुलिस ने नशे के कारोबार में लिप्त एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वार्ड संख्या 3, गडीहट्टा निवासी जहांगीर खान, पिता स्वर्गीय सुलेमान खान के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से भारी मात्रा में नशीली सामग्री और उपकरण बरामद किए हैं। थाना प्रभारी प्रभाकर पाठक के नेतृत्व में गुरुवार को की गई छापेमारी में आरोपी के पास से 180 एमएल की दो टेट्रा पैक (8 पीएम ब्रांड), सुलेशन की 70 ट्यूब, सुलेशन पीने के 51 पाइप और 35 चिलम बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, जहांगीर खान लंबे समय से अवैध नशे के कारोबार में सक्रिय था और स्थानीय युवाओं को नशीले पदार्थ उपलब्ध कराता था। छापेमारी दल में थाना प्रभारी प्रभाकर पाठक के साथ एएसआई शिवकुमार, एएसआई मिथलेश कुमार और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और उसे जेल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि चनपटिया क्षेत्र में नशे के कारोबार पर कड़ी नजर रखी जा रही है और ऐसे तत्वों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बेतिया में छठ घाटों की तैयारी पूरी

बेतिया। नगर निगम ने छठ पूजा के लिए नगर क्षेत्र के सभी घाटों की तैयारी पूरी कर ली है। इस वर्ष सुरक्षा और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर निगम प्रशासन ने कुल 72 मुख्य घाटों पर विशेष प्रबंध किए हैं, जबकि 50 से अधिक छोटे घाट भी व्रतियों के लिए उपलब्ध रहेंगे। अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती नगर आयुक्त लक्ष्मण तिवारी ने बताया कि, घाटों की सुरक्षा और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है। यह व्यवस्था छठ व्रतियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। सुरक्षा को देखते हुए 8 घाटों को खतरनाक चिन्हित किया गया है। इनमें संतघाट नदी, उत्तरवारी पोखरा, सागर पोखरा, स्टेशन चौक पोखरा, पिलुआ घाट, घरदान पोखरा बरवत पसराईन और बरवत सेना पोखरा शामिल हैं। इन गहरे पानी वाले घाटों पर विशेष सावधानी बरती जाएगी। बैरिकेडिंग, गोताखोरों की व्यवस्था और जागरूकता बैनर-पोस्टर लगाए जाएंगे ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।सागर और घरदान पोखरा को बनाया मॉडल घाटइस बार सागर पोखरा और घरदान पोखरा को मॉडल घाट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन घाटों पर छठ व्रतियों और उनके साथ आने वाले लोगों के लिए विशेष सुविधाएं होंगी, जिनमें शुद्ध पेयजल, स्टेज, बैठने की व्यवस्था, घाट तक जाने वाले रास्तों की सफाई और पर्याप्त रोशनी शामिल है। सभी घाटों पर चूना और ब्लीचिंग का छिड़काव भी किया जा रहा है ताकि पूजा स्थल स्वच्छ और सुरक्षित रहें।नगर निगम ने अन्य महत्वपूर्ण छठ घाटों की सूची भी जारी की है। इनमें सागरपोखरा, उतरवारी पोखरा, संतघाट, हरिवाटिका पोखरा, स्टेशन चौक पोखरा, पिंजवापोल पोखरा, दुगार्बाग पोखरा, बानुछापर पोखरा, गोनौली के विभिन्न घाट और बरवत सेना पोखरा प्रमुख हैं। इन सभी घाटों पर व्रतियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।नगर निगम प्रशासन का लक्ष्य है कि, इस वर्ष छठ व्रतियों को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित वातावरण मिले। नगर आयुक्त लक्ष्मण तिवारी ने सभी घाटों पर सुरक्षा और साफ-सफाई के कड़े निर्देश दिए हैं, ताकि व्रतियों का अनुभव सुगम और यादगार बन सके।

बिहार में 30-31 अक्टूबर के बीच बारिश की संभावना:

पटना। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार 26 अक्टूबर से बिहार के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, जबकि 30 और 31 अक्टूबर को पूरी राज्य में बारिश के आसार है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी भरी हवाएं इसकी वजह बनेगी। खासकर जमुई, नवादा, बांका, किशनगंज और अररिया जैसे जिलों में अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है। उत्तर बिहार के सीमित हिस्सों में हल्की या छिटपुट बारिश होगी। मौसम विज्ञान केंद्र का कहना है कि अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में होने वाली बारिश के बाद नवंबर के पहले सप्ताह से ही ठंड की शुरूआत हो जाएगी। दिन के तापमान में गिरावट के साथ सुबह और रात में ठंडी हवाएं चलने लगेंगी। यह मौसम परिवर्तन छठ पर्व के समय तक और स्पष्ट रूप से दिखेगा। पटना में आज मौसम सामान्य रहेगा। धूप हल्की तेज रहेगी और अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हालांकि, शाम होते-होते हल्की ठंडक महसूस होगी। मौसम विभाग के मुताबिक 26

दुलकर सलमान की बहुप्रतीक्षित फिल्म कांथा 14 नवंबर को होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता दुलकर सलमान की आने वाली फिल्म कांथा की रिलीज डेट आ गई है ।निर्देशक सेल्वामणि सेल्वराज की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा में अभिनेता दुलकर सलमान मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इसके निर्माताओं ने सोमवार को घोषणा की कि यह फिल्म अब 14 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।
अभिनेता दुलकर सलमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसका एक पोस्टर साझा किया। उन्होंने लिखा, दीपावली अब और भी धमाकेदार हो गई है। कांथा 14 नवंबर से दुनिया भर के सिनेमाघरों में धूम मचाएगी। आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएं। सिनेमाघरों में जल्द मिलते हैं। बता दें कि यह फिल्म पहले 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, मगर इसकी रिलीज को टाल दिया गया। फाइनली अब यह 14 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज डेट 'लोका' फिल्म की वजह से टाली गई थी। इस फिल्म को दुलकर सलमान ने भी प्रोड्यूस किया है। फिल्म सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर रही थी, इसलिए मेकर्स ने 'कांथा' को आगे के लिए खिसका दिया था। कुछ समय पहले फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इसे देखने के बाद फैंस फिल्म के रिलीज होने को लेकर काफी उत्साहित दिखे। पहले इस फिल्म का नाम 'सांथा' था, लेकिन टीजर में यह बताया गया था कि फिल्म का नाम बदल दिया गया है, तब से इसे 'कांथा' कहा जाने लगा।
कांथा फिल्म तमिल सिनेमा के पहले सुपरस्टार कहे जाने वाले एम.के. त्यागराज भगवतार के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म 1950 के दशक में उनकी प्रसिद्धि और व्यक्तिगत संघर्षों को दर्शाएगी। इसमें स्वतंत्रता के बाद के मद्रास (चेन्नई) की दुनिया देखने को मिलेगी। दुलकर सलमान इस महान अभिनेता के किरदार में दिखेंगे। कांथा में भाग्यश्री बोरसे और समुथिरकानी जैसे सितारे भी हैं। कांथा को राणा दग्गुबाती की स्पिरिट मीडिया और दुलकर की वेफेरर फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का निर्देशन सेल्वमणि सेल्वराज ने किया है, जो नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री द हंट फॉर वीरप्पन के लिए जाने जाते हैं। पहले दुलकर सलमान इससे बतौर अभिनेता जुड़े थे, लेकिन बाद में उन्होंने इसे प्रोड्यूस करने का भी फैसला किया।

नरगिस फाखरी ने अमेरिका और पाकिस्तान में मॉडलिंग के बाद की बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड हो या फिर हॉलीवुड फिल्म, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कई फिल्मों में अपने ग्लैमरस भूमिका से दर्शकों का मनोरंजन किया है। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद 2011 में नरगिस को पहली ही बार में रणबीर कपूर के साथ रॉकस्टार में स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला, वह भी बतौर लीड एक्ट्रेस। एक्ट्रेस के करियर की शुरुआत भले ही अच्छी रही हो, लेकिन धीरे-धीरे उनके करियर की गाड़ी स्लो हो गई। आज भी नरगिस फिल्मों में सेकेंड लीड का रोल प्ले करती हैं। नरगिस अपना 46वां जन्मदिन मना रही है। नरगिस फाखरी का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ है, लेकिन पकिस्तान से भी उनका रिश्ता है। उनके पिता मोहम्मद फाखरी पाकिस्तानी के मूल निवासी थे और उनकी शादी मारिया ए. फाखरी से हुई थी। हालांकि दोनों का तलाक हो चुका है और उनके पिता भी अब दुनिया में नहीं रहे हैं। दोनों माता-पिता के अलग-अलग देशों के होने की वजह से उन्हें पाकिस्तान और अमेरिका दोनों की नागरिकता प्राप्त है।

मॉडलिंग में मिली सफलता के साथ नरगिस को फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में एंट्री मिली। फिल्म चल निकली और इतनी ज्यादा फेमस हो गई कि नरगिस और रणबीर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इसके बाद उन्होंने 'मद्रास कैफे', 'मैं तेरा हीरो', 'अजहर' और 'अमावस' जैसी हिट फिल्में दीं। उन्होंने 2015 में हॉलीवुड फिल्म स्पाई में भी काम किया। जब किस्मत चमकी तो नरगिस ने साउथ में भी हाथ आजमाया और रश्ना - द रे ऑफ लाइट और साहसम में काम किया। हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने यह कहकर बॉलीवुड से दूरी बना ली कि वे लगातार फिल्में कर रही थीं और काफी तनाव ले रही थीं। काम के दौरान वह परिवार और दोस्तों को काफी मिस कर रही थीं। एक्ट्रेस ने बताया था कि वह अब कुछ समय अपनी खुशी के लिए निकालना चाहती हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो नरगिस ने गुपचुप तरीके से अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड से शादी कर ली है और 6 महीने तक अपनी शादी को छिपाकर रखा था, लेकिन अब वो अपने पति टोनी बेग के साथ मीडिया के सामने आती रहती हैं।

पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर बोला हमला

मशहूर पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों ने हाल ही में खुलासा किया कि वो बॉलीवुड में क्यों काम नहीं करना चाहते। इसके साथ ही उन्होंने कई तर्क भी दिए। इस खबर से चारों-तरफ सनसनी मच गई है। चलिए जानते हैं आखिर गायक ने बॉलीवुड को लेकर ऐसा क्या कहा, जो चर्चा का विषय बन गया है।

वहां शोषण होता है

गायक एपी ढिल्लों एसएमटीवी यूट्यूब चैनल के साथ एक बातचीत में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा, मैं आपको बताता हूं कि मैंने अब तक कोई बॉलीवुड गाना क्यों नहीं किया। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे अपने लोगों की परवाह है। यह बॉलीवुड की बात नहीं है, यह मेरे समुदाय के लिए एक मिसाल कायम करने की बात है। मैंने उनसे कहा कि मुझे गाना गाने में खुशी होगी, लेकिन पहले उन्हें अपने व्यापार करने का तरीका बदलना होगा। जब कोई पंजाबी कलाकार किसी बॉलीवुड फिल्म के लिए गाना देता है, तो निर्माता का सब कुछ - ट्रैक, रीमिक्स अधिकार, सब कुछ मालिकाना होता है। वे अपने फायदे के लिए गाने और कलाकार का शोषण करते हैं। मैंने मना कर दिया।
गायक ने आगे बातचीत में कहा, कुछ बड़े कलाकार अपनी फिल्म में मेरा संगीत चाहते थे। मैंने गाना बनाया, हमने सीन की योजना भी बना ली थी। लेकिन वे गाना, उसके अधिकार, सब कुछ अपने पास रखना चाहते थे। यह सही नहीं है। इसलिए मैंने उनसे कहा कि जब तक वे इसे नहीं बदलते, मैं उनके साथ काम नहीं कर सकता। फिर उन्होंने कहा, 'अगर मैं ऐसा करूंगा, तो जूनियर कलाकारों को भी ऐसा करना पड़ेगा। मैं नहीं चाहता कि उन्हें ऐसा करना पड़े। मैं नहीं चाहता कि कोई युवा कलाकार अपने हिट गाने बेचकर अपनी आय का स्रोत खो दे। मैं नहीं चाहता कि उनका शोषण हो।'

कोंकणा सेन शर्मा ने खोला अभिनय का राज

मशहूर अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा की वेब सीरीज सर्च - द नैना मर्डर केस रिलीज हो चुकी है। यह दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। कोंकणा ने इस सीरीज के बारे में बात करते हुए अपने अभिनय का राज लोगों के साथ साझा किया है। उन्होंने कहा कि वह आमतौर पर किरदार के लहजे और टोन में तब तक बदलाव नहीं करतीं जब तक निर्देशक उनसे कोई सुझाव न मांगे। कोंकणा सेन ने बताया कि वह बस वही करती हैं जो उनके निर्देशक उन्हें बताते हैं क्योंकि आखिरकार यही उनका अपना नजरिया होता है और वह इस प्रक्रिया में दखलअंदाजी करना पसंद नहीं करतीं।
कोंकणा सेन ने कहा, एक अभिनेता के रूप में मैं वास्तव में इस बात पर ध्यान नहीं देती कि पिच या टोन क्या होना चाहिए। मैं इसमें सहज महसूस नहीं करती और एक अभिनेता के रूप में कुल मिलाकर यह मेरी जगह नहीं है। इस शो के लिए मैं दो कारणों से बहुत उत्साहित थी, एक यह कि यह फोर्ब्राइडेलसेन नामक एक बेहद सफल शो पर आधारित है, जो एक डेनिश शो है, और मैंने इसका रीमेक देखा है और यह अद्भुत है। इसमें जासूस सारा लुंड हैं, जिनका अपना बहुत बड़ा फैन बेस है। मुझे पता था कि रोहन सिप्पी इसका निर्देशन कर रहे हैं और मैंने उनके साथ पहले भी काम किया है। मैं उनके साथ बहुत सहज हूं और इसलिए मैं इस किरदार को करने के लिए बहुत खुश और उत्साहित थी।
उन्होंने आगे बताया, मुझे इन दोनों किरदारों (अपने सह-कलाकार सूर्या शर्मा की बात करते हुए), जय और संयुक्ता के बीच का तालमेल बहुत पसंद है। इस शो के जरिए मैंने सूर्या को जाना, इसलिए मुझे उनके लहजे और पिच वगैरह में अधिक दिलचस्पी नहीं थी। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, हमने खूब रिहर्सल की, टेबल रीडिंग की, और कुछ सवाल या मतभेद वगैरह थे, वो सब सुलझा लिए गए। उनके साथ अभिनय कर मुझे बहुत आनंद आया।

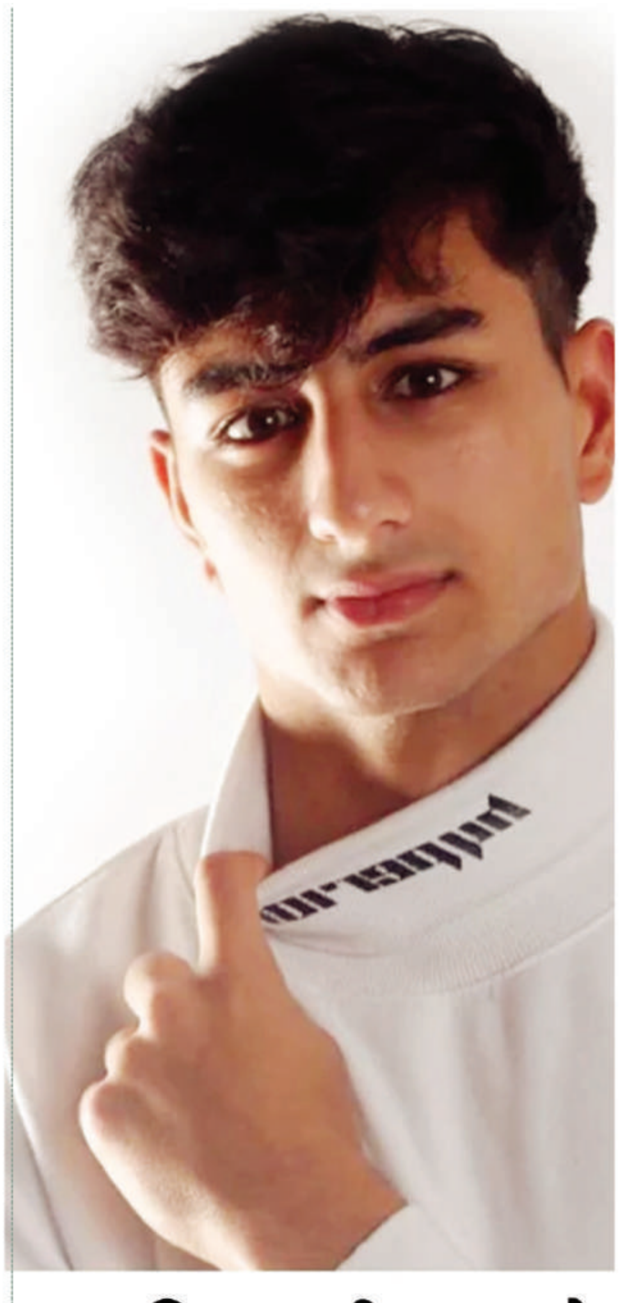

इब्राहिम अली खान ने 'नादानियां' को लेकर हुई आलोचना पर की टिप्पणी

अभिनेता इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म 'नादानियां' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी, जिसमें खुशी कपूर भी अहम भूमिका में थीं। । इस फिल्म को दर्शकों ने ज्यादा पसंद नहीं किया था और इसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। महीनों की ट्रोलिंग के बाद, इब्राहिम ने आखिरकार दर्शकों की प्रतिक्रिया दी।

वास्तव में खराब फिल्म

हाल ही में इब्राहिम अली खान एस्क्वायर इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में शामिल है। उन्होंने कहा, कुछ समय पहले तक, सभी मेरे लॉन्च का इंतजार कर रहे थे, और नादानियां के बाद , प्रचार बहुत बुरी तरह से गिर गया। उन्होंने मुझे लगातार ट्रोल किया। वह बस यही नहीं कर पाएगा। यह बहुत ही बुरा है और मुझे इसके बारे में लगातार बुरा लगता है। मैं बस इतना कहूंगा कि यह वाकई एक बहुत ही घटिया फिल्म थी। आगे बातचीत में अभिनेता ने कहा, यह वाकई बहुत बुरा था। यह एक तरह की संस्कृति बन गई थी कि, ओह, चलो उस फिल्म को ट्रोल करते हैं। कुछ लोग इसे सिर्फ इसलिए ट्रोल कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने सुना था कि कोई और इसे ट्रोल कर रहा है। यह अनुचित था, लेकिन अगर मैं अब भविष्य में कोई ब्लॉकबस्टर फिल्म दूंगा, तो मैं भी इसी तरह की प्रतिक्रिया चाहूंगा। उन्हें मेरे पीछे पागल हो जाना चाहिए।

उस समय जल्दबाजी में लग गया था

इब्राहिम अली खान ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैं बहुत मेहनत कर रहा था जैसे मैं अभी भी अपनी बोलने की समस्या पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। लेकिन एक तरह से, मुझे लगता है कि मैं उस फिल्म में जल्दबाजी में लग गया था।
मैं 21 साल का था, जब मैंने इसकी शूटिंग शुरू की थी, मेरे आस-पास के दूसरे लोग 26, 27, 28 साल की उम्र में इसे कर रहे हैं और अब मुझे लगता है कि जो कुछ होने वाला था, उसके पैमाने के बारे में मैं और ज्यादा सचेत हो सकता था।

मेरे लिए नंबर या कमाई उतनी मायने नहीं रखती

कांतारा चैप्टर 1 में नजर आए बॉलीवुड अभिनेता गुलशन देवैया ने हाल ही में खास बातचीत की। इस दौरान अभिनेता ने ऋषभ शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव, सेट पर माहौल और बॉलीवुड और साउथ के बीच के अंतर का जिक्र किया।

जब आपको यह फिल्म मिली तो पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

मुझे पहले से अंदाजा था कि यह फिल्म मेरे पास आएगी। 2019 में मेरी मुलाकात ऋषभ शेट्टी से हुई थी। उन्होंने कहा कि वो मेरी फिल्म हंटर के फैन हैं और मेरे लिए कुछ लिख रहे हैं। फिल्म की घोषणा पहले ही हो चुकी थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण यह रुकी रही। 'कांतारा' की सफलता के बाद जब ऋषभ ने मुझे बताया कि उन्होंने मेरे लिए एक रोल लिखा है तो मैं तुरंत तैयार हो गया। मैं पहले से ही उनके काम का दीवाना था, इसलिए ये मेरे लिए यह एक रोमांचक अनुभव था।

साउथ की फिल्म में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

सबसे बड़ा अंतर शिफ्ट टाइमिंग और काम करने के तरीके में था। आमतौर पर मलयालम और कन्नड़ इंडस्ट्री में कलाकार सुबह छह बजे शुरू करके शाम छह बजे तक काम करते हैं... जबकि नाइट शिफ्ट का मामला अलग होता है। वहां पूरे बारह घंटे की शिफ्ट नहीं होती और नाइट शिफ्ट छोटी होती है। तकनीकी रूप से भी काफी कुछ अलग था। सिंक साउंड कम इस्तेमाल होता और कलाकार अपनी आवाज सेट पर ही देते हैं। मुझे लगता है यह तरीका माहौल और परफॉर्मेंस के लिहाज से सबसे बेहतर है क्योंकि कलाकार की असली परफॉर्मेंस वहीं सुनाई देती है।

ऋषभ से आपने सबसे बड़ी सीख क्या ली?

ऋषभ में मुझे उनकी क्षमता और तनाव को संभालने की कला ने बहुत प्रेरित किया। इतनी बड़ी फिल्म पहली बार में बनाने के बावजूद उन्होंने टीम, बजट और शूट को पूरी कुशलता से मैनेज किया। उनकी जिम्मेदारियां कितनी भी बड़ी क्यों न हों, उनके चेहरे पर शिकन नहीं आती।

फिल्म की सफलता आपके करियर के लिए कितनी मायने रखती है?

इस फिल्म का श्रेय मैं अकेले नहीं ले सकता। मैं बस इसका हिस्सा हूं। करियर के लिहाज से यह निश्चित रूप से अच्छा रहेगा, लेकिन एक कलाकार के रूप में मेरे लिए नंबर या कमाई उतनी मायने नहीं रखती। मैं 2011 से काम कर रहा हूं और यह मेरी पहली फिल्म है जिसने इतनी बड़ी कमाई की, लेकिन मेरे लिए सबसे कीमती अनुभव यह है कि दर्शक हमारी मेहनत और किरदार को महसूस कर रहे हैं।

क्या दर्शक आपको कभी धर्मा या यशराज जैसे बड़े बैनर की फिल्मों में देखेंगे?

मेरे लिए हर फिल्म, हर रोल और हर किरदार अहम है। हर डायरेक्टर की अपनी समझ होती है और मैं उसकी कहानी और किरदार के हिसाब से काम करता हूं। लोग अक्सर सोचते हैं कि ऐसी फिल्में ही मुझे सफलता दिलाएंगी। लेकिन मैं ऐसा नहीं सोचता। मैं अभिनय से प्यार करता हूं और अलग-अलग किरदारों निभाना मुझे पसंद है। मेरा फोकस हमेशा किरदार और कहानी पर होता है। अभी मैं बस देख रहा हूं कि सिनेमा मुझे कहां ले जाता है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया तीसरा एकदिवसीय आज

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में उतरेगी। भारतीय टीम पहले दो मैचों में हारी है। ऐसे में वह इस मैच को किसी भी हालत में जीतकर सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगी। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम का रिकार्ड इस मैदान पर अच्छा नहीं रहा है। उसे यहां खेले 19 में से 16 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। वह केवल दो मैच ही यहां जीती है जबकि एक मैच बराबरी पर रहा है। ऐसे में कप्तानी शुभमन गिल की राह काफी कठिन नजर आती है।

इस मैच में सभी की नजरें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर रहेंगी। इसका कारण है क ये ऑस्ट्रेलिया में इन दोनो दिग्गजों का अंतिम मैच हो सकता है। विराट अब तक दोनो ही मैचों में असफल रहे। वहीं रोहित ने हालांकि दूसरे एकदिवसीय में 97 गेंदों पर 73 रन बनाये पर प्रशंसक इन दोनो की जो बल्लेबाजी देखना चाहते थे वह नहीं दिखी।

रोहित यहां पहली बार 2007-08 में एकदिवसीय सीरीज के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 सत्र में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाया था। वहीं अगले दो साल में ऑस्ट्रेलिया में कोई एकदिवसीय नहीं होने के कारण ये तय है कि अब ये ऑस्ट्रेलिया में नहीं खेलते दिखेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज के पहले दोनों मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया पर विराट और और रोहित के कारण तीसरे एकदिवसीय के प्रति रोमांच बना हुआ है।

सिडनी मैदान पर मौजूद दर्शक पर इन दोनों से आकर्षक पारी की उम्मीद करेंगे। भारतीय टीम ने यहां जो पिछले पांच एकदिवीसय मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है। इस मैच में जीत के लिए कप्तान शुभमन गिल और कोहली व रोहित को बड़ी पारी खेलनी होग। इसके अलावा मध्य और निचले क्रम को भी रन बनाने होंगे।

पिछले दो मैचों में भारतीय गेंदबाज भी अधिक प्रभावित नहीं कर पाये। टीम का ध्यान बल्लेबाजी की मजबूती पर रहा जिससे उसने

कुलदीप यादव जैसे स्पिनर को बाहर रखा। अब उन्हें इस मैच में शामिल किया जा सकता है। पहले दोनो ही मैचों में स्पिन की कमान अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर रही है पर ये मेजबान बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये हैं। ऐसे में कुलदीप की जरुरत महसूस हुई है।

टीम प्रबंधन ने अधिक ऑलराउंडर रखने की रणनीति बनायी थी जिससे युवा नीतीश कुमार रेड्डी जैसे को आठवें नंबर पर उतारा जो फायदेमंद नहीं रहा। वहीं गेंदबाजी में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। वहीं हर्षित राणा का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

वहीं दूसरी और मेजबान टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। वह सीरीज पहले ही जीत गयी है। ऐसे में इस मैच में बदलावों के साथ उतर सकती है। इस मैच में वह मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकती है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। उसके युवा खिलाड़ियों मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली ने दबाव वाले हालातों में अपने कौशल का अच्छा परिचय दिया है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ऑस्ट्रेलिया जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया- मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन) (एजेंसी)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने शुक्रवार को बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। छठी वरीयता प्राप्त दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को 21-19, 21-15 से हराकर अंडर-17 वर्ग के अंतिम आठ में प्रवेश किया।

लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को 21-16, 21-11 से हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को 21-17, 21-16 से हराया।

अदिति दीपक राज और बी.वी. पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को 17-21, 21-15, 21-17 से मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर 21-14, 21-8 से प्रभावशाली जीत दर्ज की।

जगशेर सिंह खंगुरा ने एकल वर्ग में मलेशिया के विंसन चोह को 21-12, 21-17 से आसानी से हराया। वजीर सिंह सिंह अंडर-15 लड़कों के एकल वर्ग के बेहद रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशिया के सातवें वरीय रेवन एड्रिलियो सपुत्रा से 19-21, 22-20, 22-24 से हारकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

रोहित-कोहली को भारतीय टीम में लाये बदलावों के लिए भी याद किया जाएगा : चैपल

एडीलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। भारतीय टीम के कोच रहे चैपल ने कहा कि इन दोनो को अपनी बल्लेबाजी के साथ ही भारतीय क्रिकेट में लाये हुए बदलावों के लिए भी याद किया जाएगा। चैपल के अनुसार इन दोनो ने टीम में जो जुनून और आक्रामकता भरी है। उससे टीम को एक नया रुप मिला है। व्यक्तिगत गौरव को अधिक तवज्जो नहीं देना तथा रोहित शर्मा की विनम्रता और रोहित और कोहली करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और चैपल को लगता है कि इस जोड़ी की विरासत आंकड़ों से कहीं आगे जाती है।

चैपल ने कहा, 'अब जैसे-जैसे क्रिकेट की दुनिया आगे बढ़ेगी तो नए नाम उभरेंगे। नए कप्तान नेतृत्व करेंगे पर कोहली-रोहित युग केवल रिकॉर्ड बुक में ही नहीं बल्कि हर उस प्रशंसक के दिलों में अंकित रहेगा जो समझता था कि वे किस लिए खड़े हैं। चैपल का मानना ??है कि कोहली को केवल महान बल्लेबाजों की श्रेणी में ही रखा नहीं जा सकता। उन्होंने लिखा, 'कोहली केवल बल्लेबाज नहीं थे। वह एक जुनून थे। उन्होंने वो दिखाया जो बहुत कम लोग कर पाते हैं - एक योद्धा जैसी मानसिकता उन्होंने टीम में भरी है। उन्होंने भारत की एकदिवसीय टीम को एक तेज, केंद्रित और पूरी तरह से फिट टीम में बदल दिया जो घर और बाहर , जीतने के लिए खेलती थी।

चैपल ने लिखा, 'कोहली का जुनून, उनका समझौता नहीं करना, आंकड़ों से अधिक विरासत में उनका विश्वास। वहीं रोहित की विनम्रता और उनकी वापसी की कहानी सभी जानते है। उन्होंने बताया है कि क्रिकेट में और जिंदगी में टाइमिंग ही सब कुछ है। चैपल ने कहा कि कोहली अभी आंकड़ों के पीछे नहीं गये। उन्होंने लिखा, 'जो बात उन्हें अन्य लोगों से अलग करती थी वह थी व्यक्तिगत आंकड़ों को अधिक तवज्जो नहीं देना। जहां दुनिया शतकों और कुल स्कोर की वाहवाही कर रही थी, वहीं कोहली को केवल परिणाम की परवाह थी। चैपल ने लिखा, 'उन्होंने एक बार कहा था कि वह भारत के लिए खेलते हैं रिकॉर्ड के लिए नहीं।

महिला विश्व कप में आज होगा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला

इंदौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें शनिवार को यहां महिला विश्व कप क्रिकेट में उतरेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। जो भी टीम ये मैच जीतेगी वह नंबर एक पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई ने जहां अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और टीम अच्छी लय में है। जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार है।

वहीं दक्षिण अफ्रीका ने इस विश्वकप में खराब शुरुआत के बाद अच्छी वापसी की है। पहले मैच में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से मिली करारी हार के बाद टीम ने लगातार पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच से पहले अपनी कप्तान एलिसा हीली के फिट होने की उम्मीद कर रही है। हीली को इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले अभ्यास के दौरान पिंडली में खिंचाव आ गया था। जिसके बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण इंग्लैंड के खिलाफ मैच में ताहलिया मैक्ग्रॉ ने कप्तानी की थी।

ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के लिए हीली का खेलना बेहतर जरुरी है क्योंकि उसने बल्लेबाजी में लगाताकर शतक लगाये हैं। हीली ने भारत और बांग्लादेश के खिलाफ लगातार मैच में शतक बनाए, जिससे वह इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर काबिज है। इंग्लैंड के खिलाफ हीली के नहीं होने से बल्लेबाजी क्रम में काफी बदलाव करना पड़ा था। इसके बाद भी टीम मैच हार गयी थी।

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी अच्छी है। ऐसे में जीत के लिए दक्षिण अफ्रीका को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वाड्ट ये जानती हैं। ऐसे में उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मारिजाने काप से और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। काप ने अब तक छह विकेट लेकर और दो अर्धशतक लगाकर गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाई है। सलामी बल्लेबाज़ वोल्वाड्ट, ताज़मिन ब्रिट्स और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ सुने लुस की तिकड़ी को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे तभी दक्षिण अफ्रीका की टीम बड़ा स्कोर बनाकर गेंदबाजों को बचाव का अवसर दे सकती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनी, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

दक्षिण अफ्रीका- लौरा वोल्वाड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लर्क, एनेरी डर्कसेन, सिनालो जाफ्ता, मारिज़ैन काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, क्लोमिसो थंगारियोन।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली - पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। FIH ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। FIH ने बयान में कहा, 'हम पुष्टि कर सकते हैं कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) को सूचित कर दिया है कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले FIH हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था।' बयान में कहा गया, 'इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।' पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की गई जवाबी कार्रवाई के बाद से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हुए हैं।

तीसरे वनडे में बड़ा रिकॉर्ड बनाने उतरेंगे ट्रैविस हेड, मात्र 22 रन दूर

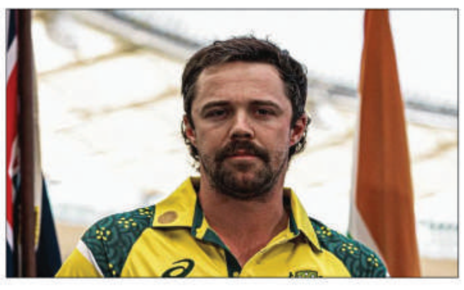

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) । ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रैविस हेड वनडे में 3,000 रन पूरे करने से सिर्फ 22 रन दूर हैं। उम्मीद है कि वह शनिवार को भारत के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में यह मुकाम हासिल कर लेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजय बढ़त बना ली है और भारत सांत्वना भरी जीत का लक्ष्य रखेगा। भारत ट्रैविस हेड को रोकने में कामयाब रहा है, और उन्होंने पहले दो वनडे में सिर्फ आठ और 28 रन बनाए हैं। हेड ने 78 वनडे और 75 पारियों में 43.79 की औसत और 105.64 के स्ट्राइक रेट से 2,978 रन बनाए हैं जिसमें सात शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 154* है। सिडनी में तीन वनडे में उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है, उन्होंने तीन पारियों में 40.66 की औसत और 98.38 के स्ट्राइक रेट से 122 रन बनाए हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 52 है। इस मशहूर मैदान पर 9 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हेड ने 10 पारियों में 32.88 की औसत से 296 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 70 है। उनका कुल अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बहुत प्रभावशाली नहीं है। इस साल ट्रैविस का वनडे में प्रदर्शन बहुत शानदार नहीं रहा है। उन्होंने 9 पारियों में 41.62 की औसत से 333 रन बनाए हैं, जिसमें एक सेंचुरी और एक फिफ्टी शामिल है और उनका बेस्ट स्कोर 142 है।

कोहली अभी संन्यास नहीं लेंगे, सिडनी में बड़ी पारी खेलेंगे : गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दूसरे एकदिवसीय में शून्य पर आउट होने के बाद अपना दाहिना हाथ उठाकर भीड़ की तरफ हिलाया, उससे उनके संन्यास की अटकलें शुरु हो गयीं। प्रशंसकों को ऐसा लगा जैसे वह अपने आखिरी मैच में दर्शकों का आभार जता रहे हों। वहीं महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर इससे सहमत नहीं हैं। गावस्कर के अनुसार विराट के मन में संन्यास का ख्याल नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका जेस्चर बस उस भीड़ का धन्यवाद करना था जो उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन देती आई है। गावस्कर ने कहा कि विराट सिडनी में सीरीज के तीसरे और आखिरी एकदिवसीय में भी खेलेंगे। गावस्कर ने कहा कि कोहली में अभी बहुत सारा क्रिकेट बचा हुआ है। वह बहुत कम मौकों पर विफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार को सिडनी में कोहली अच्छी वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, विराट उस तरह का खिलाड़ी नहीं है जो आसानी से हार मान जाए। क्या आप वाकई सोचते हैं कि वह लगातार दो बार शून्य बनाने के बाद रिटायर हो जाएंगे? नहीं, बिल्कुल नहीं। वह हाई नोट पर रिटायर होना चाहेंगे। सिडनी का मैच अभी बाकी है और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज है वह 2027 के विश्व कप में रोहित के साथ होंगे। गावस्कर ने कहा, 'देखिए, उनके नाम 14000 से ज्यादा रन हैं, 52 एकदिवसीय शतक हैं और 32 टेस्ट शतक भी है। उन्होंने हजारों रन बनाए हैं इसलिए उनका एकाध बार असफल होना चलता है। जो कुछ हुआ उसका बहुत ज्यादा मतलब मत निकालिए। अभी उनमें बहुत क्रिकेट बचा हुआ है। आगे बहुत क्रिकेट है। हो सकता है कि सिडनी में हम उनसे कोई बड़ी पारी देखें।'

गावस्कर ने आगे कहा, 'एडिलेड निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया में उनका पसंदीदा मैदाना रहा है। उन्होंने वहां शतक बनाए हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि हर कोई उनसे यहां कुछ बड़े स्कोर की उम्मीद कर रहा था पर वैसा नहीं हुआ।' गावस्कर ने कहा, जब वह बल्लेबाजी के लिए आए तो लोगों ने खड़े होकर उनका सम्मान

किया। ज्यादातर दर्शक ऑस्ट्रेलियाई थे, इसलिए ये और भी खुशी की बात है।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

मियामी - लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई। सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, 'हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है। वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं।' 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोटर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, 'लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे।' इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

सरफराज मामले में इरफान पठान ने चयन समिति का बचाव किया

मुम्बई । पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने सरफराज खान को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो मैच की सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल नहीं किये जाने के बाद लगाये जा रहे पक्षपात और भेदभाव की बातों को खारिज करते हुए कहा है कि इस प्रकार की आधारहीन बातें कहकर भ्रम न फैलाएं। पठान ने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयनसमिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि चयन में कई बातें होती है। उसे गलत तरीके से न देखें। सरफराज को टीम में जगह नहीं मिलने पर कई लोगों ने चयनसमिति पर भी सवाल उठाये हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी नाराजगी जतायी गयी है। वहीं कुछ लोगों ने तो इसे धार्मिक रंग देने का भी प्रयास किया है। पठान ने ऐसे लोगों को फटकार लगाते हुए कहा है कि इस प्रकार से किसी बात को तोड़ मरोड़कर पेश न करें। साथ ही कहा कि ऐसी धारणा भी न बनायें जो सच न हो। पठन ने सरफराज घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। पिछले कुछ महीनों में उन्होंने अपनी फिटनेस पर इतनी मेहनत की है कि कई किलोग्राम वजन घटा लिया है। हालांकि चोट की वजह से वह दलीप ट्रॉफी और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके थे। पठान ने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयनसमिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव किया है। पठान ने कहा कि ऐसी गलत धारता मत फैलाइये जो सच के करीब तक न हो। पठान ने कहा सिलेक्टर्स और कोच (मैनेजमेंट) का हमेशा कोई प्लान होता है। कभी-कभी यह फैन की आंखों को गलत दिख सकता है, लेकिन प्लीज चीजों को तोड़िए-मरोड़िए मत या ऐसा नैरेटिव मत बनाइए जो सच के करीब तक न हो। सरफराज के उनके चयन न होने को कुछ लोगा उनके सरनेम से जोड़ रहे हैं। यहां तक कि मामला राजनीतिक रंग तक लेता दिख रहा है। नेता ने तो सवाल उठाया है कि क्या सरफराज को उनके सरनेम की वजह से बाहर रखा गया है। ऐसे लोगों की पठान की कड़ी निंदा की है।

स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने रिकॉर्ड बुक को नए सिरे से लिखा

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ नवी मुंबई में तीन विकेट के नुकसान पर 340 रन बनाए। यह स्कोर महिला विश्व कप में भारत का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले भारत ने इसी टूर्नामेंट में विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 330 रन बनाए थे। यह महिला वनडे में किसी भी टीम का न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है। सबसे बड़ा स्कोर इंग्लैंड का है। उन्होंने 2021 में कैंटबरी में 347 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना के अब वनडे में 14 शतक हो गए हैं।

यह महिला क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा हैं। इस सूची में अब सिर्फ मेग लैनिंग ही उनसे आगे हैं। उनके नाम 15 शतक हैं। मंधाना अब अंतररष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में 17 शतक तक पहुंच चुकी हैं। यह महिला क्रिकेट में लैनिंग के बराबर है और सबसे ज्यादा भी हैं। प्रतिका रावल ने 23 पारियों में अपने 1000 रन पूरे किए। वह महिला वनडे में सबसे तेज 1000 रन तक पहुंचने वाली बल्लेबाज बनी हैं और 1988 में लिंडसे रीलर द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी की है।

मंधाना ने वनडे में ओपनिंग करते हुए 5194 रन बनाए हैं। यह महिला वनडे में किसी भी सलामी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सूजी बेट्स के नाम था। उनके नाम 5088 रन थे। मंधाना और रावल के बीच पहले विकेट के लिए 212 रनों की साझेदारी हुई। यह महिला विश्व कप में भारत की किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

इससे पहले 2022 में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ चौथे विकेट के लिए मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने 184 रन जोड़े थे। यह महिला वनडे में किसी भी टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी भी है। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 2012 में इंग्लैंड की सारा टेलर और लिडिया ग्रीनवे के बीच तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी हुई थी।

महिला विश्व कप तीन बार ऐसा हुआ है, जब दोनों ओपनरों ने एक ही पारी में शतक बनाए हैं। इंग्लैंड की लिन थॉमस और इनिड बेकवेल ने 1973 में इंटरनेशनल इलेवन के खिलाफ यह कारनामा किया था। ऑस्ट्रेलिया की लिंडसे रीलर और रूथ बकस्टीन ने 1988 में नीदरलैंड्स के खिलाफ भी यह कारनामा किया था। मंधाना ने 2025 में वनडे में पांच शतक लगाए हैं। वह केवल दूसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में पांच शतक लगाए हैं। यह कारनामा ताजमिन ब्रिट्स ने भी 2025 में किया था।

मंधाना के 2025 में बनाए गए 1259 रन, महिला वनडे में किसी भी वर्ष में सबसे ज्यादा हैं जबकि रावल के 976 रन अब दूसरे स्थान पर है। मंधाना और रावल के बीच सात शतकीय साझेदारी हुई हैं। यह महिला वनडे में किसी भी जोड़ी द्वारा भारत के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने मिताली राज और पूनम राउत की सात शतकीय साझेदारियों की बराबरी की है। इन सात में से पांच शतकीय साझेदारियां 2025 में आई हैं।

यह किसी भी जोड़ी द्वारा एक कैलेंडर वर्ष में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले यह

रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क और लीजा काइटली के नाम था। मंधाना और रावल ने चार बार 150 या उससे ज्यादा की साझेदारी की है। क्लार्क और काइटली, तथा न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और एमी सैटर्थवेट ने भी महिला वनडे में चार-चार बार 150 से ज्यादा रन की साझेदारी की है। इन चार में से दो बार मंधाना-रावल ने 200 से ज्यादा रन की साझेदारी की है। ऐसा करने वाली जोड़ी सिर्फ तीन और हैं, लेकिन उनमें से कोई भी भारत से नहीं है।

कीमोथेरेपी से गुजर रही इंग्लैंड की पूर्व महिला क्रिकेटर सूसी

लंदन । इंग्लैंड की महिला टीम की पूर्व क्रिकेटर सूसी विल्सन रोवे फेफड़े के कैंसर से पीड़ित होने के कारण आजकल कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी के कठिन दौर से गुजर रही हैं। कैंसर के कारण ही इस क्रिकेटर का करियर भी समय से पहले ही समाप्त हो गया था। रोवे ने कहा है कि वह अपनी इसलिए साझा कर रही हैं ताकि अन्य लोगों में जागरुकता आये और वह अपने शरीर का ध्यान रखें। जब भी कोई गलत संकेते दिखे तत्काल डॉक्टर के पास जायें। वह जब अस्पताल पहुंची तब तक काफी देर हो गयी है। वहीं समय पर पता लगने से बहुत फर्क पड़ सकता है।' इंग्लैंड के लिए 22 टी20 इंटरनेशनल और 1 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाली सूसी को अपने कैंसर के बारे में तब पता चला, जब वह गर्भवती थीं। विल्सन रोवे ने इंग्लैंड के अलावा डोमेस्टिक टीम केंट के लिए नियमित क्रिकेट खेली। रोवे को पसलियों में 'महीनों तक दर्द से जूझने' के बाद इसके कैंसर होने का पता चला। शुरुआत में दर्द का कारण मांसपेशियों में खिंचाव बताया गया था, लेकिन आगे की जांच में पता चला कि उसके बाएं फेफड़े में ट्यूमर है। वहीं उनकी घरेलू टीम केंट ने कहा, सूसी ने एक खिलाड़ी, कोच, मेंटॉर और मित्र के रूप में क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है और कई लोगों को प्रेरित किया है।

महिला डॉक्टर ने की आत्महत्या... पुलिस सब इंस्पेक्टर पर 4 बार बलात्कार करने का आरोप

-हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में हुआ खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सतारा के फाल्टण जिला अस्पताल में एक महिला डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली। मृतका का नाम संपदा मुंडे था। अपने हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में मृतका महिला डॉक्टर मुंडे ने लिखा कि पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) गणेश बडने ने 4 बार उनका बलात्कार किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टर और जिला पुलिस के बीच एक मेडिकल एक्जामिनेशन को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। हथेली पर लिखे नोट में उन्होंने पीएसआई गणेश के अलावा एक और पुलिस कर्मी प्रशांत बांकर पर भी शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। घटना के बाद सतारा के गार्जियन मंत्री शंभूराज देसाई ने जांच का आश्वासन देकर कहा है कि दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। मामला समाने आने का बाद अब पुलिन ने पीएसआई गणेश को सस्पेंड किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहा ही कि गणेश को सीधे मुख्यमंत्री फडणवीस के आदेश पर सस्पेंड किया गया है। डॉक्टर मुंडे ने मामले और पुलिस से हो रही दिक्कत के बारे में पहले भी अपने सीनियर डॉक्टरों से शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि उनके साथ गलत व्यवहार हो रहा है। अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तब वे आत्महत्या कर लेंगी। संपदा महाराष्ट्र के बीड की रहने वाली थीं और फाल्टण जिला अस्पताल में काम करती थीं। उनके साथ काम कर रहे लोगों ने बताया कि पुरानी मेडिकल जांच की वजह से बहुत प्रेशर में थी। संपदा हमेशा स्ट्रेस में रहती थी। इस मामले का संज्ञान महाराष्ट्र महिला आयोग ने भी ले लिया है। आयोग प्रमुख रुपाली चंद्राकर ने कहा है कि जांच के लिए अलग टीमें बना ली गई हैं।

गुजरात के राजकोट में महसूस किए गए भूकंप के झटके

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट जिले के गोंडल शहर और आस-पास के इलाकों में दोपहर 12:37 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। खबरों में तीव्रता 3.6 (नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी -एनसीएस और अन्य स्रोतों के अनुसार) और 3.4 (एनसीएस के एक अन्य उल्लेख के अनुसार) बताई गई है। गांधीनगर स्थित भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार, केंद्र गोंडल से 24 किमी दूर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में एक खेत में दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। भूकंप के झटके राजकोट जिले के गोंडल शहर, जेतपुर और सौराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में महसूस किए गए। इन झटकों से किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप का एहसास होते ही लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता और दहशत का माहौल बन गया।

शराबी पति ने अपने तीन माह के बच्चे को खाई में फेंका...फिर खुद कूदकर आत्महत्या की

पौड़ी (एजेंसी)। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के पौड़ी जिले में एक मजदूर ने शराब के नशे में जो किया वह दिल दहला देने वाला है। मजदूर ने अपने 3 महीने के बेटे को कथित तौर पर खाई में फेंककर मार डाला और फिर खुद भी खाई में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। यह घटना तब हुई जब डबोली गांव निवासी मृतक 30 साल का ललित और उसकी पत्नी के बीच तीखी बहस हुई। अधिकारियों के अनुसार, ललित शराब का आदि था और इस बात पर पत्नी कमला से बहस हुई। इसके बाद पत्नी गुस्से में यह कहकर घर से निकल गई कि वह अपने तीन महीने के बच्चे के साथ अपने गांव वापस जा रही है। ये देखकर गुस्से में आए ललित ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की गोद से बच्चे को छीनकर सड़क के किनारे एक खाई में फेंक दिया। घटना के बाद, दंपति ने अपने बच्चे को खोजने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि हताश होकर ललित ने भी खाई में छलांग लगा दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने ललित को बचाया और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन वहां पहुंचने पर मजदूर को मृत घोषित किया गया। कमला के भाई प्रकाश ने बताया कि ललित और कमला का प्रेम विवाह हुआ था, लेकिन ललित कथित तौर पर शराब के नशे में कमला को पीटता था।

बिकिनी पहन महिला ने गंगा में किया स्नान, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

रिऋिकेश (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो इतने ज्यादा वायरल हो जाते हैं कि उनपर बहस छिड़ जाती है। ऐसा ही एक वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में गुस्सा भड़क गया। एक विदेशी महिला बिकिनी पहनकर गंगा नदी में कूदती नजर आ रही है। अब सही और गलत पर बहस छिड़ गई। कई लोग महिला को बुरा-भला बोल रहे हैं, तो कई उसका पक्ष ले रहे हैं। एक शख्स ने कहा कि आदमी लोग कच्छा पहनकर नहाते हैं तब अनादर नहीं होता। ऋषिकेश के फेमस लक्ष्मण झूला के पास बिकिनी पहनकर गंगा में डुबकी लगाती एक विदेशी पर्यटक का वीडियो वायरल हो गया है। इससे बहस छिड़ गई है। सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर इस वीडियो ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बीच की रेखा पर सवाल उठाए हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें देखा जा सकता है कि महिला बिकनी पहने खड़ी है। गले में फूलों की माला और माथे पर रोली का तिलक लगा है। वह पहले हाथ जोड़कर गंगा में स्नान करने उतर जाती है। सारी मालाओं को गंगा में बहा देती है फिर प्रार्थना कर डुबकी लगाती है। इसके बाद वह तैरने लगती है। देखा जा सकता है कि महिला किसी बुरी सोच से ऐसा नहीं कर रही बल्कि सम्मान देते हुए ही वह प्रार्थना कर रही थी। लोगों ने उसके कपड़ों पर सवाल उठा दिया। कुछ लोगों ने इसे भारत की सबसे पूजनीय नदियों में से एक की पवित्रता के प्रति अनादरपूर्ण बताते हुए इसकी आलोचना की। कुछ ने महिला का पक्ष लेते हुए जो वीडियो रिकॉर्ड कर रहा उसकी गलती बताई। एक यूजर ने लिखा कि 'मां गंगा एक पवित्र नदी है, कोई समुद्र तट या स्विमिंग पूल नहीं। सम्मान दिखाएं, सभ्य कपड़े पहनें, बिकिनी नहीं। वहीं, एक ने कहा कि लड़की के इरादे नहाते समय गलत नहीं थे। एक अन्य ने कहा कि आदमी लोग कच्छा पहन कर नहाते हैं तो वो बेइज्जती नहीं होती? उनके बारे में भी कुछ बोलना चाहिए।

1956 से पहले पिता की मृत्यु हुई तो बेटी को संपत्ति में हिस्सा नहीं: छग हाईकोर्ट

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा कि यदि पिता की मृत्यु 1956 से पहले हुई है, तो बेटी को उनकी पैतृक संपत्ति में हिस्सा नहीं मिलेगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 से पहले मिताक्षरा कानून लागू होगा। यह फैसला सरगुजा जिले की रघमनीया के मामले में आया, जिन्होंने 2005 में अपने पिता की संपत्ति में हिस्सा मांगा था। उनके पिता सुधिन की मृत्यु 1950-51 में हुई थी। निचली और अपील अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। 13 अक्टूबर को जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने फैसला बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि 1956 से पहले मिताक्षरा कानून के तहत केवल बेटे को संपत्ति मिलती थी। बेटी को अधिकार तभी मिलता, जब कोई बेटा न हो। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि 1956 से पहले की संपत्ति पुरुष उत्तराधिकारियों को मिलती थी। चूंकि रघमनीया के पिता की मृत्यु 1956 से पहले हुई और उनके एक बेटे थे, इसलिए रघमनीया को हिस्सा नहीं मिलेगा। यह

फैसला पुरानी संपत्ति पर बेटियों के दावों को स्पष्ट करता है।

यह मामला सरगुजा जिले की रहने वाली रघमनीया का है, जिन्होंने 2005 में अपने पिता की पैतृक संपत्ति में हिस्सा मांगते हुए दीवानी वाद दायर किया था। उनके पिता, सुधिन की मौत करीब 1950-51 में हुई थी. उन्होंने कहा कि वह अपने पिता की संपत्ति की कानूनी उत्तराधिकारी हैं, लेकिन निचली अदालत और अपील अदालत दोनों ने उनकी याचिका खारिज कर दी। 13 अक्टूबर को जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच ने इन फैसलों को बरकरार रखते हुए कहा कि अगर कोई हिंदू पुरुष, जो मिथाक्षरा कानून के अधीन है, 1956 से पहले मरता है, तो उसकी संपत्ति केवल पुत्र को मिलेगी. बेटी को अधिकार तभी मिलेगा जब कोई बेटा न हो। कोर्ट ने इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के दो बड़े फैसलों का हवाला भी दिया अर्शनूर बनाम हरपाल कौर 2020 और एक अन्य केस, जिनमें कहा गया था कि 1956 से पहले विरासत में मिली संपत्ति का हक़ केवल पुरुष उत्तराधिकारियों को ही मिलेगा। चूंकि रघमनीया के पिता की मौत 1956 से पहले हुई थी और वह अपने पीछे एक बेटा छोड़ गए थे, इसलिए अदालत ने कहा कि रघमनीया को संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं बनता। हाईकोर्ट ने निचली अदालतों के फैसलों को सही ठहराते हुए कहा कि उन्होंने ÷कानून का सही अनुप्रयोग÷ किया है। यह फैसला उन तमाम मामलों पर रोशनी डालता है जहाँ बेटियाँ अपने पिता की पुरानी संपत्ति पर दावा करती हैं। अब साफ है 1956 से पहले हुई मौतों के मामलों में बेटी का हक़ लागू नहीं होगा।

ज्ञानवापी विवाद : सीलिंग कपड़ा बदलने पर जिला अदालत ले सकती है फैसला

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी जिला न्यायालय ज्ञानवापी स्थल के संबंध में एक अहम फैसला सुना सकती है, जहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वेक्षण के दौरान कथित तौर पर एक शिवलिंग पाया गया था। इस सुनवाई में यह तय होने की उम्मीद है कि विवादित क्षेत्र को ढकने वाले खराब हो चुके सीलिंग कपड़े को बदला जाना चाहिए या नहीं। ज्ञानवापी परिसर में कोर्ट के आदेश पर हुई सर्वेक्षण में शिवलिंग मिलने के बाद उस क्षेत्र को सील कर दिया गया था। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सील किए गए हिस्से में मौजूद मछलियों को वुजूखाने में स्थानांतरित किया जाए, लेकिन अब, सीलिंग कपड़ा पूरी तरह खराब हो चुका है। ऐसे में, वराणसी जिला अदालत से उम्मीद है कि वह क्षेत्र की सुरक्षा बनाए रखने और विवादों को रोकने के लिए नया कपड़ा लगाकर दोबारा सील करने का फैसला लेगी। बता दें 12 सितंबर 2022 को वाराणसी जिला न्यायालय ने विवादित परिसर में हिंदू देवी-देवताओं की दैनिक पूजा-अर्चना की अनुमति मांगने वाली पांच हिंदू महिलाओं की याचिका पर आपत्तियों को खारिज कर दिया था। आदेश में स्थल की धार्मिक पहचान पर प्रश्न उठाने वाली सुनवाई जारी रखने की अनुमति दी गई, जिससे प्रभावी रूप से पूजा स्थल के बारे में चर्चा पुनः शुरू हो गई, यह कानून पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र को उसी रूप में बनाए रखने के लिए बनाया गया था, जैसा कि वे 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में थे। यह मामला अगस्त 2021 में शुरू हुआ, जब पांच हिंदू महिलाओं ने वाराणसी सिविल कोर्ट में एक याचिका दायर कर ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर कथित रूप से स्थित मूर्तियों की पूजा करने की अनुमति मांगी। याचिका के बाद, एक जांच आयोग ने मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण किया, जिसमें हिंदू याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि वजूखाना के अंदर एक शिवलिंग था।

केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब को लेकर जो कहा वह बर्दाश्त नहीं कर सकते

-आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर के संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को लेकर दिए बयान पर आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा है कि केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब के लिए जो बातें कही हैं, उन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते है। खट्टर का बयान सिर्फ एक नेता का बयान नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की दलित विरोधी सोच और नफरत को दिखाता है। आप प्रवक्ता ढांडा ने कहा कि बाबा साहब को संविधान निर्माता के रूप में छोटा दिखाने की कोशिश सीधा-सीधा दलित समाज का अपमान है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का इतिहास बाबा साहब और दलित समाज के अपमान से भरा पड़ा है। संसद में आंबेडकर को ट्रेंड बताकर उनका मजाक उड़ाया गया। संविधान बदलने की बात कर उनके बनाए संविधान को ठुकराने की कोशिश की गई। इतना ही नहीं दलित समाज से आने वाले जज पर हमला कर उन्हें बदनाम करने की मुहित चलाई गई।

उन्होंने कहा कि अब केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब की भूमिका पर सवाल उठाकर वहीं बीजेपी की गंदी सोच दोहरा दी है। आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि खट्टर की सोच बेहद घटिया और नफरत से भरी हुई है। हरियाणा में मुख्यमंत्री रहते हुए खट्टर ने दलित समाज को कमजोर करने, बांटने और उनके अधिकारों को खत्म करने की हर कोशिश की। उन्होंने कहा कि अब वह (खट्टर) बाबा साहब पर टिप्पणी कर अपनी छोटी मानसिकता और बीजेपी की विचारधारा को सामने ले आए हैं।

धर्मांतरण विरोधी कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल, कहा- भारत की धर्मनिरपेक्षता का ध्यान रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लागू धर्मांतरण विरोधी कानून को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने सवाल उठाए। न्यायालय ने कहा कि इस कानून के जरिए धर्म बदलने की इच्छा रखने वालों के लिए प्रक्रिया को जटिल किया गया है। इन सबके बाद भी हमें ये ख्याल रखना होगा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी अधिकारियों की भागीदारी और हस्तक्षेप पर चिंता जताई। पीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह कानून धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी की दखलअंदाजी बढ़ाने के लिए बनाया गया है। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस कानून की वैधता पर अभी विचार नहीं किया जा सकता। पीठ ने याद दिलाया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा से धर्म परिवर्तन कर सकता है। पीठ ने कहा कि इस मामले में उत्तर प्रदेश धर्मांतरण

अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता पर विचार करना हमारे क्षेत्र में नहीं है। फिर भी, हम यह मानने से खुद को रोक नहीं सकते कि धर्म परिवर्तन से पहले और बाद में घोषणा से संबंधित नियम व्यक्ति के लिए धर्म परिवर्तन की औपचारिकता को जटिल करते हैं। यह स्पष्ट है कि इन नियमों के जरिए धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में अधिकारियों का हस्तक्षेप बढ़ाया गया है। यहां तक कि जिला मजिस्ट्रेट को प्रत्येक धर्म परिवर्तन मामले में पुलिस जांच का निर्देश देने के लिए बाध्य किया गया है। न्यायालय ने धर्म परिवर्तन के बाद घोषणा की अनिवार्यता पर भी सवाल उठाए। कोई व्यक्ति किस धर्म को अपनाता है, यह उसका निजी मामला है। इस संबंध में घोषणा की बाध्यता निजता के खिलाफ है। यह विचारणीय है कि किसी को यह बताने की क्या जरूरत है कि उसने धर्म परिवर्तन किया और अब वह किस धर्म को मानता है। इस पर विचार करना होगा कि क्या यह नियम निजता के प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता। राज्य में धर्म परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया को लेकर पीठ ने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना और धर्मनिरपेक्ष प्रकृति पर ध्यान देना जरूरी है। न्यायालय ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे इसकी महान और दिव्य दृष्टि के आधार पर पढ़ा जाना चाहिए। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि हालांकि 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द 1976 में संशोधन के माध्यम से संविधान में जोड़ा गया, फिर भी धर्मनिरपेक्षता संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा है, जैसा कि 1973 के केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के फैसले में कहा गया था।

पाकिस्तान में बैठी 'शातिर हसीना' ने भारतीय अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कई हनीट्रैप कांड हो चुका हैं। ये हरकत पाकिस्तान ने ही करवाई थी, जिसमें एक 'शातिर हसीना' का नाम सामने आया था। इस हसीना ने भारत के बड़े-बड़े पदों पर बैठे 98 अधिकारियों को फंसाया था। ये जासूस इतनी चालाकी से काम करती थी कि किसी को कानों-कान खबर तक नहीं होती थी। फिर एक दिन शातिर हसीना की पोल खुली और सामने आया कि वो किस तरह अपने मिशन को अंजाम देती थी। ये पाकिस्तानी स्पाई असल में एक हैकर थी, जो ऑनलाइन अपने शिकार को फंसाती थी। इस शातिर हसीना का नाम सेजल कपूर था। इस स्पाई ने भारतीय रक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों को टारगेट किया था। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ये काम पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) से जुड़े उन पाकिस्तानी जासूसों का था, जो भारतीय लड़कियों के नाम से फेसबुक आईडी बनाते थे, जिसमें से एक का नाम सेजल कपूर था। सेजल तीन सालों तक एक्टिव थी और इस दौरान उसने 98 भारतीय अधिकारियों को फंसाया, जिसमें से आर्मी, नेवी, एयरफोर्स, पुलिस विभाग में काम करने वाले ऑफिशियल्स शामिल थे। साल 2015 से 2018 के बीच मिशन के दौरान वह ऑनलाइन चैटिंग करते-करते अधिकारियों के कंप्यूटर्स को हैक करती थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो चैटिंग के दौरान वह शिकार को 'विस्पर' नाम का मैसेंजर डाउनलोड करने के लिए कहती थी, जो असल में एक मैलवेयर है। इस चैट करने के लिए एक कोड का इस्तेमाल किया जाता था, जो सेजल को जाता था। सॉफ्टवेयर और कोड के जरिए वह सारा डेटा हैक कर लेती थी।

राज्यसभा चुनाव में एनसी उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे कांग्रेसी विधायक

तीन सीटों पर एनसी प्रतिद्वंदी को तो चौथी पर बीजेपी को मिल सकती है बढ़त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सभी कांग्रेस विधायक राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) की गुरुवार देर शाम श्रीनगर में हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया था। एनसी को समर्थन देने के अपने फैसले की घोषणा करके, कांग्रेस ने पार्टी के साथ अपने राजनीतिक गठबंधन की पुष्टि की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने घोषणा की कि सभी छह कांग्रेस विधायक एनसी उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करेंगे।

बैठक के बाद कर्रा ने इस बात पर जोर दिया कि बीजेपी को हराना कांग्रेस-एनसी गठबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ हमारा गठबंधन मजबूत और सैद्धांतिक है। हमारा लक्ष्य यह तय करना है कि इन चुनावों में बीजेपी को हार का सामना करना पड़े। राज्यसभा चुनाव गठबंधनों की ताकत की परीक्षा लेगा और पार्टियों में किसी

भी दरार को उजागर कर सकता है। दोनों पक्ष निर्णायक दिन के लिए तैयार हैं; अब सबकी नजरें आंकड़ों पर हैं। एनसी ने चार उम्मीदवार उतारे हैं जिनमें मोहम्मद रजवान चौधरी, सजाद किचलू, शमी ओबेरॉय और इमरान नबी डार। वहीं बीजेपी ने तीन सीटों के लिए तीन उम्मीदवार उतारे हैं। चौथी सीट के लिए बीजेपी ने अपने केंद्र शासित प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सत शर्मा को मैदान में उतारा है। एनसी को तीन सीटों पर प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त है, जबकि चौथी सीट पर बीजेपी को एनसी गठबंधन पर बढ़त है, 28 वोटों के मुकाबले एनसी के 24 वोट। पीडीपी ने तीसरी सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन देने की घोषणा की है। 90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सभी निर्वाचित विधायक राज्यसभा चुनाव में मतदान करने के पात्र हैं। ये चुनाव करीब 10 सालों के बाद हो रहे हैं और फरवरी 2021 के बाद जम्मू-कश्मीर में कोई सक्रिय विधानसभा नहीं होने के कारण ये चुनाव नहीं हो पाए थे।

यादों की प्ले लिस्ट के साथ होगी इंडियन आइडल की वापसी

मुंबई (एजेंसी)। भारत का सबसे मशहूर सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर एक नए सीजन के साथ शानदार वापसी कर रहा है! इस बार शो एक खास थीम यादों की प्लेलिस्ट के साथ पुरानी यादें ताजा करेगा, जिसमें 90 के दशक की अमर धुनों को सेलिब्रेट किया जाएगा। इसी थीम के अनुसार, सुहैल ने अपने दादा, मशहूर चंद्र लाल सांगी को दिल से एक खूबसूरत ट्रिब्यूट दिया है। सुहैल का परफॉर्मेंस उनके दादा, मशहूर चंद्र लाल सांगी को समर्पित था, जो अपनी रागिनियों के लिए जाने जाते थे। सुहैल के दादा चंद्र लाल सांगी अपने गांव में एक सम्मानित नाम थे, जिनके नाम पर स्कूल और अस्पताल भी बने हैं। उनकी रागिनियाँ आज भी लोगों को याद हैं, और सुहैल का सपना है कि वो अपने दादा की इस संगीत की परंपरा को आगे बढ़ाएं।

शो में जब बादशाह ने पूछा कि वो अपने दादा की परंपरा को कैसे आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो सुहैल ने बताया कि वो खुद अपने रैप लिखते हैं। उन्होंने हारमोनियम पर रैप और पारंपरिक रागिनी को मिलाकर कुछ ऐसा पेश किया जिसे श्रेया ने प्यार से रैपगिनी कहा। बादशाह ने सुहैल की इस कोशिश की तारीफ की कि कैसे वो परंपरा और हिप-हॉप को एक साथ जोड़ रहे हैं, और वो भी दिखाते हुए कि पुरानी विरासत और नया अंदाज साथ चल सकते हैं। परफॉर्मेंस के बाद श्रेया घोषाल ने कहा, तुम अपनी विरासत को जरूर गर्व महसूस करवाओगे, इसमें कोई शक नहीं। तुम रैपगिनी के असली जनक हो। ये तो बस शुरूआत है, अब मुझे लगता है कि इस सीजन में तुम कुछ बड़ा और अलग करने वाले हो। यादों की प्लेलिस्ट थीम के साथ बिल्कुल मेल खाते हुए, सुहैल का गाना दिखाता है कि आज की युवा पीढ़ी किस तरह पारंपरिक कला को नए रूप में पेश कर रही है, और अपने परिवार की सांस्कृतिक पहचान को ज़िंदा रखे हुए है। उन्होंने अपने दादा की विरासत की यादों को रैपगिनी की नई सोच के साथ जोड़ा है, जहां पुरानी परंपरा और नई ताजगी खूबसूरती से एक साथ नजर आती है। इंडियन आइडल का नया सीजन देखें, हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लाईव पर।

दिल्ली में रेखा गुप्ता सरकार ने महिला कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में महिला कर्मचारी अब दुकानों और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में राम में काम कर सकेंगी। दिल्ली सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी औपचारिक मंजूरी दे दी है। हालांकि, इसके लिए महिला कर्मचारियों की लिखित सहमति अनिवार्य होगी।

दिल्ली सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हर कर्मचारी को ओवरटाइम पर सामान्य वेतन का दोगुना भुगतान मिलेगा और साप्ताहिक कार्य की अधिकतम सीमा 48 घंटे तय की गई है। इसके साथ ही सभी प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) बनाना भी अनिवार्य किया गया है।

महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति देने के प्रस्ताव को साल की शुरुआत में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंजूरी दी थी। इसके बाद श्रम विभाग ने दिल्ली दुकानदार एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम, 1954 में दो नए प्रावधान जोड़े हैं, जो महिलाओं की नियुक्ति और उनके कार्य की शर्तों से संबंधित हैं। महिला कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में तभी लगाया जा सकेगा जब वे इसके लिए लिखित रूप से सहमत हों। कोई भी कर्मचारी किसी भी दिन 9 घंटे से अधिक (भोजन-विश्राम सहित) और सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम नहीं कर सकेगा। लगातार 5 घंटे से ज्यादा काम करवाने की अनुमति नहीं होगी। नाइट शिफ्ट या ओवरटाइम करने वाले कर्मचारियों के लिए सुरक्षा, परिवहन और उपयुक्त सुविधाओं की व्यवस्था नियोक्ता को करनी होगी। ओवरटाइम का भुगतान दोगुना वेतन दर पर किया जाएगा। शिफ्ट प्रणाली इस तरह बनाई जाएगी कि किसी भी कर्मचारी को सिर्फ नाइट शिफ्ट में ही काम करने के लिए मजबूर न किया जाए। सुरक्षा और निगरानी के लिए भी प्रावधान नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हर प्रतिष्ठान जहां महिलाएं कार्यरत होंगी, वहां यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून, 2013 के तहत आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) गठित की जाएगी। साथ ही इसतरह के सभी वर्क प्लेस में सीसीटीवी लगाए जाएंगे और उनकी फुटेज कम से कम एक महीने तक सुरक्षित रखी जाएगी। जरूरत पड़ने पर यह रिकॉर्डिंग मुख्य निरीक्षक (शॉप्स विभाग) को प्रस्तुत करनी होगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902